● वर्ष-3
● अंक-89
रायपुर, बुधवार
22 नवंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› हॉलीवुड जाने की तैयारी में करीना

ईडी का एक्शन, नेशनल हेराल्ड केस में ईडी का एक्शन 751 करोड़ की संपत्ति अटैच

गांधी परिवार को झटका

नईदिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस द्वारा संचालित नेशनल हेराल्ड अखबार के मामलों की मनी लॉन्ड्रिंग जांच में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और यंग इंडियन (वाईआई) की ?751 करोड़ की संपत्ति कुर्क की है। जहां दिल्ली, मुंबई और लखनऊ में एजेएल की ?661 करोड़ की अचल संपत्तियां कुर्क की गई हैं, वहीं वाईआई की अपराध से प्राप्त आय इक्विटी शेयरों के रूप में कुर्क की गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत जांच किए गए मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में ?751.9 करोड़ की संपत्तियों को अस्थायी रूप से संलग्न करने का आदेश जारी किया है।

ईडी ने अपने बयान में कहा कि जांच से पता चला कि मेसर्स एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल)) भारत के कई शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई और लखनऊ में फैली अचल संपत्तियों के रूप में अपराध की आय से रु. 661.69 करोड़ की है। एजेंसी ने 26 जून 2014 के आदेश के

तहत एक निजी शिकायत पर संज्ञान लेने के बाद दिल्ली के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा जारी प्रक्रिया के आधार पर नेशनल हेराल्ड के खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग जांच शुरू की। ईडी के बयान में मंगलवार को कहा गया कि अदालत ने माना कि मेसर्स यंग इंडिया सहित सात आरोपी व्यक्तियों ने प्रथम दृष्टया भारतीय दंड संहिता की धारा 406 के तहत आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी और धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत संपत्ति की डिलीवरी के लिए बेईमानी से प्रेरित करने के अपराध किए हैं।

फेमा मामले : ईडी ने वेंकटस्वामी के परिसरों की तलाशी ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हवाला से जुड़े विदेशी मुद्रा संबंधी कानून के उल्लंघन मामले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को तेलंगाना की चेन्नूर सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विवेक वेंकटस्वामी और कुछ अन्य के परिसरों की तलाशी ली।

आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राज्य की 119 सदस्यीय विधानसभा के लिए 30 नवंबर को चुनाव होना है। सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी चेन्नूर और हैदराबाद में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत तलाशी ले रही है। सूत्रों ने बताया कि आठ करोड़ रुपये का एक संदिग्ध बैंक लेनदेन हाल में किया गया था और कथित तौर पर कांग्रेस नेता द्वारा प्रवर्तित कंपनी से जुड़ा है जो एजेंसी की जांच के दायरे में है।

उन्होंने कहा कि ईडी ने उस सूचना पर कार्रवाई की जो सबसे पहले तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को मिली थी। पूर्व सांसद ने इस महीने की शुरुआत में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से इस्तीफा दे दिया था तथा हैदराबाद में पार्टी नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। पहले वह कांग्रेस में थे और उसे छोड़कर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में चले गए थे और फिर उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया था। विवेक 600 करोड़ रुपये से अधिक की घोषित संपत्ति के साथ, तेलंगाना में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ने वाले सबसे अमीर उम्मीदवार हैं। विवेक और उनकी पत्नी के पास 377 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है।

इसमें से ज्यादातर, विभिन्न कंपनियों के शेयर हैं, जिसमें उनकी अपनी विसाका इंडस्ट्रीज भी शामिल है। परिवार की अचल संपत्ति 225 करोड़ रुपये से अधिक है। उनके द्वारा दाखिल हलफनामे के मुताबिक, विवेक और उनकी पत्नी पर 41.5 करोड़ रुपये की देनदारियां या कर्ज है। पिछले वित्त वर्ष 2019 में विवेक की वार्षिक आय 4.66 करोड़ रुपये थी जो इस साल बढ़कर 6.26 करोड़ रुपये हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान उनकी पत्नी की वार्षिक आय 6.09 करोड़ रुपये से बढ़कर 9.61 करोड़ रुपये हो गई।

25 लाख से अधिक परिवारों को देंगे श्रीराम लला के प्राणप्रतिष्ठा का निमंत्रण

भोपाल। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के आह्वान पर अयोध्या में आगामी जनवरी में होने वाले राम लला के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के निमित्त मध्यभारत प्रान्त के 25 लाख से अधिक परिवारों को निमंत्रण देंगे। 5 नवंबर को श्री राम मंदिर में पूजित अक्षत (पीले चावल) कलश संगठन की दृष्टि से बने हमारे मध्यभारत प्रान्त आ चुके हैं। इन पूजित अक्षत कलश का जिला सह वितरण कार्यक्रम गुफा मंदिर ,लालघाटी भोपाल मैं रखा गया जिसमे पूज्य साध्वी महामंडलेश्वर प्रज्ञा भारती दीदी , महंत श्री रामदास त्यागी जी महाराज, महंत श्री अनिलानंद जी महाराज ,महामंडलेश्वर राम भूषण दास जी महाराज ,महंत श्री राधा मोहन दास जी महाराज, महंत श्री रविन्द्र दास जी महाराज , श्री सुदेश शांडिल्य जी महाराज ,विहिप केंद्रीय उपाध्यक्ष श्री हुकुमचंद सावला, संघ के प्रांत संघचालक श्री अशोक जी पांडे , विहिप प्रांत अध्यक्ष श्री पीतांबर राजदेव , प्रान्त कार्याध्यक्ष श्री के एल शर्मा , प्रान्त मंत्री श्री राजेश जैन एवम संघ परिवार के अन्य संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी, समाज के गणमान्य

नागरिक के साथ संगठन के 32 जिलों के प्रतिनिधि पूजित अक्षत कलश अपने जिलों में ले जाने के लिये उपस्थित रहे।तीर्थ क्षेत्र न्यास के आह्वान पर इस अक्षत निमंत्रण को लेकर, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता अन्य हिंदू संगठनों के साथ मिलकर, 1 जनवरी से 15 जनवरी के बीच, प्रान्त के नगर ग्रामों में, हिंदू परिवारों तक जाएंगे।

हम भगवान श्रीराम के 14 वर्ष बाद अयोध्या लौटने की खुशी में दिवाली मनाते हैं किन्तु, आगामी 22 जनवरी को तो वह दूसरी दीपावली होगी जब रामजी 500 वर्षों के बाद, भारत की स्वतंत्रता के अमृत वेला में अपने जन्म-स्थान पर लौटेंगे। इसलिए यह आवश्यक है कि विश्व का समस्त हिन्दू समाज इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रत्यक्ष शामिल हो। सब रामभक्तों को तो उसी दिन अयोध्या नहीं बुलाया जा सकता।

इसलिए विहिप का आह्वान है कि प्रान्त भर के हिंदू अपने मुहल्ले या गांव के मंदिर को ही अयोध्या मानकर वहां एकत्र हों। वहाँ की परंपरानुसार पूजा-पाठ, आराधना व अनुष्ठान करें, पूज्य संतों द्वारा दिए गए विजय महा-मंत्र श्रीराम जय राम जय जय राम का जाप करें तथा अयोध्या के भव्य-दिव्य कार्यक्रम के सीधे प्रसारण को साक्षात देखें, आरती में अपना स्वर मिलाएं, प्रसाद बांटें और इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के प्रत्यक्षदर्शी बनकर आनंद मनाएं। विहिप ने देश को 45 भागों में बांटकर प्रत्येक भाग के लिए 27 जनवरी से 22 फरवरी के बीच में उस भाग के लिए निश्चित दिन अयोध्या पधारने का निवेदन किया है। इसी क्रम मे मध्यभारत प्रान्त से दिनांक 17 फरबरी को लगभग 2500 लोगों के दर्शनों की व्यवस्था की गई है।विहिप का आह्वान है कि 22 जनवरी की पुण्य रात्रि को प्रत्येक हिंदू परिवार कम से कम 5 दीपक अवश्य जलाए।

इजरायल और हमास जंग के बीच एक बड़ी खबर आई है. इजरायली मीडिया के हवाले से बताया जा रहा है कि इजरायल के साथ सीजफायर समझौते के तहत हमास 80 बंधकों को रिहा करने जा रहा है. बीते डेढ़ महीने से जारी इस जंग के बीच बंधकों की रिहाई के लिए कतर दरअसल इजरायल और हमास के बीच मध्यस्थता कर रहा है.

राहुल के पनौती वाले बयान पर भड़की भाजपा

नईदिल्ली। कांग्रेस के राहुल गांधी ने अहमदाबाद में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप फाइनल में उनकी उपस्थिति के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर परोक्ष रूप से कटाक्ष किया। राहुल गांधी की %पनौती% टिप्पणी से भाजपा में हंगामा मच गया और कई लोगों ने कांग्रेस नेता से माफी की मांग की। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रियंका गांधी वाड्रा की एक क्लिप के साथ पलटवार किया और दावा किया कि गांधी परिवार ही असली पनौती है। हिमंता ने प्रियंका का क्लिप शेयर करते हुए कहा कि ये हैं असली पनौती। जब भी इस परिवार के लोग खुशी मनाते हैं,पूरे देश में क्यों मचता हैं मातम?

अच्छा भला हमारे लड़के मैच जीत जाते, पनौती ने हरवा दिया:

कांग्रेस पार्टी ने यह सुझाव देकर राजनीतिक हलचल जारी रखी है कि जहां भी पार्टी की सरकार बनेगी, वह जाति-आधारित जनगणना कराएगी। पार्टी नेता राहुल गांधी ने राजस्थान के वल्लभनगर में सर्वेक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। राहुल गांधी ने विधानसभा चुनाव से

पहले राजस्थान के वल्लभनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर पार्टी सत्ता में आई तो चुनाव के तुरंत बाद जाति जनगणना कराएगी और राज्य के वंचित समुदायों के अधिकारों की रक्षा करेगी।

देश को एक्स-रे कराने की जरूरत है और जाति आधारित जनगणना एक एक्स-रे है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा केवल बड़े उद्योगपतियों के बारे में सोचती है, लेकिन कांग्रेस आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करेगी। वह वल्लभनगर में बोल रहे थे, जो राजस्थान के 200 विधानसभा क्षेत्रों में से एक है और चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उद्योगपति गौतम अडानी के लिए चौबीसों घंटे काम करने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जालोर में चुनाव प्रचार करते हुए वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की हार का भी जिक्र किया।

पतंजलि को भ्रामक विज्ञापन पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नईदिल्ली। एलोपैथिक दवाओं को निशाना बनाकर भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पतंजलि आयुर्वेद को कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने पतंजलि को चेतावनी दी कि अगर यह गलत दावा किया गया कि उसके उत्पाद कुछ बीमारियों को ठीक कर सकते हैं तो उस पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। पतंजलि आयुर्वेद को निर्देश दिया कि वह भविष्य में ऐसे किसी भी भ्रामक विज्ञापन का प्रकाशन बंद करे।

प्रमुख समाचार

बिहार की सरकारी नौकरियों में मिलेगा 65 फीसदी आरक्षण

नईदिल्ली। बिहार में नीतीश कुमार सरकार ने औपचारिक रूप से राज्य सरकार की नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में वंचित जातियों के लिए आरक्षण कोटा 50फीसदी से बढ़ाकर 65फीसदी कर दिया है। यह घटनाक्रम राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर की सहमति के बाद हुआ है, जिससे बढ़े हुए

कोटा के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह कदम हाल ही में शीतकालीन सत्र के दौरान राज्य विधानमंडल द्वारा दोनों विधेयकों को मंजूरी दिए जाने के बाद उठाया गया, जो सरकार द्वारा विधानसभा में ऐतिहासिक जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करने के तुरंत बाद हुआ। बिल में संशोधन विभिन्न श्रेणियों के लिए आरक्षण प्रतिशत में वृद्धि की रूपरेखा तैयार करता है, जिसमें अनुसूचित जाति 16 फीसदी से बढ़कर 20 फीसदी, अनुसूचित जनजाति (एसटी) 1फीसदी से बढ़कर 2ब, अत्यंत पिछड़ी जाति (ईबीसी) 18ब हो गई है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षित मौजूदा 10ब कोटा को ध्यान में रखते हुए, नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण की कुल मात्रा अब राज्य में 75ब तक पहुंच जाएगी।

स्कूल बुक में शामिल हो सकते हैं रामायण और महाभारत

नईदिल्ली। सामाजिक विज्ञान के लिए स्कूली पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा गठित एक उच्च स्तरीय समिति ने पाठ्यपुस्तकों में रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों को शामिल करने और कक्षा की दीवारों पर संविधान की

प्रस्तावना लिखने की सिफारिश की है। पिछले साल गठित सात सदस्यीय समिति ने सामाजिक विज्ञान पर अपने अंतिम स्थिति पेपर के लिए कई सिफारिशें की हैं, जो नई एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों के विकास की नींव रखने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्देशात्मक दस्तावेज है। समिति की सिफारिश पर अब इन कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों और शिक्षण सामग्री को अंतिम रूप देने के लिए जुलाई में अधिसूचित 19-सदस्यीय राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण शिक्षण सामग्री समिति (एनएसटीसी) द्वारा विचार किया जा सकता है। एनएसटीसी ने हाल ही में इस विषय के लिए पाठ्यक्रम और शिक्षण-शिक्षण सामग्री विकसित करने के लिए सामाजिक विज्ञान के लिए एक पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह (सीएजी) का गठन किया है।

लोकसभा चुनाव के बाद में होगा बड़ा परिवर्तनः अखिलेश

नईदिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को दावा किया कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद देश में एक बड़ा परिवर्तन होगा और आने वाले समय में समाजवादियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। अखिलेश ने यहां समाजवादी

पीडीए साइकिल यात्रा के समापन अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, 2024 के बाद देश में अलग तरह का और बड़ा परिवर्तन होगा। समाजवादी पीडीए यात्रा ने बड़ा संदेश देने का काम किया है। यही पीडीए भाजपा और एनडीए (भाजपानीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) का मुकाबला करेगा। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में साइकिल वालों (सपा उम्मीदवारों) की जीत होगी। पीडीए ही लोकसभा चुनाव में एनडीए को हराएगा।पीडीए की ताकत देखकर अब कई दल जातिवार जनगणना का समर्थन कर रहे हैं। पूर्व में यह जनगणना रोकने वाले दल भी अब जाति जनगणना के पक्ष में आ गये हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा, समाजवादी लोग लम्बे समय से जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं।

मराठों को आरक्षण विधेयक पारित किया जाएः जरांगे

नईदिल्ली। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मराठों को आरक्षण देने के लिए विशेष सत्र बुलाने के बजाय महाराष्ट्र विधानमंडल के आगामी शीतकालीन सत्र में एक विधेयक पारित करने का राज्य सरकार से मंगलवार को अनुरोध किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गृह नगर ठाणे में एक रैली को संबोधित करते हुए जरांगे ने सरकार को 24 दिसंबर की समय सीमा की याद दिलाई, जो उन्होंने मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए रखी है। जरांगे ने कहा कि यदि यह मांग उस वक्त तक पूरी नहीं की जाती है तो उसके बाद सरकार आंदोलन को संभाल नहीं पाएगी। सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में अन्य पिछड़ा वर्ग के तहत मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे जरांगे ने कहा कि सरकार के पास उनके समुदाय को आरक्षण देने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र सरकार सात दिसंबर से शुरू होने वालेविधानमंडल के आगामी सत्र में एक विधेयक पारित कर सकती है। विशेष सत्र बुलाने के बजाय, नवीनतम आंकड़ों के आधार पर आगामी सत्र में मराठों को आरक्षण दीजिए।''

राजस्थान में कांग्रेस का घोषणापत्रः 7 गारंटियों की सूची

नईदिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने इस सप्ताह के अंत में होने वाले आगामी राजस्थान चुनावों के लिए एक घोषणापत्र जारी किया है। घोषणापत्र को कांग्रेस प्रमुख खड़गे ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और अन्य शीर्ष कांग्रेस नेताओं के साथ जारी किया। घोषणापत्र में सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक राजस्थान सरकार की सत्ता में लौटने पर जाति सर्वेक्षण कराने की प्रतिज्ञा है। पार्टी ने इसे तत्काल प्राथमिकताएं अनुभाग के तहत सूचीबद्ध किया है। पार्टी ने कहा कि जनसंख्या का सटीक निर्धारण करने और सकारात्मक कार्रवाई पर सूचित निर्णयों के लिए लाभ आवंटित करने के लिए एक सर्वेक्षण करने जा रही है। अन्य प्राथमिकताओं में किसान कल्याण, महिला सुरक्षा उपाय, महिला सशक्तिकरण, कृषि प्रगति, रोजगार, शहरी विकास, शिक्षा, चिकित्सा और स्वास्थ्य, श्रम और लघु व्यवसाय और शहरी रोजगार शामिल हैं।गृह लक्ष्मी - घर की महिला मुखियाओं के लिए प्रति वर्ष 10,000 रुपये यह पहल परिवार की महिला मुखिया को सालाना 10,000 रुपये की गारंटी देती है, जिसका लक्ष्य गृहणियों को मान्यता और वित्तीय स्थिरता प्रदान करना है। गौधन- 2 रुपए प्रति किलो गोबर की सरकारी खरीद गौपालकों से 2 रुपए प्रति किलो की दर से गोबर खरीदा जाएगा।

अब सुरंग के ऊपर से वर्टिकल ड्रिलिंग, रेस्क्यू टीम का उत्साह भी बढ़ा

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी सुरंग ढहने की चल रही घटना में एक बड़ी सफलता में बचाव दल के अधिकारियों ने मंगलवार सुबह 6 इंच की पाइपलाइन के माध्यम से फंसे हुए श्रमिकों के साथ सफलतापूर्वक संचार विकसित किया है। एक ऑडियो क्लिप में सुरंग में फंसे एक कर्मचारी को अपनी स्थिति के बारे में बात करते हुए सुना जा सकता है। कर्मी ने बताया कि वे सभी ठीक हैं और घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा हम सभी यहां ठीक हैं। मैं अपने माता-पिता और अपने गांव के सभी लोगों को सलाम करता हूं। हम सभी यहां ठीक हैं और चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। हमें भोजन और ऑक्सीजन उपलब्ध कराया जा रहा है...भगवान की कृपा से, हम ठीक हो जाएंगे। जल्द ही सुरक्षित बाहर आएंगे।बचाव दल को पाइपलाइन के जरिए सुरंग में फंसे मजदूरों से बात करते हुए साफ देखा गया। बचाव दल ने श्रमिकों से पाइपलाइन के माध्यम से डाले गए एंडोस्कोपिक फ्लेक्सी कैमरे के सामने आने का भी आग्रह किया। एक कर्मचारी ने पाइप लाइन से कैमरा निकालकर सीमित जगह में रख दिया ताकि सभी की पहचान हो सके। इसके अलावा, बचाव दल ने यह भी बताया कि पाइपलाइन साफ होने के बाद फिर से भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

वीडियो में फंसे हुए मजदूर खुश और मानसिक स्थिति में नजर आ रहे थे। श्रमिकों को 6 इंच की पाइपलाइन के माध्यम से वॉकी-टॉकी प्रदान किया गया ताकि वे बचाव दल के साथ संवाद कर सकें। इस बीच, अंदर फंसे श्रमिकों तक पहुंचने के लिए सिल्कयारा सुरंग के पास 900 मिमी के और पाइप लाए गए हैं। बचावकर्मियों ने सभी श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए सुरंग के अंदर पाइपलाइन बिछाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विदेशों से सुरंग बनाने के विशेषज्ञों सहित विभिन्न एजेंसियों को युद्धस्तर पर लगाया गया है।उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी बताया कि प्रधानमंत्री लगातार बचाव अभियान का जायजा ले रहे

हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक बार फिर फोन किया और उत्तरकाशी के सिल्कयारा में निर्माणाधीन सुरंग में चल रहे बचाव और राहत अभियान के बारे में जानकारी मांगी...इस अवसर पर माननीय प्रधान मंत्री को 6- के सफल निर्माण के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने आगे कहा मलबे के पार इंच व्यास की पाइपलाइन और इसके माध्यम से श्रमिकों को भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की डिलीवरी। सीएम धामी ने कहा, प्रधानमंत्री को इंडोस्कोपिक फ्लेक्सी कैमरे की मदद से श्रमिक भाइयों से हुई बातचीत की जानकारी दी गई। उन्हें यह भी आश्वासन दिया गया कि सभी श्रमिक भाइयों को सुरक्षित बाहर निकालना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

यहां बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बचाव कार्यों पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं और हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। फंसे हुए मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर काम कर रही है। फंसे हुए मजदूरों में झारखंड के 15, उत्तर प्रदेश के आठ, ओडिशा के पांच, बिहार के चार, पश्चिम बंगाल के तीन, उत्तराखंड और असम के दो-दो और हिमाचल प्रदेश के एक मजदूर शामिल हैं।

पूरी तैयारी हो चुकी

अब सुरंग के ऊपर से ड्रिलिंग होगी, जिसकी पूरी तैयारी हो चुकी है। इसके लिए ओडिशा से सेना के हेलीकॉप्टर से मोटे पाइप लाकर सिलक्यारा टनल पहुंचाए गए हैं। कोटियाला से बड़ी वर्टिकल मशीन बोर (ड्रिलिंग) करने के लिए सिलक्यारा लाई गई है। अब इन भारी भरकम पाइप और वर्टिकल मशीन को टनल के ऊपर पहाड़ी पर ले जाकर ड्रिलिंग होगी।

टनल के ऊपर पहले ही ड्रिलिंग वाला स्थान चिन्हित किया जा चुका है। रेस्क्यू टीम पूरे ऑपरेशन को अंजाम देने को तैयार है। वर्टिकल मशीन सुरंग के ऊपर से नीचे की तरफ ड्रिलिंग करेगी। इस मशीन की खासियत है कि यह बड़े एरिया में ड्रिलिंग करती है।बता दें कि सिलक्यारा में चारधाम रोड परियोजना के तहत टनल निर्माण हो रहा है। दीपावली के दिन टनल में मलबा आ गया था।

हाथियों के डर से कई गांव में धान कटाई ठप्प

कोरबा। हाथियों के दल के विचरण के कारण कोरबा व कटघोरा वन मंडल जलके, तनेरा व गुरमा सहित आसपास के दर्जन भर गांव में सप्ताह भर से धान खरीदी का काम ठप पड़ गया है। दोनों ही वनमंडलों में इन दिनों 88 हाथी विचरण कर रहे हैं।

पखवाड़े भर के भीतर पड़ोसी जिला सूरजपुर, कोरिया व रायगढ़ से हाथियों के जिले में प्रवेश करने से संख्या बढ़ गई। जिले में हाथियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। जिससे नुकसान का भी दायरा बढ़ने लगा है। कटघोरा वन मंडल के पसान व केंदई रेंज में 48 हाथी पखवाड़े भर पहले विचरण कर रहे थे। यहां सूरजपुर से 11 व कोरिया से दो हाथियें के आने संख्या 61 हो गई है।

इसी तरह कोरबा वन परिक्षेत्र के कुदमुरा रेंज में 16 हाथी विचरण कर रहे थे यहां रायगढ़ से 11 हाथियों के आने से संख्या 27 हो गई है। दोनो ही वन मंडल क्षेत्रों में विचरण कर रहे हाथी जंगल के बजाए गांव के आसपास डेरा डाले हैं। धान फसल पक कर तैयार है। हाथियों के लिए बेहतर चारा साबित हो रही है। विडंबना यह है कि धान फसल को जितना चट करने से नुकसान होता

है उससे अधिक रौंदने से हा रही है। किसानों को धान की सुरक्षा के लिए मचान में रतजगा करना पड़ रहा है। दल में बंटे हाथियों से अधिक खतरा लोनर हाथियों से है। इन दिनों साल्हो पहाड़ व उचलेंगा के आसपास दो लोनर विचरण कर रहे हैं। वन विभाग की ओर से लगातार मुनादी कराकर लोगों को हाथियों से दूर रहने की सलाह दी जा रही हैं।

गजराज ने नरसिंहपुर गांव में मचाया तांडव

कबीरधाम। कबीरधाम जिले में एक बार फिर से गजराज पहुंच गए। सोमवार-मंगलवार की रात 12.30 बजे पंडरिया ब्लॉक के नरसिंहपुर गांव में जमकर उत्पात मचाया। करीब 5 से 6 घरों को नुकसान पहुंचाया। गांव में हाथी की एंट्री होने के बाद लोगों को रात के समय गांव छोड़ना पड़ा। लेकिन जैसी सुबह हुई तो मंगलवार को गांव वापस आए। तब तक कई घर में नुकसान हुआ था। राहत की बात है कि किसी भी व्यक्ति को कुछ भी नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि हाथी के दल में कुल 6 हाथी थे। ये एमपी-सीजी बॉर्डर में एक्टिव है। पिछले एक सप्ताह से अचानकमार अभयारण से हाथियों ने एमपी के करंजिया से प्रवेश करते हुए छत्तीसगढ़ के गांव में प्रवेश किया है। बीते 11 नवंबर को सीजी के ग्राम भेल्की में देखा गया था। अब इसके बाद बढ़ते हुए 21 नवंबर की नरसिंहपुर तक पहुंच गए हैं। वर्तमान में हाथी गन्ना के खेत में घुस गए है। मौके पर वन विभाग की टीम मौजूद है।

छत्तीसगढ़ के नक्सलगढ़ में बंपर वोटिंग, क्या रहा बड़ा फैक्टर?

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में दो चरणों के चुनाव के बाद अब 3 दिसंबर का इंतजार हो रहा है। तीन दिसंबर को प्रदेश में अगले पांच साल किसकी सरकार होगी इससे पर्दा उठ जाएगा।इस बार दो चरणों में हुए मतदान में नक्सलगढ़ के उन जगहों पर भी वोटिंग हुई जहां पहले कभी चुनाव नहीं हुए।यानी इन जगहों के पोलिंग बूथ या तो शिफ्ट किए जाते थे या फिर मतदाताओं को किसी दूसरे गांव के साथ जोड़कर मतदान करवाया जाता था।लेकिन इस बार धुर नक्सल इलाकों में भी कड़ी सुरक्षा के बीच संवेदनशील पोलिंग बूथों पर वोटिंग कराई गई।

छत्तीसगढ़ में पहले चरण के तहत विधानसभा चुनाव का मतदान 20 सीटों पर 7 नवंबर को हुआ था। इनमें से 12 विधानसभा सीटें बस्तर संभाग की थी। जिसमें अंतागढ़, भानुप्रतापपुर, कांकेर, केशकाल, कोंडागांव, नारायणपुर, चित्रकोट, बस्तर, जगदलपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा और कोंटा शामिल हैं। बस्तर संभाग के 12 विधानसभा सीटों में अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र में मतदान का समय अलग-अलग निर्धारित किया गया था। कुछ विधानसभा सीटों पर सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक का समय निर्धारित था।

छत्तीसगढ़ में पहले चरण का मतदान को लेकर बस्तर संभाग में कड़ी सुरक्षा तैनात की

गई थी। बस्तर संभाग में लगभग 90 हजार से 1 लाख जवानों को तैनात किया गया था। साथ ही साथ कई पोलिंग बूथों की कमान महिला कमांडो के हाथों में थी।धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के मतदान केंद्रों के लिए जवानों को एयर लिफ्ट किया गया था।इसके साथ ही बॉर्डर पर भी सीमावर्ती राज्य ओड़ीसा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र की सीमा पर सुरक्षा बल तैनात था।

आईजी बस्तर सुंदरराज पी ने कहा 40 मतदान केंद्रों में निर्भीक और निडरता के साथ मतदाता पहुंचे थे। जहां इस चुनाव का मत प्रतिशत भी बेहतर रहा है। साथ ही ऐसे मतदान केंद्र जिन्हें 2018 में शिफ्ट किया गया था। जहां पिछले चुनावों में 2 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहां इस चुनाव में 68 प्रतिशत मतदान हुआ। यह नक्सलगढ़ में स्थित करीगुंडम मतदान केंद्र है। बस्तर आईजी की माने तो इस चुनाव में पिछले चुनाव के मुकाबले काफी सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। एक तरफ नक्सली चुनाव का बहिष्कार करते रहे। लेकिन बस्तर के ग्रामीण लोकतंत्र का हिस्सा बने । ग्रामीण नक्सलियों की चेतावनी को अस्वीकार करते हुए लोकतंत्र के महापर्व का हिस्सा बनने के लिए बढ़-चढ़कर मतदान करने पहुंचे। बस्तर में पिछले 5 सालों में करीब 65 से अधिक नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित किए गए। जहां जवानों ने अंदरूनी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दी। जिससे लोगों का विश्वास सुरक्षाबल के प्रति बढ़ा है। इस कारण से अंदरूनी क्षेत्रों में ग्रामीण लोकतंत्र का हिस्सा बने हैं। इस कारण से इन इलाकों में अच्छे वोटिंग प्रतिशत से मतदान हुआ है।

नक्सली घटनाओं में आई कमी- साल 2023 में साल 2018 के विधानसभा चुनाव में नक्सल घटनाओं में भी कमी देखने को मिली है। करीब 14 आईईडी बम रिकवर किए गए। 2-3 स्थानों पर नक्सलियों ने आईईडी बम विस्फोट किया। जिसमें जवानों को मामूली चोटें भी आई थी। जिनकी स्थिति फिलहाल सामान्य हैं।कांकेर के माड़ पखांजूर इलाके में एक एके 47 हथियार भी बरामद किया गया। कुछ इलाकों में नक्सलियों को काफी नुकसान पहुंचने का अनुमान भी है। जिसका साक्ष्य भी पुलिस के पास मौजूद है।

कांग्रेस ने पूर्व महिला शहर अध्यक्ष समेत 3 नेता को किया निष्कासित

■ **पार्टी विरोधी काम करने वालों पर कार्रवाई**

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस में बगावत करने वालों पर लगातार कार्रवाई जारी है। पार्टी ने जगदलपुर में अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ गतिविधियों में काम करने के आरोप में तीन कांग्रेसी नेताओं पर कार्रवाई की है। जिसमें पूर्व महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष कमल झज्ज, विक्रम शर्मा और कुक्की झारी को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस के प्रत्याशी जतिन जयसवाल और स्थानीय संगठन के पदाधिकारी ने आला कमान से भीतरघातियों की शिकायत की थी। आला कमान के निर्देश पर जगदलपुर में शहर जिला अध्यक्ष सुशील मौर्य ने निष्कासन की कार्रवाई करते हुए 3 नेताओं को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया है।

गौरतलब है कि पूर्व महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष कमल झज्ज ने डेढ़ वर्ष पहले अपने सभी पदों से

इस्तीफा दे दिया था लेकिन पार्टी की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। चुनाव के दौरान भी उन्हें मान मनोबल का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने सोशल मीडिया पर भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी किरण देव का प्रचार किया और इसी को आधार बनाकर कांग्रेस ने निष्कासन की कार्रवाई हुई है। इसके अलावा जगदलपुर में विक्रम शर्मा और कुक्की झारी पर भी पार्टी विरोधी गतिविधि करने पर निष्कासन की कार्रवाई की गई है।

कांग्रेस नेत्री ने अपने ही पार्टी के खिलाफ किया मानहानि का केस

शहर कांग्रेस कमेटी की एक महिला नेत्री ने पार्टी के खिलाफ मानहानि का केस ठोंका है। इसमें तीन दिनों के भीतर जवाब देने कहा गया है। कांग्रेस पार्टी इन दिनों कई तरह की समस्याओं से जूझ रही है। चुनावों के दौरान पार्टी के प्रत्याशी पार्टी कार्यकर्ताओं के भितरघात से परेशान रहे और अब पार्टी फिर से एक नए बवाल में उलझ गई है। दो दिनों पहले शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने कांग्रेस पार्टी से महिला नेत्री कमल झज्ज के निष्कासन का आदेश जारी किया था। इस आदेश के निकलने के बाद अब कमल झज्ज के वकील ने शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष को नोटिस दिया है। नोटिस में लिखा गया है कि कमल झज्ज ने 28 जनवरी को ही पार्टी के सभी पदों के साथ प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 5 फरवरी को उन्हें महिला कांग्रेस का प्रदेश सचिव बनाया गया था, तब भी उन्होंने पूर्व में दिए गए इस्तीफे का उल्लेख करते हुए पद लेने से मना कर दिया था। कमल के वकील ने नोटिस में कहा है कि कमल को चुनावों के दौरान कोई जिम्मेदारी भी नहीं दी गई थी और उस दौरान वे एक आम नगारिक के तौर पर काम कर रही थी। वर्तमान में कमल कांग्रेस पार्टी की सदस्य भी नहीं हैं। वे किसी पद पर भी नहीं हैं ऐसे में पार्टी ने निकालने का आदेश जारी करना मानहानि की श्रेणी में आता है।

कोरबा जिले के उपार्जन केंद्रो में धान उठाव शुरू

कोरबा। जिले के उपार्जन केंद्रो में धान खरीदी को लेकर भले ही प्रगति न आई हो लेकिन विपणन विभाग ने उठाव शुरू कर दिया है। शासन ने प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदी का निर्णय लिया है। उपार्जन केंद्रों में धान रखने के लिए जगह कम पड़ने की आशंका को देखते हुए अभी से उठाव किया जाने लगा है। खरीदी कार्य शुरू होने के 20 दिन के भीतर 2,760 क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है।

धान खरीदी में इस बार विधानसभा चुनाव के दौरान राजनैतिक दलों के घोषणा पत्रों का प्रभाव देखा जा रहा है। बड़े राजनैतिक दलों ने अपनी जीत सुनिश्चत करने के लिए किसानों को रिझाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कर्ज माफ 20 से 21 क्विंटल प्रति एकड़ खरीदी, एक मुश्त राशि का भुगतान, दो साल का बोनस, प्रति क्विंटल 3,100 रूपये भुगतान जैसे वायदों के बीच अब किसान सरकार गठन का इंतजार कर रहे हैं। धान उपार्जन को सुविधाजनक बनाने के लिए शासन ने इस बार भी पांच नए केंद्रों को स्वीकृति दी है। आम तौर पर धान उपार्जन शुरू होने के पखवाड़े भर बाद खरीदी में तेजी आ जाती थी लेकिन इस बार नए सरकार

गठन के इंतजार में धान बिक्री से दूरी बना रखी है।

धान बेचने के लिए वे ही किसान आ रहे हैं जिन्होने बिना ऋण लिए खेती की है। ऋणी किसानों को कर्जा माफी का इंतजार है। बताना होगा कि इस वर्ष खेती में मानसून का साथ होने की वजह बंपर फसल की संभावना व्यक्त की जा रही है। तीन दिसंबर के बाद धान खरीदी में तेजी आएगी। धान खरीदी के दौरान उपार्जन केंद्रों धान रखने के लिए जगह कम पडने की संभावना को देखते हुए जिला विपणन विभाग ने अभी से उठाव शुरू कर दी है। धान खरीदी में बिचैलियों सक्रियता को रोकने के लिए इस बार बायोमिट्रिक डिवाइस से धान खरीदी की जा रही है। रकबा सत्यापन के बाद भी किसानों के धान की खरीदी होगी। सोमवार को 880 क्विंटल धान का उठाव किया गया। 65 में 41 केंद्र अभी भी बोहनी से दूर हैं।

धान को ड्रेनेज में रखना अनिवार्य होगा। इसके अलावा प्रत्येक किस्म के धान को अलग अलग लाट में रखने की हिदायत दी गई है। इससे पहले जिस तरह से धान के लाट को बेतरतीब रखे जाने से उठाव के समय अतिरिक्त समय लगता था।

चुनाव और त्योहार का दौर खत्म होते ही उपार्जन केंद्र में उमड़े किसान

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में चुनाव अभियान और उसके साथ दिवाली पर्व के संपन्न होने के बाद अब धान उपार्जन केंद्रों में हलचल तेज हो गई है। किसान ट्रेक्टर, पिकअप, ट्रक के अलावा बैल और भैस गाड़ियों में धान लादकर उपार्जन केंद्रों में पहुंच रहे हैं। इस कड़ी में सोमवार को सीजन के दौरान सबसे अधिक धान की खरीदी हुई है। प्रदेश में अब तक 1।61 लाख किसानों ने 6.32 लाख मीट्रिक टन धान की बिक्री की है, जिसके एवज में किसानों को 1604 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। 1 नवंबर से 31 जनवरी तक चलने वाली धान खरीदी की प्रक्रिया में सरकार ने 130 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा है। राज्य में 20 नवंबर को सबसे अधिक धान की खरीदी जिन जिलों में हुई, उनमें कांकेर, बिलासपुर, मुंगेली, सारंगढ़-बिलाईगढ़, बालोद, बेमेतरा, दुर्ग, कवर्धा, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान- गंडई, बलौदाबाजार, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, जिले शामिल हैं। ये सभी जिले राज्य के मैदानी जिलों में शामिल हैं। एक तरह जहां राज्य के मैदानी इलाकों के जिलों में धान की आवक काफी तेज है, वहीं सरगुजा और बस्तर संभाग के कई जिलों में काफी कम धान आया है। जिन जिलों में सबसे कम धान बिक्री के लिए आया है, उनमें बस्तर, बीजापुर, नारायणपुर, गौरेला-पेंड्रा ङ्क मरवाही जांजगीर चांपा, कोरबा, रायगढ़, सक्ती, बलरामपुर, जशपुर, कोरिया, सरगुजा, सूरजपुर, शामिल है। कुछ ऐसे जिले भी हैं, जहां अब तक धान खरीदी की बोहनी भी नहीं हो पाई है। ऐसे जिलों में दंतेवाड़ा, सुकमा, और मनेंद्रगढ़ चिरमिरी शामिल हैं। खाद्य सचिव टीपी वर्मा का कहना है कि बस्तर तथा सरगुजा संभाग के कुछ जिलों में धान कटाई में देर के कारण ये स्थिति बनी है। राज्य में सरकार ने 1 नवंबर से धान की खरीदी शुरू करवाई थी, लेकिन इसी बीच 7 नवंबर को राज्य में पहले चरण और 17 नवंबर को दूसरे चरण के लिए मतदान हुआ। चुनाव की प्रक्रिया के बीच 12 नवंबर को दीपावली होने के कारण उसके पहले और बाद के कुछ दिनों तक त्योहारी माहौल के कारण धान बेचने कम संख्या में किसान आए, लेकिन जैसे ही चुनाव और त्योहार निबटे, तो किसान धान बेचने के लिए सोसाइटियों की ओर उमड़ पड़े हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

नक्सलियों की कायराना करतूत, ग्रामीण की हत्या की

कांकेर। कांकेर जिले में नक्सलियों की फिर

एक बार कायराना करतूत सामने आई है। जिले के कोयलीबेड़ा क्षेत्र के ग्राम गोमे में बैनर बांध कर नक्सलियो ने ग्रामीण युवक को जनअदालत में सजा देने की बात कही है। ग्राम गोमे में जहां नक्सलियो ने जनअदालत लगाकर हत्या करने की बात कही है। मृतक युवक का नाम अमर सिंह उइका बताया जा रहा है। नक्सलियो ने घटनास्थल पर बैनर भी फेंका है। हत्या की जिम्मेदारी रावघाट एरिया कमेटी ने ली है। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने पूरे मामले को लेकर कहा है कि सूचना मिली है। जांच की जा रही है। गौरतलब हो कि बीते दिन ही कांकेर जिले में नक्सलियों की एक बड़ी साजिश को जवानों ने नाकाम कर दिया था। जवानों को नुकसान पहुंचाने नक्सलियों द्वारा लगाए गए 5 आईईडी को बरामद कर मौके पर डिफ्यूज कर दिया गया था। नक्सली बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में थे।

कांग्रेसी पार्षद पर मारपीट का आरोप

भिलाई। शहर के वार्ड नंबर 64 के कांग्रेस

पार्षद और उसक पुत्र पर एक सिख समाज के एक व्यक्ति से मारपीट करने का आरोप लगा है। पीड़ित शिकायत लेकर थाना पहुंचा तो आरोपी वहां भी पहुंच कर मारपीट करने लगे। इससे सिख समाज में भारी रोष देखा जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि सिख समाज के सतपाल सिंह के साथ वार्ड नंबर 64 के पार्षद अभय सोनी और उसके पुत्र अमन सोनी पर मारपीट का आरोप लगा है। इसके बाद जब पीड़ित सतपाल सिंह सेक्टर-6 कोतवाली थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराने पहुंचे, तो पार्षद अभय सोनी और उनके बेटे अनम वहां भी जा पहुंचे। थाने में आकर पार्षद और उनके बेटे ने पुलिस के सामने ही सतपाल सिंह से मारपीट करने लगे। बताया जाता है कि सिख समाज के व्यक्ति के साथ हुए मारपीट की इस घटना की सूचना मिलते ही पूरे सिख समाज में भारी रोष देखा जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय कूडो में भाग लेंगे कोरबा जिले के पांच खिलाड़ी

कोरबा। अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय कूडो मार्शल आर्ट्स प्रतियोगिता गुजरात के सूरत में 22 नवंबर से 29 नवंबर तक आयोजित की गई है। जिसमें पूरे देश से लगभग 2500 खिलाड़ी व 15 अलग-अलग देश से प्रतिभागी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। इस आयोजन में जिले के पांच प्रतिभागी भाग लेने के लिए सोमवार को रवाना हुए। लेवल अप मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में जिन प्रतिभागियों का चयन हुआ है उनमें इश्कृत कौर छाबड़ा, आर्या सेठी, वीरभद्र प्रकाश पैकरा, यशराज खरे एवं विधि विजयवर्गीय शामिल हैं। कूडो एसोसिएशन आफ कोरबा के अध्यक्ष प्रेमराज बंजारे ने बताया कि 27 से 29 नवम्बर तक अंतरराष्ट्रीय कूडो अक्षय कुमार टूर्नामेंट आयोजित है। इसमें अक्षय कुमार स्वयं उपस्थित होकर बच्चो को मेडल एवं प्रमाण पत्र वितरण करेंगे। बंजारे ने बताया कि कूडो जैपनीज हाइब्रिड मार्शल आर्ट्स खेल है जो कि भारत सरकार खेल एवं युवा मंत्रालय से मान्यता प्राप्त है। छत्तीसगढ़ कूडो संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अविनाश बंजारे, संभाग अध्यक्ष अजीत शर्मा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया है।

मार्शल आर्ट चैंपियनशिप के लिए डिंपल का चयन

कोरबा। विएतनाम में 22 नवंबर से एक दिसंबर 2023 तक होची मन सिटी में आयोजित सातवीं विश्व वोविनाम मार्शल आर्ट चैंपियनशिप 2023 के लिए छत्तीसगढ़ राज्य से एकमात्र खिलाड़ी डिंपल वैष्णव का चयन हुआ है। इसमें शामिल होने डिंपल सोमवार को मुंबई- हावड़ा मेल से कोलकाता के लिए रवाना हो गई। 21 नवंबर को भारतीय वोविनाम टीम के साथ कोलकता से हो ची मन सिटी के लिए उड़ान भरेंगी। डिम्पल धरमपुर गेवरा बस्ती, कुसमुंडा की निवासी हैं तथा केंद्रीय विद्यालय से पूरा कर बीपीएड की पढ़ाई कर रही हैं। छत्तीसगढ़ वोविनाम मार्शल आर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश देवांगन ने डिम्पल को बधाई देते हुए बताया कि डिंपल राष्ट्रीय स्तर की स्वर्ण पदक प्राप्त खिलाड़ी हैं तथा उनके प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन अंतराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया है। वोविनाम मार्शल आर्ट खेल पूर्व में स्कूल खेल में शामिल था तथा एशियाई बीच खेल, सी गेम्स, इंडोर एशियन मार्शल आर्ट खेल में खेला गया है।

पदस्थापना की मांग को लेकर डीईओ कार्यालय के सामने जमीन पर बैठे शिक्षक

बालोद। बालोद जिले के संशोधित शिक्षक

शिक्षिका आज पदस्थापना की मांग लेकर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचे, जहां पदस्थापना न मिलने की स्थिति में सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं जमीन पर ही बैठ गए। दरअसल सभी शिक्षक सहायक शिक्षक हैं जिनका प्रमोशन हुआ, जिसके बाद इनको जगह मिला जिसे संशोधन कराया फिर लिस्ट को शासन ने रद्द कर दिया, जिसके बाद से मामला कोर्ट में गया। अब कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए शिक्षक पदस्थापना की मांग कर रहे हैं वहीं पूरे मामले में डीईओ ने सचिव स्तर का मामला बताया है शिक्षकों का आरोप है कि डीईओ उनकी बातों को नहीं सुन रहे हैं।

हाईकोर्ट ने शहरों में साइलेन्स जोन घोषित कर डीजे बैन करने के निर्देश दिए

■ **ध्वनि प्रदूषण को लेकर हाईकोर्ट में सुनवाई**

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बिलासपुर शहर में हो रहे लगातार साउंड पॉल्यूशन को लेकर पिछले वर्ष धार्मिक आयोजन और प्रतिमा विसर्जन में बजने वाले डीजे पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया था। आदेश का पालन नहीं करने वाले डीजे संचालकों पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी सड़कों पर डीजे के कानफोड़ू शोर से हो रही दिक्कतों पर चीफ जस्टिस ने दो माह पहले 29 सितंबर को स्वतः संज्ञान लिया था। जिसमें कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट और छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के इस विषय पर दिए गए पहले के आदेशों का उल्लेख करते हुए इनके पालन के संबंध में मुख्य सचिव को रिपोर्ट देने का अंतरिम आदेश दिया था।

सुनवाई के दौरान डबल बेंच ने नाराजगी जाहिर करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव से जानकारी मांगी थी। हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को कहा था कि उत्सवों के अवसर पर ध्वनि विस्तारक

यंत्रों और डीजे से उत्पन्न ध्वनि प्रदूषण के खतरे को खत्म करने के लिए क्या प्रयास किए गए। कोर्ट ने इस संबंध में एक विस्तृत शपथपत्र प्रस्तुत करने शासन को निर्देश दिए थे। साथ ही साथ शहरों में साइलेन्स जोन घोषित कर डीजे बैन करने के निर्देश हाईकोर्ट ने दिए हैं।

धार्मिक आयोजनों में साउंड पॉल्यूशन फैलाई जाने को लेकर राज्य शासन ने कुछ लोगों पर ही कार्रवाई कर अपने कर्तव्य की इतिश्री करने की बात हाईकोर्ट ने की थी। इस मामले को लेकर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए शासन को अब निर्देश दिया है कि कार्रवाई करें और कार्रवाई की जानकारी कोर्ट को प्रेषित करें। ताकि इससे यह समझ में आए कि कोर्ट के आदेश का पालन हो रहा है। इसके अलावा डीजे संचालकों पर किस तरह की कार्रवाई की गई है और कितना जुर्माना लगाया गया है इस पर भी कोर्ट ने सुनवाई में चर्चा की। हालांकि कोर्ट इस मामले में अभी और सुनवाई करेगा और इस पर कई और दिशा निर्देश कोर्ट जारी कर सकता है।

इस मामले में शासन ने नियम बनाकर डीजे प्रतिबन्धित करने की जानकारी दी है। लेकिन चीफ जस्टिस ने माना कि बिलासपुर शहर में ध्वनि प्रदूषण की वर्तमान स्थिति बदहाल है, जो समाचारों की कतरनों से भी स्पष्ट है। कोर्ट ने सुनवाई में कहा कि यह जिम्मेदार राज्य अधिकारियों के अपमानजनक कृत्य के अलावा और कुछ नहीं है। अफसर ध्वनि प्रदूषण को रोकने और डीजे के कानफोड़ू आवाज को कम करने के प्रयास में असफल रहे हैं । सुप्रीम के साथ-साथ इस कोर्ट के आदेश और निर्देश पारित करने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

आपको बता दें कि पिछले साल 19 फरवरी को भी हाईकोर्ट ने डीजे से ध्वनि प्रदूषण पर दायर एक अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए महाधिवक्ता कार्यालय को शासन से यह दिशा निर्देश लेने को कहा था। शहर में बज रहे डीजे के कारण तत्कालीन कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के विरुद्ध अवमानना याचिका पर कोर्ट ने आदेश दिया था। कोर्ट ने सुनवाई में बिलासपुर में डीजे पर हुई कार्रवाई की पूरी जानकारी मांगी है।

बागियों के लिए खतरे की घंटी चुनावी भितरघातियों पर चलेगा हंटर

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव को लेकर वोटिंग हो चुकी है और उम्मीदवारों की क़िस्मत का फ़ैसला 3 दिसंबर तक इवीएम में कैद हो चुका है। इधर दोनों ही पार्टियां चुनावी समीक्षा में लग गई हैं और भितरघात करने वाले बाग़ी कार्यकर्ताओं की सूची बनाने के काम में लग गई हैं।

बता दें कि, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर खैरागढ़ ज़िला कांग्रेस कमेटी बागियों और भितरघातियों को चिन्हांकित कर सूची तैयार की जा रही है जिला कांग्रेस अध्यक्ष गजेंद्र ठाकरे ज़िले ने बताया की चुनावी भितरघातियों की सूची बनाने में जुटे हुए हैं। ठाकरे का कहना है कि, चुनाव में भितरघात हुआ है और उसकी जांच कर व्यक्तियों को चिह्नांकित किया जाएगा। फिर प्रदेश कांग्रेस में उनके नाम की सूची देकर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इधर भाजपा ने खैरागढ़ जिले में मतदान होने के बाद ही एक बगावती कार्यकर्ता पर निष्कासन की कार्रवाई कर अपने मंसूबे साफ कर दिए हैं। भाजपा ज़िला अध्यक्ष घम्मन साहू ने बताया कि, चुनाव में कुछ कार्यकर्ताओं ने पार्टी विरोधी कार्य किया है जिसकी जानकारी संगठन को है। आगामी 23 तारीख को भाजपा की समीक्षा बैठक है, जिसके बाद और भी भितरघातियों पर कार्रवाई भाजपा द्वारा देखने को मिल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

कर्मचारी फेडरेशन ने निर्वाचन आयुक्त को लिखा पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारी लगातार केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने की मांग कर रहे हैं और इसे पूरा कराने संगठन की ओर से मुख्य निर्वाचन आयुक्त व मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र प्रेषित कर अनुशंसा दिए जाने का अनुरोध किया है। लेकिन दीपावली के पहले अनुमति नहीं मिलने से कर्मचारियों में रोष है. इस बीच एक बार फिर से छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने महंगाई भत्ता को लेकर निर्वाचन आयोग से अनुशंसा की है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पत्र में कहा कि दीपावली राष्ट्रीय त्योहार होने के कारण उक्त पर्व को उत्साह पूर्वक मनाने के लिए अन्य माह की तुलना में प्रदेश के कर्मचारियों को अतिरिक्त आर्थिक व्यय का सामना करना पड़ रहा है. यह पर्व नवंबर माह के मध्य सप्ताह में होने के कारण कर्मचारियों और पेशनरों को आर्थिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है।

जीएसटी ने हजारों कारोबारियों को थमाया नोटिस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार केंद्रीय एजेंसी ईडी और आईटी की कार्रवाई चल रही है. इस बीच चुनाव खत्म होते ही सेंट्रल जीएसटी भी एक्टिव मोड में है. जीएसटी ने उन व्यापारियों पर शिकंजा कसा है, जिन्होंने बकाया टैक्स जमा या रिटर्न दाखिल नहीं किया है। ऐसे 6000 से अधिक कारोबारी की पहचान कर उन्हें नोटिस जारी की जा रही है. इस तरह से बड़ी संख्या में एक साथ नोटिस जारी होने की वजह से व्यापारियों में हड़कंप मच गया है।

छत्तीसगढ़ से होकर चलने वाली कई ट्रेनें रद्द

रायपुर। रेलवे प्रशासन की ओर से रेल मंडलों में अधोसंरचना विकास कार्य किया जा रहा है। इसे लेकर कई ट्रेनें रद्द की गई हैं। इसकी वजह से रेल यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसी क्रम में ईस्ट कोस्टर रेलवे के संबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत सरल संबलपुर क्षेत्र में ब्लॉक लेकर कुछ काम किया जाएगा। इसके वजह से टिटलागढ़ से बिलासपुर चलने वाली दो ट्रेनों को रद्द किया गया है। रेलवे प्रशासन की ओर से संबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत सरल संबलपुर क्षेत्र में ब्लॉक लेकर कुछ काम किया जाएगा। इस काम को 21 से 26 नवंबर तक काम किया जाएगा। इस कार्य के फलस्वरूप कुछ ट्रेनों का परिचालन बीच में ही समाप्त हो जाएगी, जो कि लगातार 21 से 26 नवंबर तक कई ट्रेनें बीच में समाप्त होगी, तो कई ट्रेनें रद्द रहेगी।

प्याज के बाद अब अदरक-लहसुन की कीमत में आग

रायपुर। महंगाई है कि रुकने का नाम नहीं ले रही है। रोजमर्रा की जरूरत किचन की सामग्री की कीमत में लगातार इजाफा हो रहा है। ऐसा कोई सामान नहीं है, जिसकी कीमत कम हो रही हो। एक सामान की कीमत बढ़ने के बाद कब दूसरे सामान की कीमत बढ़ जाती है, पता ही नहीं चलता। इस समय अदरक और लहसुन ने भी कीमत में दोहरा शतक लगा दिया है। प्याज भी इस समय रुलाने का काम कर रहा है। एक राहत ये है कि दीपावली के बाद अब टमाटर की कीमत आधी हो गई है। आम आदमी को महंगाई से लंबे समय से राहत मिल ही नहीं रही है। लगातार किचन के सामान महंगे होते जा रहा है। दाल, चावल, आटे के साथ मसालों की कीमत ने आम आदमी की हालत खराब करके रखी है। हर सामान की कीमत में 30 फीसदी से ज्यादा का इजाफा हो चुका है। इतिहास में पहली बार राहर दाल ने भी कीमत का दोहरा शतक लगाने का काम किया है। हालांकि इस समय इसकी कीमत 20 से 30 रुपए कम हो गई है, लेकिन इसके कारण दूसरी दालों की कीमत सौ रुपए के पार हो गई है। अदरक और लहसुन की कीमत आमतौर पर 40 से 50 रुपए किलो रहती है. लेकिन पहली बार इसकी कीमत आसमान पर चली गई है। जहां अदरक थोक में 120 से 140 रुपए है, वहीं चिल्हर में यह 40 से 50 रुपए पाव है। लहसुन की कीमत में तो और ज्यादा आग लगी है।

कांग्रेस के 75 पार का नारा हवा हवाई : अरुण साव

■ **भाजपा अध्यक्ष साव बोले - छत्तीसगढ़ में बनेगी भाजपा की सरकार, झीरम कांड का सच भी जल्द आएगा बाहर**

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने पहली प्रेसवार्ता में कहा, जनता का मत ईवीएम में कैद हो चुका है। सबने भाजपा को आशीर्वाद दिया है। 3 दिसंबर को जनता को राज्य के कुशासन से मुक्ति मिलेगी।

राज्य विकास की ओर आगे बढ़ेगा। दिसंबर का महीना छत्तीसगढ़ की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भाजपा की सरकार 3 दिसंबर को बनेगी। नए विश्वास के साथ छत्तीसगढ़ आगे बढ़ने वाला है। कांग्रेस के झूठे प्रोपेगंडा को जनता ने करारा जवाब दिया है, जिसका परिणाम 3 दिसंबर को आएगा।

साव ने कहा, हर प्रकार के हथकंडे कांग्रेस ने अपनाए, लेकिन जनता ने भाजपा के पक्ष में अपना फैसला दिया है। माताओं बहनों को ठगने का काम, माताओं बहनों के साथ अत्याचार कांग्रेस ने किया। 3 दिसंबर को माताओं के खाते में 1 हजार रुपये मोदी की

गारंटी मिलना चालू हो जाएगा। 18 लाख गरीब परिवारों को मकान देंगे। सरकार का पहला कैबिनेट इस विषय में निर्णय लेगा।

किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान की राशि मिलेगी। 21 क्विंटल धान लेंगे। छत्तीसगढ़ में नया सबेरा होगा। भाजपा के एक एक कार्यकर्ता ने कांग्रेस के कुशासन की लड़ाई लड़ी। संकल्प के साथ यात्रा निकाली। हमारे लाखों कार्यकर्ता के बदौलत छत्तीसगढ़ में कमल खिलने वाला है।

कांग्रेस के 75 पार के नारे पर अरुण साव ने कहा, 5 साल से भूपेश बघेल दावे कर रहे हैं, 700 से अधिक घोषणाएं की, विकास के दावे होर्डिंग विज्ञापन में दिखे। धरातल में कुछ नही है। 75 पार का नारा हवा में दिखेगा। सुप्रीम कोर्ट से एनआईए को झटके पर अरुण साव ने कहा, मुख्यमंत्री कहते थे झीरम का सच मेरी जेब में है। किसे बचाने के लिए जेब में छीपा रखे थे। अब उसकी जांच होगी। किसने किसके साथ मिलकर राजनीति षड्यंत्र किया अब वो स्पष्ट होगा। भाजपा ने निष्पक्ष जांच की कोशिश हर प्रकार से की। आयोग बना कर जांच किया। भूपेश बघेल जेब में कहते रहे न वो आयोग में प्रस्तुत हुआ न कोई जांच हुई। वो सच बाहर आएगा ऐसी उम्मीद करते हैं।

ऑपरेशन लोटस पर साव ने कहा, कांग्रेस डरी हुई है। जो हरकत कर रही है उससे स्पष्ट है कि ये जनता से डरे हुए हैं। जनता का सामना नहीं कर पा रहे हैं। हर वर्ग को ठगने धोखा देने का काम इन्होंने किया। प्रदेश के हित में कोई काम नहीं किया। जनता का मत ईवीएम में कैद है। सत्ता इनकी जाने वाली है।

भितरघात को लेकर अरुण साव ने कहा, ये हमारा विचाराधीन है। जैसे ही रिपोर्ट आएगी कार्यवाही की जाएगी। अनुशासन हीनता बर्दास्त नहीं किया जाएगा। कुछ शिकायते आई है, जिस पर विचार करके निर्णय लेंगे।

केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा सीएम का चेहरा

मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा, मैं पार्टी का बहुत छोटा कार्यकर्ता हूं, परिश्रम से मैंने भाजपा के लिए काम किया। जनता का आशीर्वाद मिला। चेहरा विधायक दल और केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा। प्रदेश अध्यक्ष के नाते कह रहा कि पूर्ण बहुमत भाजपा को मिल रहा है, कोई शंका नहीं है। हमने सभी सीटों का विश्लेषण कर लिया है। हर तरह से फीडबैक लिया हूं। विशेषज्ञों से भी मिला हूं। भाजपा की सरकार बनाने जनता ने मतदान किया है।

छत्तीसगढ़ में जीतने पर कांग्रेस और भाजपा किसे बनाएगी मुख्यमंत्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के नतीजे 3 दिसंबर को आएंगे। जीत बीजेपी की होगी या फिर कांग्रेस की दोबारा सत्ता में वापसी होगी। इस सवाल का जवाब 3 दिसंबर को ही मिलेगा। जीत हार के बीच एक सवाल ये भी है कि, अगर कांग्रेस जीतेगी तो क्या फिर से सीएम की कुर्सी पर भूपेश बघेल को ही बिठाया जाएगा।या फिर अगर बीजेपी जीतेगी तो रमन सिंह की ताजपोशी होगी।

कांग्रेस पार्टी ने पिछली बार भूपेश बघेल पर भरोसा जताया। लेकिन बघेल का भविष्य इस बार क्या होगा। ये अभी साफ नहीं है। कांग्रेस में ढाई- ढाई साल की रणनीति पर गरम माहौल हो चुका था। टीएस सिंह देव को डिप्टी सीएम बनाकर शांत कराया गया। पार्टी ने इस बार कांग्रेस है तो भरोसा है, के नारे पर चुनाव लड़ा।इसी वजह से ये सवाल सियासी गलियारों में हिचकोले मार रहा है।कांग्रेस की रेस में कौन ?~ कांग्रेस में भूपेश बघेल तो नंबर वन पर हैं। टीएस सिंह देव के समर्थक भी उन्हें सीएम बनाना चाहते हैं। इसके अलावा डॉक्टर चरण दास महंत और ताम्रध्वज साहू भी कतार में हैं।वर्तमान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज भी पार्टी आलाकमान के भरोसेमंद बन सकते हैं।

डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव अंबिकापुर में इशारों ही इशारों में ये कह चुके हैं कि, अगर मुख्यमंत्री नहीं बन

सका तो फिर चुनाव लड़ने का कोई मतलब नहीं। हालांकि रेस में उन्होंने अपनी दावेदारी को नंबर दो पोजिशन पर रखा है। इसके अलावा रायपुर में सिंहदेव ने अलग बयान दिया। डिप्टी सीएम ने कहा कि, कप्तान भूपेश बघेल ही हैं।

वर्तमान सीएम भूपेश बघेल इस सियासी सवाल पर राजनीतिक अनुभव का परिचय देते हैं। वे फैसला आलाकमान पर छोड़ते हैं।बघेल के मुताबिक, चेहरा राज्य में भले ही उनका था। लेकिन सीएम का फैसला कांग्रेस आलाकमान और विधायक दल करेगा।

राज्य की राजनीति को जानने वाले कहते हैं कि, भूपेश बघेल पर कांग्रेस आलाकमान भरोसा जता सकता है।

पॉलिटिकल एक्सपर्ट उचित शर्मा ने कहा यदि कांग्रेस की सरकार बनी तो भूपेश बघेल दोबारा मुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं।इसकी संभावना कहीं ज्यादा है, क्योंकि उनके नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा गया है। हालांकि लगातार पार्टी सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने की बात कहती रही है। इस बीच सिंहदेव के ऊपर भी पार्टी भरोसा जाता सकती है। क्योंकि लगातार ढाई ढाई साल के फार्मूले को लेकर पार्टी में विवाद की स्थिति बनी रही। दीपक बैज भी रेस में हैं।

बीजेपी में पूर्व सीएम रमन सिंह सीएम रेस में सबसे आगे हैं। सांसद अरुण साव भी कतार में हैं। ओपी चौधरी, राम विचार नेताम भी सीएम की कुर्सी वाली रेस में हैं। बृजमोहन अग्रवाल के बारे में ऐसा कहा जाता है कि, वो इस रेस में शामिल नहीं हैं। बीजेपी की सूची पर पॉलिटिकल एक्सपर्ट उचित शर्मा का मानना है कि, रमन सिंह का नाम सबसे पहले है। दूसरे दावेदार प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव हैं, ओबीसी कार्ड खेला जा रहा है। अरुण साव भी ओबीसी से आते हैं।

3 दिसंबर के बाद इस सवाल का जवाब मिलेगा। जब जीत की तस्वीर साफ हो जाएगी। इस बीच अटकलों का दौर जारी है। कोई खुद को रेस में बता रहा।किसी को बताया जा रहा।कोई रेस से खुद को बाहर बता रहा। इस सबके बीच कांग्रेस बीजेपी नेतृत्व ही इस सवाल से पर्दा उठा पाएगा।

मैं दरी बिछाने वाला और झंडा उठाने वाला कार्यकर्ता : लखमा

टीएस सिंहदेव, दीपक बैज बड़े नेता

■ **मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही बयानबाजी के बीच कवासी का भावुक बयान**

रायपुर। टीएस सिंहदेव, दीपक बैज बड़े नेता, मैं दरी बिछाने वाला और झंडा उठाने वाला कार्यकर्ता। टीएस सिंहदेव और दीपक बैज की अपनी-अपनी राय, लेकिन मेरी राय में आगे भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को होना चाहिए। भूपेश बघेल देश के सबसे बढ़िया मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने आदिवासियों को लिए बहुत काम किया। यह बात कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही बयानबाजी के बीच मंत्री कवासी लखमा ने कही।

फिर से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर मंत्री बनने के सवाल पर कवासी लखमा ने कहा कि मंत्री बनना कौन नहीं चाहता, मैं भी चाहता हूं, लेकिन ये हाईकमान तय करेगा। वो बोलेंगे तो मंत्री बनूंगा, दरी बिछाने को बोलेंगे, तो दरी बिछाऊंगा। कांग्रेस सरकार आने पर अगले मुख्यमंत्री के सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरी पसंद, आदिवासियों और किसानों की पसंद भूपेश बघेल हैं। बाकी हाईकमान जो निर्णय ले। मुझे मंत्री बनने का कोई लालच नहीं, मैं आदिवासी से आता हूं। पर मेरी पसंद भूपेश बघेल हैं।

टीएस सिंहदेव के अगला चुनाव नहीं लड़ने वाले बयान पर लखमा ने कहा कि मैं गरीब आदिवासी आदमी हूं। नेहरू परिवार जो बोलेगा, वो हम करेंगे। मुख्यमंत्री विधायक दल तय करता है। भूपेश बघेल 5 साल में छत्तीसगढ़ियां लोगों के दिल में बसे। भूपेश बघेल ने आदिवासियों के लिए खूब किया। मैं छोटा कार्यकर्ता हूं। बेहतर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हैं।

छत्तीसगढ़ में 48 लाख लोगों के वोट नहीं देने पर लखमा ने कहा कि शहर में काम नहीं हुआ, इसके जिम्मेदार मोदी अमित शाह हैं। छत्तीसगढ़ में मोदी, अमित शाह ने कुछ नहीं किया। ईडी-आईटी भेजकर व्यापारी वर्ग को परेशान किया। व्यापारी परेशान हैं। आने वाले समय में हमारी सरकार बनेगी। राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे। बस्तर, सरगुजा में ज्यादा सीटें मिलेंगी।

6 हजार व्यापारियों को जीएसटी नोटिस भेजे जाने पर लखमा ने कहा कि शहर में ढंग से काम नहीं हुआ, इसलिए शहर में वोट नहीं पड़ा है। ये केंद्र का नियम है, कानून नहीं है। जीएसटी लगाकर व्यापारियों को परेशान किया। व्यापारी अपने मेहनत से व्यापार कर रहा। हम मध्यप्रदेश में गए थे, वहां के व्यापारियों ने कांग्रेस को वोट दिया है। वहां भी अब सरकार बदलने जा रही है। व्यापार रहेगा तभी तो देश चलेगा।

तीन दिसंबर को मतगणना, तैयारी शुरू, 5 जिलों के अफसरों को दिया प्रशिक्षण

सरगुजा। 17 नवंबर को संभाग में शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न होने के बाद अब 3 दिसंबर को मतगणना की जानी है। छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत 3 दिसंबर को होने वाले मतगणना कार्य के लिए पांच जिलों सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर और मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले की कुल 11 विधानसभा के मतगणना के लिए जिले से आए लगभग 141 अधिकारियों को मंगलवार को आवश्यक प्रशिक्षण जिला पंचायत सभाकक्ष सरगुजा में दिया गया।

प्रशिक्षण में राष्ट्रीय स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवं उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ यूएस अग्रवाल, सरगुजा संभागायुक्त शिखा राजपूत तिवारी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार, राष्ट्रीय स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रणव सिंह, डिप्टी कलेक्टर अर्चना पाण्डेय एवं राज्य व जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

सरगुजा संभागायुक्त शिखा राजपूत तिवारी ने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी अधिकारियों को संभाग में शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सभी रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी

एवं संबंधित अधिकारियों ने बेहतर तरीके ने निर्वाचन संपादित कराया है। निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संपन्न कराना हमारी प्राथमिकता है और अब मतगणना के कार्य को भी गंभीरता से लेते हुए भली भांति संपन्न कराना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों एवं अनुभव के आधार पर प्रशिक्षण देकर मार्गदर्शन किया है। अब अपने अधीनस्थों को भी इसी तरह गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना आपकी जिम्मेदारी है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सरगुजा कुन्दन ने कहा कि राज्य निर्वाचन कार्यालय से मास्टर ट्रेनर मतगणना कार्य के लिए प्रशिक्षण देने यहां उपस्थित हैं। यहां दिए गए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को अपने अधीनस्थों को दें, जिससे बेहतर एवं निर्विघ्न मतगणना की कार्यवाही पूर्ण हो सके। उन्होंने कहा कि मतगणना बेहद महत्वपूर्ण कार्य है, इसके लिए कुशल कर्मियों का ही चयन किया जाना आवश्यक है।

राज्य निर्वाचन कार्यालय से पहुंचे मास्टर ट्रेनर के द्वारा मतगणना के पूर्व तैयारी, मानव संसाधन व आवश्यक संसाधन की व्यवस्था, डाक मतपत्र की गणना, ईव्हीएम मशीन से मतगणना की व्यवस्था, काउंटिग प्रोसीजर इटीपीबीएस एवं पोस्टल बैलेट, मतगणना साफ्टवेयर, एनकोर, इंडेक्स कार्ड भरने की व्यवस्था जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। मतगणना दिवस के लिए स्ट्रांग रूम और मतगणना कक्ष में की जाने वाली नियमों का पालन की विस्तृत जानकारी दी गई। डाक मतपत्र की गणना, कंट्रोल यूनिट का गणना की संपूर्ण प्रक्रिया को समझाया गया। इस दौरान वीवीपैट काउंटिग का लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया।

प्रशिक्षण में दी मतदान की संक्षिप्त जानकारी

विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत सरगुजा जिले में वोटिंग प्रतिशत 80.22 रहा, जिसके तहत कुल 5 लाख 22 हजार 592 मतदाताओं ने मतदान किया। सूरजपुर जिले में 82.05 मतदान प्रतिशत रहा, जिसके तहत 5 लाख 78 हजार 722 मतदाताओं ने मतदान किया। इसी तरह कोरिया जिले में मतदान प्रतिशत 83.12, कुल मतदान 1 लाख 69 हजार 942, बलरामपुर जिले में मतदान प्रतिशत 83.44 एवं कुल मतदान 4 लाख 65 हजार 83 और मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले में मतदान प्रतिशत 78.70 रहा, जिसके तहत 2 लाख 47 हजार 927 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

झीरम नक्सली हमला : सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की एनआईए की याचिका

■ **अब छत्तीसगढ़ पुलिस करेगी मामले की जांच**

रायपुर। झीरम घाटी नक्सली हमले में छत्तीसगढ़ पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। इस हमले की जांच कर रही केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इससे एनआईए को बड़ा झटका लगा है। अब इस मामले की जांच छत्तीसगढ़ छत्तीसगढ़ पुलिस कर सकेगी। राज्य सरकार इस मामले की जांच करा सकेगी। कोर्ट ने एनआईए की याचिका को खारिज करते हुए छत्तीसगढ़ पुलिस को मामले की जांच करने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने कहा है हम इस मामले में दखल नहीं देंगे।

इस फैसले के बाद सीएम भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि %झीरम कांड पर माननीय सुप्रीम कोर्ट का आज का फैसला छत्तीसगढ़ के लिए न्याय का दरवाज़ा खोलने जैसा है। झीरम कांड दुनिया के लोकतंत्र का सबसे बड़ा राजनीतिक

हत्याकांड था। इसमें हमने दिग्गज कांग्रेस नेताओं सहित 32 लोगों को खोया था। कहने को एनआईए ने इसकी जांच की, एक आयोग ने भी जांच की, लेकिन इसके पीछे के वृहत राजनीतिक षडयंत्र की जांच किसी ने नहीं की। छत्तीसगढ़ पुलिस ने जांच शुरु की तो एनआईए ने इसे रोकने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। आज रास्ता साफ़ हो गया है। अब छत्तीसगढ़ पुलिस इसकी जांच करेगी। किसने किसके साथ मिलकर क्या षडयंत्र रचा था। सब साफ हो जाएगा।

इस मामले में राजनांदगांव के दिवंगत विधायक उदय मुदलियार के बेटे के वकील सुदीप श्रीवास्तव ने कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच ने एनआईए की अपील को खारिज कर दिया है। इस मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने वृहद षड्यंत्र की जांच के लिए एफआईआर दर्ज की थी। मामले में एनआईए का कहना था कि चूंकि जांच हमने की है इसलिए छत्तीसगढ़ पुलिस इस जांच को नहीं कर सकती। इस मामले में छत्तीसगढ़ सरकार और राजनांदगांव के पूर्व विधायक उदय मुललियार के बेटे जितेंद्र मुदलियार ने थाना दरभा में आवेदन किया था। इस आधार पर पुलिस नया एफआईआर दर्ज कर मामले की चांच कर रही थी। जांच को राकने के लिए एनआईए ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले में निचली अदालत से उच्चतम न्यायालय तक केस चला। सभी जगह छत्तीसगढ़ पुलिस के पक्ष में फैसला आया है। शिकायतकर्ताओं का कहना था कि इस मामले में वृहद षड्यंत्र की जांच एनआईए ने जानबूझकर नहीं की है, इसलिए दोबारा उन्हें जांच देने का सवाल ही नहीं होता। इन तर्कों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए की अपील को खारिज कर दी है। अब इस मामले की जांच छत्तीसगढ़ पुलिस कर सकेगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पीड़ित पक्ष को न्याय मिलेगा

इस मामले में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जीरम नक्सली हमले की जांच के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस को आदेश दिया है और एनआईए की आपत्ति को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि लगातार जीरम घाटी नक्सली हमले की जांच को प्रभावित करने का षड्यंत्र किया जा रहा था। भाजपा जब सरकार में थी तब जांच को प्रभावित किया और कांग्रेस की सरकार बनने के बाद इस मामले में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया था, उसमें नए बिंदू जोड़े गए थे तब भाजपा नेता इस मामले की जांच को रोकने गए थे। एनआईए ने फाइल नहीं दिया था। आज सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पीड़ित पक्ष को न्याय मिलेगा। झीरम घाटी कांड के जो भी पड़यंत्रकारी हैं, वह सलाखों के पीछे जाएंगे। इस घटना की काली सच्चाई जनता के बीच उजागर होगी।

झीरम नक्सली हमले में 30 लोग हुए थे दिवंगत

नक्सलियों ने बस्तर के झीरम घाटी में 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर हमला किया था। हमले में बस्तर टाइगर महेंद्र कर्मा, नंद कुमार पटेल, विद्याचरण शुक्ल, उदय मुदलियार, योगेंद्र शर्मा समेत कुल 30 लोग दिवंगत हो गए थे। मामले में कांग्रेस ने बीजेपी सरकार पर सुरक्षा में लापरवाही बरतने और राजनीतिक षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया था। झीरम हमला में लोकतंत्र पर बड़ा हमला था। कांग्रेस की एक पूरी पीढ़ी इस हमले में खत्म हो गई थी। 30 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बघेल ने बताया न्याय का दरवाजा खुलने जैसा

रायपुर। झीरम कांड पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के लिए न्याय का दरवाज़ा खोलने जैसा करार दिया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि अब छत्तीसगढ़ पुलिस इसकी जांच करेगी। किसने, किसके साथ मिलकर क्या षडयंत्र रचा था, सब साफ़ हो जाएगा। झीरम के शहीदों को एक बार फिर श्रद्धांजलि।

एनआईए की अपील को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इस फैसले के चंद घंटे बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर कहा कि झीरम कांड दुनिया के लोकतंत्र का सबसे बड़ा राजनीतिक हत्याकांड था। इसमें हमने दिग्गज कांग्रेस नेताओं सहित 32 लोगों को खोया था।

उन्होंने कहा कि कहने को एनआईए ने इसकी जांच की, एक आयोग ने भी जांच की, लेकिन इसके पीछे के वृहत राजनीतिक षडयंत्र की जांच किसी ने नहीं की। छत्तीसगढ़ पुलिस ने जांच शुरु की तो एनआईए ने इसे रोकने के लिए अदालत का दरवाज़ा खटखटाया था। आज रास्ता साफ़ हो गया है।

वोटर को धीरे-धीरे यकीन दिला रही है कांग्रेस

अभय कुमार दुबे

भारतीय राजनीति का मिजाज बहुत नाजुक है। ऊपर से कांग्रेस के मुकाबले खड़ी भाजपा अनूठी राजनीतिक इच्छाशक्ति से संपन्न है। उसके आधार में संघ का विशाल संगठन खड़ा है जो अपनी राजनीति को समाजनीति के लहजे में करता है। इतने शक्तिशाली प्रतियोगी से कांग्रेस पहली बार मुकाबला कर रही है। यह बात अक्सर पूछी जाती है कि क्या कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी और उसके शक्तिशाली नेता नरेंद्र मोदी को 2024 के चुनाव में मजबूत चुनौती देने की स्थिति में है? इसमें कोई शक नहीं कि कांग्रेस राज्यों में भाजपा को कई बार हरा देती है। 2018 में उसने राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे अहम क्षेत्रों में सरकार बनाई थी लेकिन 2019 में वह लोकसभा के मोर्चे पर इन्हीं राज्यों में बुरी तरह से पराजित हो गई। तभी से यह भावना बन गई है कि भाजपा और मोदी को लोकसभा में हराना कांग्रेस के बस की बात नहीं है। क्षेत्रीय शक्तियों के भाजपा विरोधी प्रदर्शन के दम पर यह नहीं माना जा सकता कि मोदी के रथ को रोका जा सकता है। क्षेत्रीय शक्तियां तो 2019 में भी भाजपा से आगे थीं। दरअसल, चुनाव तो कांग्रेस को जीतना होगा। कांग्रेस को अपने प्रभाव-क्षेत्र में भाजपा से पचास फीसदी सीटें छीननी होंगी। अगर वह ऐसा नहीं कर पाएगी तो राज्यों में उसकी जीत राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करने में उत्तरोत्तर अक्षम होती चली जाएगी। इस लिहाज से देखने पर पिछले चौदह महीने कुछ भरोसा थमाते हुए लगते हैं। यही है वह अवधि जब कांग्रेस अपने आप को उस गर्त से उठाते हुए दिखती है जिसमें वह 2019 के चुनाव की पराजय के बाद गिर गई थी। एक बारगी तो ऐसा लगा था कि कांग्रेस एक मरणोन्मुख पार्टी बन गई जिसका भविष्य पूरी तरह से अंधकारमय है। कांग्रेस की यह दुर्गति भाजपा को प्रभुत्व से वर्चस्व की स्थिति की तरफ ले जाती हुई दिखने लगी थी लेकिन, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जैसे ही पिछले साल सितंबर में भारत जोड़ो यात्रा शुरू की वैसे ही इस पार्टी और उसके नेतृत्व में जीवन के चिह्न दिखाई देने लगे। दरअसल, इस प्रकरण को केवल एक यात्रा की तरह देखना उचित नहीं होगा। मेरे विचार से 136 दिन लंबा यह जनसंपर्क अभियान एक बहुमुखी रणनीति का पहला आयाम था। इसका दूसरा आयाम था मल्लिकार्जुन खड़गे (संगठन) और राहुल गांधी (जनगोलबंदी) के बीच काम का कारगर बंटवारा। इसका तीसरा आयाम था कांग्रेस द्वारा अपनी रणनीति के दो पहलुओं पर खास तौर से ध्यान देना। इनमें पहला था अल्पसंख्यक वोटों को अपनी ओर खींचने के लिए मतदाताओं को एक नई कहानी सुनाना। यह काम राहुल गांधी ने यात्रा के दौरान 'मुहब्बत की दुकान' वाले फिकरे के जरिए बखूबी किया। दूसरा था गैर-भाजपा विपक्ष की एकता के प्रयासों को नियोजित गतिशीलता प्रदान करना। यह काम करने की जिम्मेदारी खड़गे और सोनिया गांधी ने निभाई। इन दोनों ने नीतीश कुमार, शरद पवार, ममता बनर्जी और काफी-कुछ अरविंद केजरीवाल के साथ मिल कर एक ऐसे गठजोड़ को जन्म दिया जो पिछले दो लोकसभा चुनावों में नदारद था। इसका चौथा आयाम था कांग्रेस के सांगठनिक जीवन में उसके प्रादेशिक नेताओं (कर्नाटक में सिद्धारमैया, हिमाचल प्रदेश में सुक्खू, मप्र में कमलनाथ, छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल, तेलंगाना में रेवंत रेड्डी, राजस्थान में अशोक गहलोत के महत्व की प्रतिष्ठा। इसका पांचवां आयाम था जातिगत जनगणना और ओबीसी राजनीति को राष्ट्रीय मुद्दा बनाने का आग्रह। इस पंचमुखी रणनीति को पिछले साल भर में तकरीबन एक साथ धरती पर उतारा गया है। इसका चुनावी फोकस पिछड़ी जातियों और मुसलमान वोटरों के बीच लोकप्रिय होना है। भाजपा ने हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में चुनाव के पहले और लड़ने के दौरान कई तरह की गलतियां कीं। उसके आलाकमान ने अपनी कर्नाटक सरकार की अलोकप्रियता को समझने से इन्कार कर दिया। इसी तरह वह दोनों प्रदेशों में चल रही जबरदस्त गुटबाजी के नकारात्मक पहलुओं का शमन नहीं कर सका।

फिलीस्तीन की आड़ में तुष्टीकरण

प्रभु चावला

माना जाता है कि अनगिनत सदियों पहले ऋषि परशुराम ने अपनी कुल्हाड़ी अरब सागर में फेंक दी थी। ऋषि का अपना देश जल से उभरा, जो हिंदू धर्म की परम शक्ति का प्रतीक है। इसके जन्म के मिथक पर स्थानीय वैश्विक सांप्रदायिकता की नयी वास्तविकता हावी है, जो केरल के दो प्रमुख दलों- कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा पोषित है। गाजा और कोझिकोड के बीच की 4,780 किलोमीटर की दूरी नफरत फैलाने में अवरोध नहीं है। धार्मिक कट्टरता से उत्साहित और पहचान की राजनीति से प्रेरित कोझिकोड के लोग कुछ दिन पहले सात अक्टूबर को हुए जनसंहार के बाद गाजा पट्टी पर इस्राइल के घातक हमलों के खिलाफ सड़क पर उतरे।

इसी तरह के सामी-विरोधी विरोध प्रदर्शन और उपद्रव उन देशों में भी हो रहे हैं, जहां प्रवासियों की संख्या अधिक है। इनके पीछे सेकुलर अनुदारवादी हैं। लेकिन कोझिकोड में जो आक्रोश व्यक्त हुआ, वह सांप्रदायिक रूप से जहरीला था, जिसमें हमास के आतंकियों का समर्थन किया गया। इस प्रदर्शन को सभी इस्लामी राजनीतिक और धार्मिक समूहों का पूरा समर्थन था। मलयाली केफिये पर सबसे बड़ा दाग हमास के नेता खालेद मशाल का लाइव वर्चुअल संबोधन था। ऐसा विशेषाधिकार किसी अन्य देश में हमास के किसी आतंकी को नहीं मिला।

कांग्रेस ने 23 नवंबर को कोझिकोड में एक बड़ी रैली का एलान किया है। दोनों पार्टियां चुनावी फायदे के लिए फिलिस्तीनियों की लाशों पर राजनीति कर रही हैं। दोनों को मुस्लिम समुदाय के सक्रिय समर्थन के बिना बहुमत नहीं मिल सकता है, जो राज्य की आबादी का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा हैं- राष्ट्रीय औसत का दोगुना। हालांकि, कांग्रेस ने इस रैली को स्थानीय आयोजन बना दिया है क्योंकि राष्ट्रीय नेतृत्व की प्रतिक्रिया अस्पष्ट है। मल्लिकार्जुन खरगे या गांधी परिवार से कोई जैसे प्रमुख नेता इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं। गाजा समर्थक इससे इनकार करते हैं कि केरल की घटनाओं का हमास से कोई लेना-देना नहीं है और उनपर अनुचित आरोप लग रहे हैं।

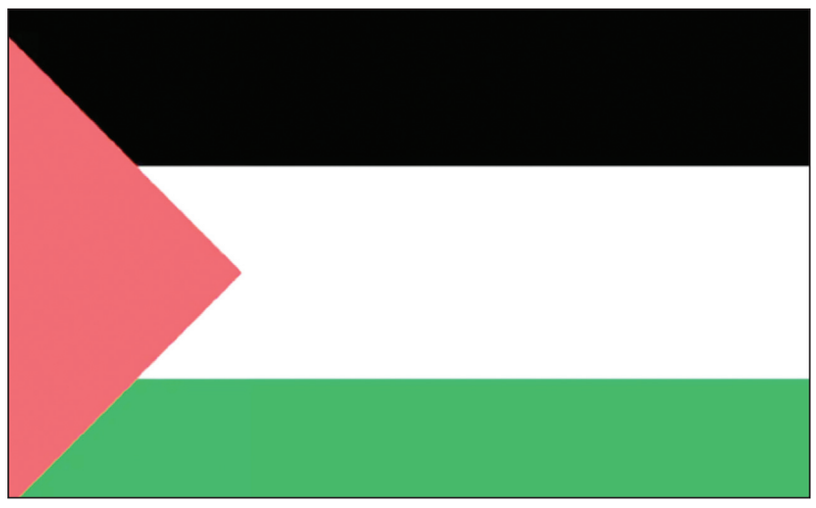

भारत में अन्यत्र छद्म धर्मनिरपेक्षवादियों और अनुदार अभिजात्यों वर्गों ने अपनी अस्वीकृति को सार्वजनिक बयानों और निजी व्यथा तक सीमित रखा, पर केरल के हमास समर्थक प्रदर्शन ने राष्ट्रीय सुरक्षा और राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव पर गंभीर सवाल खड़े कर दिये। साल 2019 में कांग्रेस द्वारा जीती 52 लोकसभा सीटों में से 15 केरल से हैं, जिनमें राहुल गांधी की सीट भी शामिल है। भारतीय यूनियन मुस्लिम लीग के पास दो और सीपीएम के पास एक सांसद है। भाजपा राज्य में शून्य है। लेकिन अकेले किसी मुस्लिम संगठन को ही दोष नहीं दिया जा सकता। केरल फिलीस्तीन एकजुटता के नाम पर अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की खतरनाक विभाजनकारी प्रतिस्पर्धी प्रदर्शनवाद के जिन्न से ग्रस्त है। मुस्लिम लीग द्वारा समर्थित सत्तारूढ़ सीपीएम इस्राइल के खिलाफ उग्र बयानबाजी में पीछे नहीं है।

लाल उपद्रवियों ने आतंकी से शांति के वाहक बने यासर अराफात की पुण्यतिथि पर एक विशाल रैली का आयोजन किया, जो फिलीस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन के नेता थे और इंदिरा गांधी के पसंदीदा थे। कोझिकोड में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इस्राइली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से ज्यादा मोदी सरकार को निशाना बनाया। उन्होंने कहा, 'भारत इस्राइल में निर्मित हथियारों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। भारतीय करदाताओं का पैसा बेगुनाह फिलीस्तीनी बच्चों को मारने के लिए नहीं दिया जाना चाहिए। इसलिए भारत को इस्राइल के साथ सभी सैन्य सौदों को रद्द कर देना चाहिए और उससे राजनयिक संबंध तोड़ देना चाहिए', और यह कि 'इस्राइल सबसे बड़े आतंकी देशों में से एक है। भारत के वर्तमान शासकों का 'जायनवादी' पक्षपात कतई अचरज की बात नहीं।' भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने प्रतिक्रिया में कहा, 'सीपीएम की रैली में मंच पर केवल दाढ़ी वाले मौलवी ही मौजूद थे। इससे लोगों में यह संदेह पैदा हो गया है कि वामपंथी पार्टी ने अपना नाम कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ मौलवी रख लिया है।'

कांग्रेस ने 23 नवंबर को कोझिकोड में एक बड़ी रैली का एलान किया है। दोनों पार्टियां चुनावी फायदे के लिए फिलीस्तीनियों की लाशों पर राजनीति कर रही हैं। दोनों को मुस्लिम समुदाय के सक्रिय समर्थन के बिना बहुमत नहीं मिल सकता है, जो राज्य की आबादी का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा हैं- राष्ट्रीय औसत का दोगुना। हालांकि, कांग्रेस ने इस रैली को स्थानीय आयोजन बना दिया है क्योंकि राष्ट्रीय नेतृत्व की प्रतिक्रिया अस्पष्ट है। मल्लिकार्जुन खरगे या गांधी परिवार से कोई जैसे प्रमुख नेता इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं। केरल से आने वाले कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल इसे संबोधित करेंगे। गाजा समर्थक इससे इनकार करते हैं कि केरल की घटनाओं का हमास से कोई लेना-देना नहीं है और उनपर अनुचित आरोप लग रहे हैं।

शायद मालाबार के मुस्लिमों की फिलीस्तीन के प्रति सहानुभूति के सूत्र इतिहास में हैं। पश्चिम एशिया के मुस्लिम सातवीं सदी में मालाबार आये और हिंदुओं को निष्कासित कर जमींदार बन गये। इतिहासकारों के अनुसार, फारस सागर से होने वाले अरब व्यापार की बढ़त ने कोझिकोड को 'मसालों का शहर' का उपनाम दिया। इन व्यापारियों को स्थानीय लड़कियों से शादी करने और व्यवसाय करने की उदार अनुमति दी गयी थी। वे बड़ी संख्या में यहां बस गये। उन्हें मोपला (दामाद) कहा जाता था। जब 18वीं सदी के अंत तक जमीन का मालिकाना मूल हिंदू जामियों (जमींदारों) को काफी हद तक बहाल कर दिया गया, तो मोपला इसे पचा नहीं सके। साल 1921 में उन्होंने हिंदू जमींदारों के खिलाफ विद्रोह कर दिया। हालांकि इसे एक ब्रिटिश विरोधी विद्रोह के रूप में दिखाया गया था, पर दंगे की प्रकृति हिंदू विरोधी थी।

बीआर आंबेडकर और एनी बेसेंट जैसे उदारवादी नेताओं ने भी लिखा है कि मोपला विद्रोह एक कृषि विद्रोह नहीं था, बल्कि केरल के हिंदुओं को खत्म करने के लिए किया गया था। बेसेंट का कहना था, उन्होंने खिलाफत राज की स्थापना की, एक राजा बनाया, भारी लूट-मार की तथा धर्मत्याग नहीं करने वाले सभी हिंदुओं को मार डाला या भगा दिया। आंबेडकर अधिक आक्रामक थे, यह ब्रिटिश सरकार के खिलाफ विद्रोह था, यह तो समझ में आता है। लेकिन सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह थी मालाबार के हिंदुओं के साथ मोपलाओं का व्यवहार। उन्होंने आगे कहा, यह कोई हिंदू-मुस्लिम दंगा नहीं था। मृत, घायल या धर्म परिवर्तन करने वाले हिंदुओं की संख्या ज्ञात नहीं है। लेकिन संख्या बहुत अधिक रही होगी।

सौ से अधिक वर्षों बाद प्राचीन घृणा की चिंगारियां सार्वजनिक विमर्श में हावी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कट्टरपंथियों के हाथों सैकड़ों कार्यकर्ताओं को खोया है। लेकिन केरल के सामाजिक परिदृश्य के एकतरफा ध्रुवीकरण को बदलने का उसका संघर्ष विफल हो रहा है। पूरे भारत ने इस्राइल-अरब संघर्ष पर मध्य मार्ग अपनाया है, केरल का एक बड़ा वर्ग सांप्रदायिक और सांस्कृतिक पतन के रास्ते पर है। यह एक नये दक्षिण भारत के एक पक्षपाती, कुरूप चेहरे का प्रतिनिधित्व करता है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

यागकुण्डल्युपनिषद् (भाग-6)

गतांक से आगे...

मल शोधन होने के बाद जब प्राण प्रवाहित (गतिशील) होने लगे, तभी बलपूर्वक अपान को ऊर्ध्वगामी बनाना चाहिए, उससे पहले नहीं। प्राण को ऊर्ध्वगामी बनाने की प्रक्रिया के लिए गुदा के आकुंचन की क्रिया को मूलबन्ध कहते हैं। इस क्रिया से अपान ऊर्ध्वगामी होकर अग्नि के साथ संयुक्त होकर ऊपर की ओर चल देता है। प्राण के स्थान में जब वह अनि पहुँचती है और प्राण तथा अपान दोनों मिलकर कुण्डलिनी में मिलते हैं, उस समय उसकी गर्मी से तप्त होकर एवं वायु के बारम्बार दबाव से कुण्डलिनी सीधी होकर सुषुम्ना के मुँह में प्रवेश कर जाती है।

तब यह कुण्डलिनी शक्ति रजोगुण से उत्पादित ब्रह्मग्रन्थि का भेदन करके विद्युत् शिखा की भाँति सुषुम्ना के मुख में ऊर्ध्वगमन करती है-प्रवेश करती है। (वहाँ से) शीघ्र ही हृदयचक्र में स्थित विष्णुग्रन्थि का भेदन कर उसके भी ऊपर रुद्रग्रन्थि (आज्ञा चक्र) में पहुँच जाती है।

भृकुटियों के मध्य (आज्ञाचक्र) का भेदन करके यह चन्द्र स्थान में पहुँच जाती है, जहाँ पर षोडश दल वाला अनाहतचक्र स्थित है। यह (कुण्डलिनी शक्ति) वहाँ पर चन्द्रमा के द्वारा नि:सृत द्रव को सुखाकर प्राणवायु के वेग से गतिशील होकर, सूर्य से मिलकर, रक्त और पित्त को ग्रहण कर लेती है।

वहाँ चन्द्र स्थान में जाकर जहाँ शुद्ध ष्मा द्रवस्वरूप रहता है, उस रस पदार्थ को सोखकर उसे गर्म कर देती है, इस तरह वहाँ शीतलता नहीं रह जाती। तब यह शुक्ल रूप चन्द्रमा को शीघ्रता से तपा देती है तथा क्षुब्ध होकर ऊर्ध्वगामी हो जाती है। उस स्थिति में उसे अमृतरस का स्वाद मिल जाता है, इसलिए जो मन पहले बाहरी विषयों में भोगरत रहता था, वह अब अन्तर्मुखी होकर स्वयं में स्थित स्वकीय आत्मा में आनन्द की अनुभूति करने लगता है। इस तरह से यह कुण्डलिनी शक्ति अष्टधा प्रकृति (पंच तत्त्व, मन, बुद्धि, अहंकार) से गमन करते हुए शिव से एकाकार होती है और उन्हीं में विलीन हो जाती है। इस प्रकार अधोभाग स्थित रज व ऊर्ध्व स्थित शुक्ल (शुक्र), वायु के वेग से शिव में मिल जाते हैं तथा प्राण व अपान भी शिव में विलीन हो जाते हैं; क्योंकि उन्हें समान रूप से उत्पन्न होने वाला कहा गया है। जिस प्रकार अग्नि की गर्मी से स्वर्ण गलकर फैल जाता है, ठीक उसी प्रकार यह भौतिक शरीर चाहे छोटा हो या बड़ा (कुण्डलिनी की) उष्णता पाकर वह दिव्यशक्ति पूरे शरीर में फैल जाती है।

क्रमशः ...

राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर

धीरेंद्र यादव

वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौर का नाम मेवाड़ ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण हिन्दुस्तान के इतिहास में त्याग, बलिदान, देश-भक्ति व स्वामिभक्ति के लिये स्वर्ण अक्षरों में अमर है। मारवाड़ की स्वतन्त्रता के लिये वर्षों तक संघर्ष करने वाले वीर पुरुष दुर्गा दास राठौर का जन्म जोधपुर के एक छोटे से गाँव सलवां कलां में आसकरन जी राठौर के घर 13 अगस्त, सन् 1638 (श्रावण शुक्ला चतुर्दशी सम्वत् 1695) में हुआ था। इनके पिता आसकरन जी जोधपुर नरेश महाराजा जसवन्त सिंह की सेना में थे। अपने पिता की भाँति बालक दुर्गादास में भी वीरता के गुण कूट-कूट कर भरे थे। एक बार जोधपुर राज्य की सेना के कुछ ऊँट चरते हुये आकरन के खेत में घुस गये। बालक दुर्गादास के विरोध करने पर चरवाहों ने कोई ध्यान नहीं दिया तो वीर युवा दुर्गादास आग-बबूला हो गये और तलवार निकालकर एक ही पल में ऊँट की गर्दन उड़ा दी। बालक की इस वीरता की खबर जब जोधपुर नरेश महाराजा जसवन्त सिंह को लगी तो वे उस वीर बालक को देखने के लिये उतावले हो उठे। उन्होंने अपने सैनिकों को दुर्गादास को दरबार में लाने का हुक्म दिया। अपने दरबार में उस वीर बालक की निडरता एवं निर्भीकता देखकर महाराजा अचंभित रह गये। स्वयं आसकरन जी ने जब अपने पुत्र को इतना बड़ा अपराध निर्भीकता से स्वीकारते देखा तो वे भी दाँतों तले उँगली दबाने लगे। परिचय पूछने पर महाराजा को मालूम हुआ कि यह वीर बालक आसकरन का पुत्र है, तो महाराजा ने दुर्गादास राठौर को अपने पास बुलाकर पीठ थपथपाई और इनाम के रूप में तलवार भेंट कर उन्हें अपनी सेना में भर्ती कर लिया।

उस समय महाराजा जसवन्त सिंह दिल्ली के मुगल बादशाह औरंगजेब की सेना में प्रधान सेनापति थे। फिर भी औरंगजेब की नीयत जोधपुर राज्य के लिये ठीक नहीं थी और वे हमेशा जोधपुर राज्य को हड़पने के लिये मौके की तलाश में रहते थे। सम्वत् 1731 में गुजरात में मुगल सल्तनत के खिलाफ विद्रोह को दबाने हेतु जसवन्त सिंह जी को भेजा गया। इस विद्रोह को दबाने के बाद महाराजा जसवन्त सिह जी काबुल में पठानों के विद्रोह को दबाने हेतु चल दिये, और वीर दुर्गादास राठौर की सहायता से पठानों का विद्रोह शान्त करने के साथ ही महाराजा वीरगति को प्राप्त हो गये। वीरगति प्राप्त करने से पूर्व महाराजा जसवन्त सिंह जी ने वीर दुर्गादास राठौर से अपनी पत्नी के होने वाली सन्तान की रक्षा का वचन लिया था। पुत्र अजीत सिंह को रास्ते का कांटा समझकर औरंगजेब ने हत्या की ठान ली। औरंगजेब की इस कुनीयत को स्वामिभक्त वीर दुर्गादास राठौर ने भांप लिया और योजनाबद्ध तरीके से अजीत सिंह को दिल्ली से निकाल लाये। वीर दुर्गादास राठौर ने अजीत सिंह की गोपनीय तरीके से पूर्ण पालन-पोषण की समुचित व्यवस्था की। अजीत सिंह के बड़े होकर गद्दी पर बैठाने तक की लम्बी अवधि में उन्होंने जोधपुर की गद्दी को बचाने के लिये औरंगजेब के द्वारा संचालित तमाम षड्यंत्रों के खिलाफ लोहा लेते हुये कई लड़ाईयाँ लड़ी। इस बीच करीब 25 वर्षों के संघर्ष के दौरान औरंगजेब का बल या अपार धन का लालच वीर दुर्गादास राठौर को नहीं डिगा सका और अपनी वीरता के बल पर जोधपुर की गद्दी को सुरक्षित रखने में वीर दुर्गादास राठौर सफल रहे। पच्चीस वर्ष की अवस्था में सन् 1708 में अजीत सिंह को जोधपुर की गद्दी पर बिठाकर ही उन्होंने न केवल चैन की सांस ली बल्कि राजा जसवन्त सिंह को दिया गया वचन पूर्ण किया। जीवन के अन्तिम दिनों में वे स्वेच्छा से मारवाड़ छोड़कर उज्जैन चले गये। वहीं क्षिप्रा नदी के किनारे उन्होंने अपने जीवन के अन्तिम दिन गुजारे। 22 नवम्बर सन् 1718 (माघशीर्ष शुक्ल एकादशी सम्वत् 1775) में उनका निधन हो गया।

अब पुतिन के इलाके पर दावा ठोक रहे जिनपिंग

अभिनय आकाश

क्या मानचित्र पर नाम मायने रखते हैं? जब वे सीमावर्ती क्षेत्रों से जुड़ा हो तो जवाब हां में ही मिलता है। चीन एक ऐसा देश है जिसका दुनिया में कोई देश ऐतबार नहीं कर सकता है। दुनियाभर में भी कोई ऐसा सगा नहीं है जिसे चीन ने ठगा नहीं है। चीन ताइवान पर जबरन कब्जे की फिराक में दशकों से बैठा है। नेपाल से दोस्ती की आड़ में उसके इलाके पर टेढ़ी नजर है। हांगकांग की आजादी का अतिक्रमण हो या साउथ चाइना सी में वियतनाम, ब्रनेई, फिलीपींस, मलेशिया से टकराव। सेनकाकू द्वीप को लेकर जापान से लड़ रहा। मंगोलिया में कोयला भंडार पर चीन की नजर। भारत के अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों का चीनी नाम रखने के बाद अब चीन की हिमाकत बढती ही जा रही है। 2023 के शुरुआती वर्ष में चीन के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय ने आदेश दिया था कि नए मानचित्रों में उसके खोए हुए क्षेत्रों के पूर्व चीनी नामों का उपयोग किया जाना चाहिए जो अब रूस का सुदूर पूर्व है। जिसके बाद रूस के प्रशांत बेड़े के मुख्यालय का घर व्लादिवोस्तोक अब हैशेनवाई, सखालिन द्वीप कुएदाओ बन गया। इसके बाद अगस्त के महीने में मंत्रालय ने एक नक्शा जारी किया जिसमें बोल्शॉय उस्सुरीस्की द्वीप के विवादित रूसी क्षेत्र को चीन की सीमाओं के भीतर दिखाया गया। ये मानचित्र चालें बढ़ती चर्चाओं और यहां तक ??कि पश्चिमी विदेश नीति हलकों में रूसी संघ को कई छोटे राज्यों में विभाजित करने की मांग के बीच सामने आई हैं। सोच यह है कि छोटे राज्यों में विभाजित होने से पश्चिम के लिए रूस की चुनौती और यूक्रेन में युद्ध जारी रखने की उसकी क्षमता कुंद हो जाएगी।

चीन के इस कदम को बहुत ही अहम माना जा रहा है। वो भी ऐसे वक्त में जब यूक्रेन युद्ध के बाद रूस एक तरह से चीन का जूनियर अलायंस बना हुआ है और अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए पुतिन ने शी जिनपिंग से गुहार तक लगाने की नौबत आ गई है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या रूसी राज्य के दूर-दराज के क्षेत्रों में स्वतंत्रता के लिए बहुत भूख है? यदि सुदूर पूर्व में अलग हुए क्षेत्र बने, तो क्या इससे पश्चिम या चीन को लाभ होगा? फेल्ड स्टेट- ए गाइड टू रशियाज़ रप्चर नामक किताब में राजनीतिक वैज्ञानिक जानूस बुगाजस्की का तर्क है कि रूसी संघ के क्षेत्र समय के साथ स्वतंत्रता की घोषणा करेंगे। उनका और अन्य लोगों का तर्क है कि यह रूस के बाहर सभी के लिए अच्छा होगा। बुगाजस्की का तर्क है कि एक दुबले-पतले रूसी राज्य की पड़ोसियों पर हमला करने की क्षमता कम हो जाएगी। रूसी क्षेत्रीय पहचान और इतिहास के एक विद्वान के रूप में उनका मानना ????है कि कम से कम कहने के लिए, टूटे हुए रूस की संभावना असंभव है। वाशिंगटन पोस्ट के डेविड इग्नाटियस ने रूसी विघटन के बारे में निराशाजनक दृष्टिकोण रखते हुए अगस्त में लिखा था कि यह शैतान को खेल का मैदान प्रदान करेगा जो पश्चिम के लिए खतरा पैदा कर सकता है।

रूस के सुदूर पूर्व में चीन और व्लादिवोस्तोक की सीमा से लगा अमूर क्षेत्र शामिल है। इन्हें 19वीं शताब्दी के मध्य में रूस द्वारा चीन से लिया गया था, जब रूसी जनरल निकोलाई मुरावेव-अमर्सकी ने चीन को हराने के लिए रूस की अधिक मारक क्षमता और अधिक आधुनिक सेना का उपयोग किया था। लेकिन क्षेत्र में क्षेत्रों की स्थिति विवादास्पद बनी रही। 1969 में चीन और सोवियत संघ ने सीमा मुद्दों पर सात महीने तक अघोषित युद्ध लड़ा। 1991 के बाद, चीन और रूस ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई दौर की वार्ता और संधियाँ कीं कि उनके बीच की सीमा को दोनों पक्षों द्वारा अनुमोदित किया गया था, आखिरी संधि 2004 में हुई थी। फिर भी, चीन के भीतर सभी समूह परिणामों को स्वीकार नहीं करते हैं। चीन में पाठ्यपुस्तकों में अभी भी रूस को 1.5 मिलियन वर्ग किलोमीटर के नुकसान का उल्लेख है।

ध्यान दें कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के संस्थापक माओत्से तुंग ने कहा था कि रूस को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन?होंने कहा था कि यह चीनी क्षेत्रों की चोरी है। अब कई रूसी लोगों का मानना है कि चीन रूस के इस फॉर ईस?ट इलाके को अपना उपनिवेश बना सकता है। चीन यहां मिलने वाले कच?चे माल जैसे हीरे और सोने का इस?तेमाल कर सकता है। कुछ रूसियों और पश्चिम के लोगों के बीच डर यह है कि चीन रूस के सुदूर पूर्व को अपने उपग्रह में बदल सकता है, इसे हीरे और सोने जैसे कच्चे माल के साथ-साथ तेल और गैस के स्रोत के रूप में उपयोग कर सकता है।

चीन को उन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जो रूस के सुदूर पूर्व में उसके प्रभाव को बढ़ाना विशेष रूप से आकर्षक बनाती हैं, जिसमें विशेषज्ञ संरचनात्मक आर्थिक संकट और ग्रामीण शिक्षा अंतर भी शामिल हैं। क्षेत्रीय विस्तार घरेलू मुद्दों से ध्यान भटकाने के साथ-साथ आर्थिक विकास भी प्रदान कर सकता है। लेकिन रूसी संघ के टूटने से चीन के लिए भी सुरक्षा खतरा पैदा हो सकता है। झिंजियांग का अनुभव एक चेतावनी के रूप में कार्य करता है। यह क्षेत्र, जो मुस्लिम उइगर लोगों पर चीन के उत्पीड़न का केंद्र रहा है, दो बार पूर्व सोवियत नेता जोसेफ स्टालिन के संरक्षण में एक अलग क्षेत्र रहा था। इसके अलावा, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को डर होगा कि शिनजियांग के नजदीक रूसी संघ के क्षेत्रों में कोई भी अशांति फैल सकती है।

आज का इतिहास

1877 पहला कॉलेज लैक्रोस खेल न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय और मैनहट्टन कॉलेज के बीच खेला गया।
1877 थॉमस एडिसन ने ग्रामोफ़ोन का आविष्कार किया। इसके लिए उन्होंने 7 वर्ष परिश्रम किया।
1910 ब्राजील के युद्धपोतों मिनास गेरास, साओ पाउलो, बाहिया के दल - जिनमें से सभी को केवल महीनों पहले ही कमीशन किया गया था - और कई छोटे युद्धपोतों ने विद्रोह किया था जिन्हें विद्रोह की भाषा में लेश के रूप में जाना जाता था।
1933 फ़ुज़ियान पीपुल्स सरकार चीन के फ़ुज़ियान शहर में घोषित की गई।
1955 कर्नल टॉम पार्कर एल्विस प्रेस्ली ने आरसीए रिकॉर्ड्स पर हस्ताक्षर किये।
1963 संयुक्त राज्य अमेरिका के वायु सेना के पहले बी -2 स्टील्थ बॉम्बर को पहली बार कैलिफोर्निया के पामडेल में वायु सेना संयंत्र 42 में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया गया था।
1967 संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद ने फ़िलिस्तीन के बारे में प्रस्ताव 242 पारित किया।
1967 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सर्वसम्मति से इजरायल और मिस्र, जॉर्डन और सीरिया के बीच छह-दिवसीय युद्ध के बाद संकल्प 242 को अपनाया।
1975 जुआन कालोर्स स्पेन के राजा बने।
1975 फ्रांसिस्को फ्रेंको की मृत्यु के दो दिन बाद, जुआन कार्लोस ङ्ख को फ्रेंको द्वारा प्रख्यापित उत्तराधिकार के कानून के अनुसार स्पेन का राजा घोषित किया गया था।
1977 ब्रिटिश एयरवेज ने नियमित रूप से लंदन से न्यूयॉर्क शहर सुपरसोनिक कॉनकॉर्ड सेवा का उद्घाटन किया।
1986 माइक टायसन ने लास वेगास में ट्रेवर बरबिक को हराकर अपना पहला मुक्केबाजी खिताब जीता।
1988 एंजेला मर्केल ने पहली महिला चांसलर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।
1995 टॉय स्टोरी, केवल कंप्यूटर-जनरेटेड इमेजरी का उपयोग करके बनाई गई पहली फीचर फिल्म थी।
1997 डायना हेडन ने विश्व सुंदरी का खिताब जीता।

राजस्थान में लड़खड़ाता नजर आ रहा है तीसरा मोर्चा

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम पर पहुंच गया है। सभी राजनीतिक दलों के बड़े नेता व स्टार प्रचारक लगातार चुनावी रैलियां को संबोधित कर रहे हैं। भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई प्रदेशों के मुख्यमंत्री व बड़े नेता लगातार चुनावी रैलियां को संबोधित कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव प्रचार की कमान संभाल रखी है। भाजपा जहां सभी 200 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं कांग्रेस 199 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने भरतपुर सीट राष्ट्रीय लोक दल को गठबंधन में दी है।

जहां कांग्रेस व भाजपा पूरे जोश खरोश के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं तीसरी ताकत बनकर चुनाव परिणाम को बदलने का दावा करने वाले तीसरे मोर्चे के दलों की स्थिति कमजोर लग रही है। विधानसभा चुनाव से पहले तीसरे मोर्चे के नेता बड़े-बड़े दावे कर सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने की बात कह रहे थे। मगर मौजूदा चुनावी परिदृश्य को देखकर तो लगता है कि तीसरे मोर्चे के दल अपनी उपस्थिति दर्ज करवा पाने में ही नाकाम लग रहे हैं। तीसरे मोर्चे में शामिल बसपा, आप, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, एमआईएमआईएम, वामपंथी दल, हरियाणा की जननायक जनता पार्टी, भारतीय ट्राइबल पार्टी व भारत आदिवासी पार्टी ने चुनाव से पूर्व अधिकांश सीटों पर चुनाव लड़ने के बड़े-बड़े दावे किए थे। मगर चुनावी मैदान में इनमें से कोई भी पार्टी सभी सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतर पाई है।

पिछले चार चुनावों से प्रदेश में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रही बहुजन समाज पार्टी ने भी 175 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा है। इस पार्टी के कई प्रत्याशियों ने तो कांग्रेस व भाजपा के प्रत्याशियों के पक्ष में अपने नाम वापस ले लिए या फिर उनको अपना समर्थन दे दिया है। वहीं तिजारा से पार्टी ने इमरान खान को प्रत्याशी बनाया था। जिसने अंतिम समय में कांग्रेस से टिकट लेकर चुनाव मैदान में उतर गए। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा पार्टी की जीत के बड़े-बड़े दावे तो कर रहे हैं मगर कैसे जीतेंगे इस बात का उनके पास कोई जवाब नहीं है।

बसपा सुप्रीमो मायावती भी चुनाव प्रचार में उतर चुकी हैं। उन्होंने पूर्वी राजस्थान के अलवर, भरतपुर, झुंझुनू जिलों की कई विधानसभा सीटों पर अपनी पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभाएं भी की हैं। बसपा के सामने सबसे बड़ा संकट पार्टी की साख को लेकर है। बसपा से 2008 व

2018 में 6-6 विधायक चुने गए थे। मगर दोनों ही बार सभी विधायकों ने कांग्रेस में शामिल होकर पार्टी को धत्ता बता दिया था। इसलिए लोगों का मानना है कि यदि बसपा के प्रत्याशियों को जिता भी दिया तो वह पार्टी में रहेंगे इस बात की क्या गारंटी है। पिछली बार के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को 6 सीटें व 4.03 प्रतिशत मत मिले थे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी जहां पिछली बार 142 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। वहीं इस बार सिर्फ 88 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। चुनाव से पहले तो अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान राजस्थान में कई बड़ी जनसभाओं को संबोधित किया था। मगर चुनाव अभियान के दौरान दोनों ही नेता अभी तक राजस्थान नहीं आये हैं। पिछले चुनाव में आप पार्टी के सभी प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई थी। आप को सिर्फ 68051 वोट मिले थे।

नागौर सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल चुनाव से पहले बड़े-बड़े दावे कर रहे थे। मगर चुनाव में उन्होंने सिर्फ 78 सीटों पर ही प्रत्याशी उतारे हैं और उत्तर प्रदेश की आजाद समाज पार्टी कांशीराम के साथ गठबंधन किया है। जिसके अध्यक्ष चंद्रशेखर स्वयं उत्तर प्रदेश के गोरखपुर सीट से चुनाव में बुरी तरह हार चुके हैं। उन्हें मात्र 7640 वोट ही मिले थे। हनुमान बेनीवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित कई बड़े नेताओं के सामने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। यहां तक कि पिछले साल सरदार शहर उपचुनाव में 46000 वोट लेने के उपरांत भी उन्होंने वहां से अपने प्रत्याशी का नामांकन फॉर्म वापस करवा दिया था।

पिछले विधानसभा चुनाव में बेनीवाल की पार्टी से 58 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे थे। जिनमें तीन जीतने में सफल रहे थे वहीं 48 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। बेनीवाल की पार्टी को 856038 यानी 2.40 प्रतिशत मत मिले थे। इस बार बेनीवाल सांसद रहते स्वयं खीवसर से अपने भाई नारायण बेनीवाल के स्थान पर चुनाव लड़ रहे हैं। आदिवासी बेल्ट में पिछली बार भारतीय ट्राइबल पार्टी नामक नई पार्टी ने 11 सीटों पर चुनाव लड़कर दो सीट जीती थी। उनके आठ प्रत्याशियों के जमानत जब्त हो गई थी। तब पार्टी ने 255100 यानी 0.72 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। इस बार भारतीय ट्राइबल पार्टी का विभाजन हो गया और इससे टूटकर बनी भारत आदिवासी पार्टी ने 27 व भारतीय ट्राइबल पार्टी ने 17 प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की एमआईएमआईएम पार्टी के सिर्फ 10 प्रत्याशी ही खड़े हुए हैं। जबकि चुनाव से पहले ओवैसी 40 से 50 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे। चर्चा है कि ओवैसी को 10 सीटों पर भी मुश्किल से ही प्रत्याशी मिल पाए हैं।

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी 20 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दातारामगढ़ सीट पर कांग्रेस के मौजूदा विधायक वीरेंद्र चौधरी के सामने उनकी पत्नी रीटा चौधरी ने जननायक जनता पार्टी से खड़ी होकर चुनावी मुकाबले को रोचक बना दिया है। राजस्थान में वामपंथी दलों की स्थिति भी कोई ज्यादा अच्छी नहीं है। पिछली बार दो सीटों पर जीतने वाली माकपा 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में माकपा ने 28 व भाकपा ने 16 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे। जिनमें माकपा के दो प्रत्याशी चुनाव जीतने में सफल रहे थे। मगर इस बार माकपा व भाकपा के प्रत्याशियों की स्थिति ज्यादा सुदृढ़ नजर नहीं आ रही है।

राजस्थान में कांग्रेस व भाजपा के अलावा अन्य सभी दलों के नेता अपने आप को तीसरा मोर्चा कलवाना पसंद करते हैं। हालांकि तीसरे मोर्चे के दलों में भी आपस में सामंजस्य नहीं है। वे एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव से पहले यह प्रदेश में सत्ता बनाने के बड़े-बड़े दावे करते रहे हैं। चुनावी मैदान में उनकी स्थिति को देखकर उस लंगड़े घोड़े की याद आती है जो रेस में तो शामिल हो जाता है मगर कभी जीत नहीं पता है। आज वैसे ही स्थिति राजस्थान में तीसरे मोर्चे की हो रही है। आज भी तीसरे मोर्चे के दलों के नेता एक दूसरे की टांग खिंचाई करने से नहीं चूक रहे हैं। जो उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बनकर उभर रही है।

भाजपा को राजस्थान में जादुई करिश्मे की आस, मुकाबला है बेहद कड़ा

शशिधर पाठक

विपक्ष के नेताओं से बात कीजिए तो उन्हें भाजपा के लिए एकमात्र उम्मीद राजस्थान में दिखाई देती है, लेकिन वह भी बहुत कड़े और नजदीकी मुकाबले में। भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय हों या गोपाल कृष्ण अग्रवाल, संबित पात्रा जैसे नेता डंके की चोट पर कहते हैं कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत लाएगी। भाजपा प्रवक्ता मध्यप्रदेश में भी पार्टी की जीत की उम्मीद जताते हैं, जबकि कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि भाजपा की छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी हार तय है। कांग्रेस के नेता महेंद्र जोशी कहते हैं कि भाजपा के कुछ अच्छे

नतीजे आए, तो वह राजस्थान में ही संभव है। शेष चार राज्यों में उसे अगले पांच साल बाद किस्मत दांव पर लगानी होगी। तृणमूल कांग्रेस की सुष्मिता देव को भी यही दिखाई दे रहा है। हालांकि सुष्मिता कहती हैं कि वसुंधरा राजे को किनारे रखकर भाजपा ने पहले ही अपनी हार तय कर ली है। अब बचा ही क्या है? मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बारे में कहती हैं कि वहां तो भाजपा को हार मिलनी ही है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में समय बिताकर आए भाजपा के नेता ने कहा कि वह बोलने के लिए अधिकृत नहीं है, इसलिए बयान नहीं दे सकते। लेकिन इतना जरूर कहते हैं कि भाजपा की हार का सपना देखने वालों को मतगणना की तारीख का इंतजार करना चाहिए। वह कहते हैं कि भाजपा ने छत्तीसगढ़ में मुकाबले की लड़ाई लड़ी है। मध्यप्रदेश में भी बंपर मतदान के बाद पासा पलट चुका है। भाजपा की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय का भी यही दावा है। वह 135 सीटें जीतने की भविष्यवाणी कर रहे हैं। गोपाल कृष्ण अग्रवाल के मुताबिक नोएडा और दिल्ली में बैठकर भोपाल, रायपुर, जयपुर की फिजां का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। भाजपा चुनाव के बाद स्पष्ट बहुमत के साथ तीनों राज्यों में बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। अग्रवाल कहते हैं कि हम राजस्थान में सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी राज्य में सभी दिग्गजों, प्रभावी चेहरों को आगे करके प्रधानमंत्री के विजन पर चुनाव लड़ रही है। पार्टी वसुंधरा राजे से बड़ी है। वसुंधरा को लेकर बनाया जा रहा हौवा तो केवल मीडिया की देन है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि राजस्थान में स्पष्ट बहुमत आने के तीन बड़े कारण हैं। पहला तो यह कि चुनाव में कांग्रेस के पास चेहरा है। भाजपा बिना मुख्यमंत्री के चेहरे के चुनाव लड़ रही है। दूसरा बड़ा कारण है कि प्रधानमंत्री के पास विक्टिम कार्ड के अलावा गिनाने के लिए कुछ नहीं है। वह हर जनसभा में एक ही तरह की बात दोहराते हैं। जबकि नड्डा और अमित शाह की जनसभा में कुर्सियां खाली नज़र आ रही हैं। तीसरा बड़ा कारण है कि कांग्रेस पूरी तरह से एकजुट होकर चुनाव लड़ रही है। तृणमूल कांग्रेस की नेता सुष्मिता देव कहती हैं कि भाजपा की हालत खराब है। इसका सबसे बड़ा संकेत छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में पिछले पांच साल में कोई चेहरा न दे पाना है। तीनों राज्यों में पार्टी अपने जिन नेताओं को पीछे धकेलने का संकेत दे रही थी, उनमें से दो में मतदान का समय आने से पहले उसे उन्हीं चेहरों को महत्व देना पड़ा। मुझे लग रहा है कि ऐसा ही राजस्थान में भी करना पड़ सकता है। राजनीतिक रूप से देखिएगा, तो इसका कांग्रेस को फायदा होने की उम्मीद है। वैसे भी मतगणना की तारीख में ज्यादा समय नहीं बचा है।

तेलंगाना में मुख्यमंत्री के सामने मुख्यमंत्री पद का दावेदार

यशोधन शर्मा

तेलंगाना की हॉट सीटों में एक कामारेड्डी सीट भी है। बीआरएस के मुखिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव यहां से चुनावी मैदान में हैं। उनके सामने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी हैं। उन्हें कांग्रेस से मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना जा रहा है। भाजपा के प्रत्याशी वेंकट रमन रेड्डी भी मुकाबले को रोचक बनाए हुए हैं। पिछले चुनाव में यहां से बीआरएस के गंपा गोर्वधन 67 हजार 900 वोटर पाकर जीते थे। कांग्रेस के मो. शब्बीर को 63 हजार तो भाजपा के वेंकट रमन रेड्डी को लगभग 15 हजार वोट मिले थे। मुकाबला त्रिकोणीय बना हुआ है। नागपुर हाईवे पर हैदराबाद से 80 किमी की दूरी पर कामारेड्डी के रास्ते में धान सुखाते किसान भी मिलते हैं। रास्ते में पड़ने वाली मेरचल सीट में दुकानदार सत्यनारायण प्रदेश सरकार से खुश हैं। उनका कहना है कि गांव और किसानों के लिए अनेक योजनाएं चलाई गई हैं तो फिर वोटर मन क्यों बदले। सड़क किनारे धान सुखा रहे बुधराम के हिसाब से प्रदेश सरकार ने काम अच्छा किया है। कामारेड्डी शहर साफ-सुथरा दिखाई देता है। यहीं हार्डवेयर की दुकान पर बैठे बंटी पटेल कहते हैं कि शहर में भाजपा के वोटर अच्छी खासी संख्या में हैं। हालांकि वह खुद के गुजराती होने को इसका कारण भी बताते हैं। कुछ दूरी पर ही मोबाइल की दुकान चलाने वाले विशाल दावा करते हैं कि कामारेड्डी में भाजपा का अच्छा दखल है। उधर, बिजली कर्मचारी राजू कहते हैं कि यहां सभी प्यार मोहब्बत से रहते हैं। उनके अनुसार, कांग्रेस आ सकती है। केसीआर और रेवंत रेड्डी के बीच मुख्य मुकाबला है। शहर के पास चिंगमल्ला रेड्डी गांव में रेवंत के रोड शो में मुस्लिम महिलाओं की संख्या भी अच्छी खासी रही। रोड शो में नाच रहे बिलाल कहते हैं कि अब बदलाव की उम्मीद है। केसीआर के बेटे और आईटी मंत्री केटी रामाराव भी छोटी-छोटी सभाएं कर रहे हैं। रेवंत के लिए राहुल-प्रियंका के आने की उम्मीद है। बांसवाड़ा के आउटर पर दुकानदार अल्ताफ कहते हैं कि यहां सांप्रदायिक एजेंडा नहीं है। काफी विकास हुआ है तो फिर वोट भी उसी को देंगे। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने शादी में अनुदान दिया, मौत पर सहायता की और बच्चा होने पर पूरी देखभाल का काम भी सरकार करती है। भाजपा के वेंकट रमन रेड्डी को स्थानीय होने का लाभ मिल रहा है। वह समाज सेवा में काफी सक्रिय हैं। भाजपा यही प्रचार कर रही है कि दोनों नामी उम्मीदवार दूसरी सीटों से भी चुनाव लड़ रहे हैं। एक ग्रामीण कहते हैं, बड़े लोग जीतकर चले जाते हैं लेकिन काम तो अपने लोग ही आते हैं। भाजपा प्रत्याशी वेंकट रेड्डी गांव के धार्मिक कार्यक्रमों के साथ अन्य सभी आयोजनों में जाते हैं।

2024 चुनाव में राजनीतिक पार्टियों का मिशन विजय

अभिनय आकाश

तीन राज्यों में चुनाव ख़त्म हो चुका है और अगले 10 दिनों में दो और राज्यों में मतदान होना है। विधानसभा चुनावों का अभियान दो मुद्दों ध्रुवीकरण और कल्याण की राजनीति पर केंद्रित रहा। यदि शहरी क्षेत्रों में ध्रुवीकरण पार्टियों के लिए काम कर रहा है, तो ग्रामीण इलाकों में कल्याणकारी पहलों का बोलबाला रहा है। भाजपा छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सत्ता हासिल करने, मध्य प्रदेश में इसे बरकरार रखने और दक्षिणी तेलंगाना में एक महत्वपूर्ण चुनावी ताकत के रूप में उभरने की कोशिश कर रही है। विपक्ष की आशाजनक योजनाओं को लेकर उत्साहित है जिसे पहले उसने रेवड़ी कहकर खारिज कर दिया था। पांचवें राज्य मिजोरम में भाजपा हाशिये पर है।

योजनाओं पर यह जोर विशेष रूप से मध्य प्रदेश के लिए सच है, जहां उनकी महिला-उन्मुख घोषणाएं चार बार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मुख्य उम्मीद हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गारंटी देने के कांग्रेस के विचार को चुराने का भी आरोप लगाया है जो कर्नाटक में कांग्रेस की जीत का एक बड़ा कारक था। छत्तीसगढ़ में जहां अभियान भाजपा और कांग्रेस दोनों तरफ से हिंदुत्व के मुद्दों के आसपास घूमता रहा। भाजपा ने 7 नवंबर को पहले चरण के मतदान से ठीक चार दिन पहले कई वादे किए- जिसमें गरीब परिवारों के लिए 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर और 500 रुपये, विवाहित महिलाओं को 12,000 प्रति वर्ष की वित्तीय सहायता शामिल हैं। पार्टी सूत्रों का दावा है कि वादों पर तत्काल सकारात्मक प्रतिक्रिया हुई है, जिससे राज्य में भाजपा फिर से विवाद में आ गई है।

इसका एक संकेत कांग्रेस और उसके पूर्ण आत्मविश्वास वाले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की प्रतिक्रिया थी, जिन्होंने भाजपा की घोषणाओं के एक सप्ताह के भीतर कहा था कि अगर कांग्रेस

सरकार सत्ता में वापस आती है तो सभी महिलाओं को 15,000 रुपये प्रति वर्ष देगी। भाजपा के सामने कर्नाटक का उदाहरण है, जहां उसका अभियान लगातार बजरंग बली की बात कर कांग्रेस की गति को रोक नहीं सका, जो विभाजनकारी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने सहित अपने चुनावी वादों पर सवार थी। भाजपा नेताओं का कहना है कि उनकी गणना यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी के अंतिम-मोड़ के आक्रामक अभियान ने कांग्रेस के बजाय जद (एस) के वोट ले लिए।

ऐसा नहीं है कि हिंदुत्व के मुद्दे इस बार चर्चा से बाहर हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश के राघौगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि क्या आप राम लला के दर्शन करना चाहते हैं या नहीं? आप खर्चों की चिंता न करें। भाजपा को वोट दें और पार्टी की सरकार आपको अयोध्या में राम लला के दर्शन मुफ्त में करने में मदद करेगी। छत्तीसगढ़ में उन्होंने बताया कि कैसे राज्य भगवान राम का ननिहाल था, माना जाता है कि कौशल्या का जन्म वहीं हुआ था। शाह याद दिलाते रहे कि पीएम मोदी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन करेंगे और कहा कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आती है तो राम लला दर्शन योजना शुरू करेगी। बघेल सरकार के पास एक राम वन गमन पथ परियोजना है, जिसके बारे में कहा जाता है कि राम ने वनवास के दौरान इसी मार्ग का अनुसरण किया था।

राजस्थान में भाजपा ने 450 रुपये में एलपीजी सिलेंडर और 12वीं कक्षा की मेधावी लड़कियों के लिए मुफ्त स्कूटी का वादा किया है। लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत, सरकार ने कहा है कि भाजपा सरकार एक बालिका के लिए 2 लाख रुपये का बचत बांड स्थापित करेगी। तेलंगाना में भी बीजेपी ने अयोध्या की मुफ्त यात्रा का वादा किया है। मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस के अघोषित सीएम उम्मीदवार कमल नाथ इस मुद्दे पर भाजपा को किसी भी लाभ से वंचित करने के लिए हिंदुत्व की बारिक रेखा पर चल रहे हैं। कमल नाथ, जिन्होंने राम वन गमन पथ परियोजना की भी घोषणा की थी, जो बाद में उनकी सरकार गिरने पर रुक गई थी, ने कहा कि अगर सत्ता में वोट दिया गया, तो कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि श्रीलंका में सीता मंदिर बनाने की परियोजना को पुनर्जीवित किया जाए। कांग्रेस द्वारा अपनी कल्याणकारी राजनीति के साथ हिंदुत्व के मुद्दे पर जुड़ने की इच्छा दिखाने से भाजपा को भी ऐसा करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। विधानसभा चुनाव के मौजूदा दौर से पहले, पार्टी ने हिमाचल प्रदेश में बीपीएल परिवारों में महिलाओं के लिए मुफ्त एलपीजी सिलेंडर और गर्भवती महिलाओं के लिए 25,000 रुपये आदि का वादा किया था।

खत्म नहीं हुई है गहलोत और वसुंधरा की राजनीति

नीरज कुमार दुबे

राजस्थान विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी इस बात के लिए पूरी मेहनत कर रही है कि राज्य में हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज इस बार टूट जाये। वहीं भाजपा का प्रयास है कि हर पांच साल में सरकार बदलने के रिवाज का उसे लाभ हो लेकिन सीटों की संख्या इतनी ज्यादा मिले जिससे यह प्रकट हो सके कि अशोक गहलोत सरकार से जनता कितनी नाराज थी। राजस्थान में रिवाज बदलेगा या राज यह तो तीन दिसंबर को पता चलेगा। लेकिन एक बात तो है कि राजस्थान का चुनावी रण इस बार हाल के कई चुनावों से बदला-बदला नजर आ रहा है।

राजस्थान में अरसे बाद ऐसा हुआ है जब भाजपा और कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह चुनाव से पहले तय नहीं है। लेकिन अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे यह मान कर बैठे हैं कि मुख्यमंत्री पद घूम फिरकर उनके पास आना ही है। कांग्रेस की ही बात करें तो अशोक गहलोत स्पष्ट कर चुके हैं कि वह तो मुख्यमंत्री पद छोड़ना चाहते हैं लेकिन यह पद उन्हें नहीं छोड़ता। यानि मतलब साफ है कि गहलोत मुख्यमंत्री पद की दौड़ में बने हुए हैं। वहीं सचिन पायलट कह रहे हैं कि उनके सारे मुद्दे कांग्रेस आलाकमान ने सुलझा दिये हैं। इससे यह प्रतीत होता है कि उन्हें यह आश्वासन मिल गया है कि यदि कांग्रेस की सरकार दोबारा बनती है तो मुख्यमंत्री पद उन्हें ही मिलेगा। टिकट वितरण के दौरान भी जिस तरह गहलोत समर्थकों की बजाय सचिन खेमे के लोगों को तरजीह दी गयी उससे भी भविष्य के संकेत मिल गये थे लेकिन गहलोत फिलहाल सबकुछ चुपचाप देख रहे हैं क्योंकि वह जानते हैं कि उन्हें कब कौन-सा कदम उठाना है।

दूसरी ओर भाजपा की बात करें तो 2003 के बाद यह राजस्थान का पहला विधानसभा चुनाव है जिसमें भाजपा का नेतृत्व वसुंधरा राजे नहीं कर रही हैं। वसुंधरा राजे का नाम भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची में नहीं आना, परिवर्तन यात्राओं का नेतृत्व उन्हें नहीं दिया जाना, वसुंधरा समर्थक नेताओं कैलाश मेघवाल और युनूस खान जैसे वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटना तथा वसुंधरा समर्थक कुछ विधायकों की सीटों में परिवर्तन कर भाजपा नेतृत्व ने संकेत दे दिया था कि मुख्यमंत्री की कुर्सी वसुंधरा राजे से दूर हो गयी है। यही नहीं, भाजपा की पहली सूची आने के बाद जिस तरह वसुंधरा राजे को खुद का टिकट हासिल करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी और एक जनसभा में अपनी रिटायरमेंट की बात तक कहनी पड़ी, वह दर्शाता है कि अपने राजनीतिक भविष्य का वसुंधरा राजे को अहसास हो चुका है लेकिन वह हार मानने के लिए कतई तैयार नहीं हैं।

देखा जाये तो राजस्थान की राजनीति के दिग्गज खिलाड़ी अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर माना जाता है तो दूसरी ओर वसुंधरा राजे के बारे में कहा जाता है कि भाजपा में आखिरकार वही होता है जो महारानी चाहती हैं। अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भले हों लेकिन दोनों को अच्छा मित्र भी माना जाता है। चुनाव के दौरान दोनों भले एक दूसरे पर निशाना साधें और भ्रष्टाचार के तमाम आरोप लगायें लेकिन अपने मुख्यमंत्रित्वकाल के दौरान दोनों एक दूसरे के खिलाफ कोई जांच नहीं कराते। यही नहीं, जब

वसुंधरा विपक्ष में हों तब वह सुनिश्चित करती हैं कि उनकी पार्टी की वजह से गहलोत की मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कोई संकट नहीं आये। यही काम गहलोत विपक्ष में रहने के दौरान करते हैं। पिछले दिनों अशोक गहलोत ने खुद बताया था कि जब सचिन पायलट ने बगावत की थी तो वसुंधरा राजे ने भाजपा की ओर से उनकी सरकार गिराने की कोशिशों का विरोध किया था।

अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे की राजनीतिक शख्सियत की बात करें तो दोनों नेताओं के आगे उनकी पार्टी का आलाकमान अब तक नतमस्तक होता रहा है। अशोक गहलोत का प्रभाव तब देखने को मिला था जब उन्होंने सचिन पायलट का साथ दे रहे कांग्रेस आलाकमान के समक्ष अपनी ताकत का खुलकर इजहार किया था। कांग्रेस के तत्कालीन केंद्रीय पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खरगे और अजय माकन मुख्यमंत्री निवास पर पार्टी विधायक दल की बैठक होने का इंतजार करते रह गये और बैठक कहीं और हो गयी थी। यही नहीं अशोक गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की बजाय राजस्थान का मुख्यमंत्री बने रहने को तवज्जो देकर गांधी परिवार को सकते में डाल दिया था। वहीं राजस्थान भाजपा में भी 2003 से वही होता रहा है जो वसुंधरा राजे चाहती रही हैं। वसुंधरा राजे के खिलाफ पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत और पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह जैसे दिग्गजों ने भी अभियान चलाया था लेकिन उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाये थे। किरोड़ी लाल मीणा और घनश्याम तिवाड़ी जैसे नेता वसुंधरा विरोध में भाजपा छोड़ गये लेकिन फिर वापस पार्टी में लौटना ही पड़ा। देखा जाये तो चाहे नेता प्रतिपक्ष का पद हो, मुख्यमंत्री पद हो, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद हो... भाजपा को आखिरकार वसुंधरा राजे की ही बात माननी पड़ती थी लेकिन अब हालात बदल चुके हैं।

बहरहाल, चाहे गहलोत हों या वसुंधरा, दोनों ही नेताओं की राजनीति को अभी खत्म नहीं समझा जा सकता। दोनों ही राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी हैं। दोनों ही नेता चुनावों की वजह से अभी ज्यादा बोल नहीं रहे हैं और आक्रामक तेवर नहीं दिखा रहे हैं लेकिन दोनों ही नेता जानते हैं कि अपनी अपनी पार्टी को जीत मिलने की स्थिति में मुख्यमंत्री पद तक कैसे पहुँचना है। दोनों ही नेता इसके लिए जमीनी स्तर पर काम भी कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि राजस्थान विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे की मुश्किल उतनी नहीं बढ़ा रहे हैं जितनी मुश्किल इन दोनों ही पार्टियों के बागी नेता, अधिकृत उम्मीदवारों की बढ़ा रहे हैं। माना जा रहा है कि भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ बागी उम्मीदवारों को खड़ा करने के पीछे कहीं ना कहीं अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे का ही हाथ है। दोनों नेताओं की रणनीति यह है कि उनकी पार्टी स्पष्ट बहुमत हासिल करने से कुछ पीछे रह जायें। यदि ऐसी स्थिति बनती है तो वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत को अपना राजनीतिक कौशल दिखाने का मौका एक बार फिर मिलेगा और अब सिर्फ यही वह रास्ता है जो उन्हें मुख्यमंत्री पद तक पहुँचा सकता है। देखना होगा कि वसुधंरा और गहलोत की यह आस पूरी होती है या फिर राजस्थान की जनता स्पष्ट बहुमत वाला जनादेश देती है। फिलहाल तो गहलोत और वसुंधरा का पूरा जोर अपनी अपनी सीट जीत कर विधानसभा पहुँचने पर लगा हुआ है।

'मैंने सोचा था उसे बेडरूम में ले जाऊंगा'; 'लियो' एक्टर का तृषा कृष्णन पर विवादित बयान, एक्ट्रेस ने बताया घटिया आदमी

साउथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं। कृष्णन अचानक तब सुर्खियों में आई जब उनके को-एक्टर मंसूर अली खान ने उनको लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की। एक्टर का बयान सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बयान वायरल होते ही लोग मंसूर अली को खूब खरी-खोटी सुना रहे हैं। वहीं अब तृषा ने लियो के को-स्टार के स्टेटमेंट पर रिएक्ट किया है और कभी दोबारा उनके साथ ना करने की बात कही है। अपनी इस रिपोर्ट में हम आपको बताते हैं कि आखिर मंसूर अली ने क्या कहा था और तृषा ने उनके जवाब में क्या कुछ कहा।

तृषा ने क्या कहा

तृषा ने ट्वीट करते हुए लिखा कि "हाल ही में मेरे ध्यान में एक वीडियो आया है, जहां मिस्टर मंसूर अली खान मेरे बारे में काफी गलत तरीके से बात करते हुए दिख रहे हैं। मैं इसकी निंदा करती हूं और इसे सेक्सिस्ट, अपमानजनक और स्त्रियों के खिलाफ मानती हूं। वो मेरे साथ काम करने की उम्मीद करते रह सकते हैं, लेकिन यह मेरी खुशकिस्मती रही है कि मैंने उनके जैसे नीच आदमी के साथ कभी काम नहीं किया है और कोशिश करुंगी कि भविष्य में भी ना करूँ। उनके जैसे लोग मानवता पर दाग हैं।"

मंसूर अली खान ने क्या कहा था

मंसूर अली ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि "मुझे जब मालूम हुआ कि मैं तृषा के साथ काम कर रहा हूँ तो मुझे लगा कि यह एक बेडरूम सीन होगा। मुझे लगा कि मैं फिल्म में तृषा को उठाकर बेडरूम में ले जाऊंगा जैसा मैंने और भी कई अभिनेत्रियों के साथ पहले फिल्मों में किया है। मैंने पहले भी कई रेप सीन किए हैं और मेरे लिए यह कोई नई बात नहीं है। लेकिन, इन लोगों ने कश्मीर में शूटिंग के दौरान मुझे तृषा को देखने तक नहीं दिया।"

लोकेश कंगराज ने क निंदा

वहीं फिल्म डायरेक्टर लोकेश कंगराज ने मंसूर की आलोचना की। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि "मैं मंसूर अली खान के बयान से आहत और क्रुद्ध हूँ। हमने एक ही टीम में काम किया है। किसी भी उद्योग में महिलाओं और साथ में काम करने वालों के लिए सम्मान आवश्यक है। मैं इस रवैये की निंदा करता हूं।"

बीजेपी नेता ने उठाया मुद्दा

बीजेपी नेता और एनसीडब्ल्यू सदस्य खुशबू सुंदर ने भी मंसूर अली द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणी के लेकर कहा कि "मैंने पहले ही अपने वरिष्ठ के साथ मंसूर अली खान का मुद्दा उठाया है और इस पर कार्रवाई करूंगी। ऐसे गंदे दिमाग से कोई बच नहीं सकता। मैं तृषा कृष्णन और मेरे अन्य सहयोगियों के साथ खड़ी हूं। जब हम महिलाओं की सुरक्षा और उन्हें सम्मान दिलाने के लिए पूरी ताकत से लड़ रहे हैं, तो ऐसे पुरुष हमारे समाज में एक गंद की तरह मौजूद रहते हैं।"

भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए माधुरी दीक्षित को विशेष सम्मान, अनुराग ठाकुर ने साझा किया पोस्ट

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित को 54वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक्स पर पोस्ट साझा कर यह जानकारी दी है। इसमें लिखा है, 'आज हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि प्रतिभाशाली और करिश्माई अभिनेत्री माधुरी दीक्षित को भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया जा रहा है।

शुरू हो गया समारोह

भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के 54वें संस्करण की शुरुआत आज से गोवा के पणजी में श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में हो रही है। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर नुसरत भरूचा, श्रेया घोषाल, सुखविंदर सिंह, माधुरी दीक्षित, शाहिद कपूर, श्रेया सरन सरीखे सितारे समारोह के उद्घाटन में मौजूद रहेंगे और अपनी प्रस्तुति देंगे।

छठ पूजा के समय ऐसे कपड़े पहन तस्वीरें शेयर करने पर ट्रोल हुईं भोजपुरी एक्ट्रेस, लोगों ने कहा- 'कुछ तो शर्म कर लो...'

वहीं हर साल की तरफ इस बार भी भोजपुरी स्टार्स ने बढ़-चढ़कर छठ पूजा को सेलिब्रेट किया. लेकिन भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक ने कुछ ऐसा कर दिया कि अब वह सुर्खियों में बनी हुई हैं.

छठ के पावन पर्व पर नेहा मलिक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो खूब सुर्खियों में बनी हुई हैं.

तस्वीरों में नेहा का काफी बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है. ब्लैक कलर के डीपनेक ड्रेस में एक्ट्रेस ने कैमरा के साथ जमकर पोज दिया है.

वहीं कई लोगों ने एक्ट्रेस के इस लुक की जमकर तारीफ की. तो कुछ यूजर्स को छठ पूजा के मौके पर ऐसी तस्वीर शेयर करना पसंद नहीं आया.

लेकिन शायद लोगों को उनका ये अंदाज पसंद नहीं आया और उन्हें जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया. वहीं अब उनके इस पोस्ट पर कमेंट्स की बाढ आ गई है. किसी एक यूजर ने कमेंट में लिखा कि 'कुछ तो शर्म कर लो...'

भोजपुरी इंडस्ट्री ने अपने करियर की शुरुआत कपने वाली नेहा पंजाबी मूवीज और म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं.

बिना हेलमेट-लाइसेंस के सुपर बाइक चलाने पर धनुष के बेटे यात्रा को पुलिस ने पकड़ा, लगा जुर्माना

साउथ सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपनी फिल्म 'कैप्टन मिलर' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इसके साथ ही अभिनेता बैक-टू-बैक प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। प्रोफेशनल फ्रंट के अलावा अभिनेता हाल ही में निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में आ गए हैं। अभिनेता का बड़ा बेटा मुश्किल में फंस गया था। दरअसल, धनुष के बड़े बेटे यात्रा राजा को चेन्नई पुलिस ने बिना हेलमेट और लाइसेंस के सुपर बाइक चलाते हुए पकड़ा, जिसके बाद उनका चालान काटा गया।

यात्रा पर लगा जुर्माना

धनुष के बड़े यात्रा राजा को चेन्नई पुलिस ने बिना हेलमेट और लाइसेंस के सुपर बाइक चलाते हुए पकड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 17 साल के लड़के पर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो में यात्रा को चेन्नई के पोएस गार्डन इलाके में एक गाइड के साथ सुपर बाइक चलाते हुए देखा गया। हालांकि, वीडियो में वह मास्क में दिख रहे हैं, लेकिन उनकी पहचान की पुष्टि उनकी मां ऐश्वर्या रजनीकांत ने की।

धनुष और ऐश्वर्या का बेटा है यात्रा

बता दें कि ऐश्वर्या मेगास्टार रजनीकांत की बड़ी बेटी हैं। पिछले साल जनवरी 2022 में धनुष और ऐश्वर्या ने शादी के 18 साल बाद अलग होने की घोषणा की थी। यात्रा का एक भाई लिंगा भी है, जो 13 साल का है।

गोविंदा और डेविड धवन के बीच वर्षों बाद दूर हुई कड़वाहट, अभिनेता ने खुद किया खुलासा

बॉलीवुड के हीरो नंबर वन गोविंदा और डेविड धवन के बीच सब कुछ ठीक हो गया है। दोनों ने साथ में मिलकर कुली नंबर 1, हीरो नंबर 1, बड़े मियां छोटे मियां, दीवाना मस्ताना और हसीना मान जाएगी जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। निर्माता रमेश तुरानी की दिवाली पार्टी में फिर से मिले और इस बात का संकेत दिया कि उन्होंने सुलह कर ली है। अपने मुद्दों को सुलझाने के बाद दोनों दूसरी बार इस दिवाली पार्टी में मिले थे।

गोविंदा ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, 'मुझे खुशी है कि लोगों को अब भी लगता है कि हमें साथ मिलकर काम करना चाहिए। ये उनका प्यार है। हमारा पैच-अप पहले ही हो चुका था। यह हमारी दूसरी मुलाकात थी। यह दिवाली पार्टी थी, जहां हमने अच्छा खाना खाया और अच्छा समय बिताया। हम अतीत को याद करने में विश्वास नहीं करते। इस पर विचार क्यों? यह जरूरी नहीं है। जो बीत गई सो बात गई। हमने फिल्मी बातचीत को प्राथमिकता नहीं थी, लेकिन जब ऐसा हुआ, तो हमने केवल सुखद यादों के बारे में बात की और वे बहुत सारी थीं। '

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में दिवाली से पहले गोविंदा ने डेविड धवन के एक तस्वीर साझा की थी। इसके साथ उन्होंने लिखा था, '80 और 90 के दशक में मेरी दो बीवियां थीं। एक सुनीता और एक डेविड।'

साथ में लाल दिल वाला इमोजी साझा किया।

बॉलीवुड पार्टियों में अपनी अनुपस्थिति के बारे में बात करते हुए गोविंदा ने कहा, 'मैं 19-20 साल बाद किसी इंडस्ट्री पार्टी के लिए निकला क्योंकि यह एक इंडस्ट्री पार्टी थी न कि कोई ग्रुप पार्टी। रमेश तौरानी एक अच्छे इंसान हैं। पिछले कुछ वर्षों में, बॉलीवुड पार्टियां समूह पार्टियां बन गई हैं और आप अगर एक समूह से संबंधित नहीं हैं, तो आपको आमंत्रित नहीं किया जाता है।'

उन्होंने कहा, 'मैं बिल्कुल भी असामाजिक नहीं हूं, और मैं ग्रुप बनाने में विश्वास नहीं करता। उस समय लोग कहते थे कि गोविंदा, शक्ति कपूर, करिश्मा कपूर और डेविड धवन एक ग्रुप हैं।

मैं उससे भी सहमत नहीं था। हम सभी कलाकार हैं जिन्होंने एक साथ काम किया है।' बता दें कि वर्ष 2019 में अभिनेता ने अपने और निर्देशक डेविड धवन के बीच क्यों अनबन हुई, इसपर भी बात की थी।

गदर 2 के आधे पर सिमटी 'टाइगर 3' दूसरा हफ्ता चलना सबसे बड़ी चुनौती

किसी फिल्म फ्रेंचाइजी की कामयाबी का असली मजा तभी आता है जब इसकी नई फिल्म अपनी पिछली फिल्म से बेहतर कारोबार करे और इसके प्रशंसकों को अगली फिल्म के लिए एक नया उत्साह छोड़ जाए। यशराज फिल्म्स की दिवाली के दिन रिलीज हुई फिल्म 'टाइगर 3' इस मामले में दर्शकों की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी है। यशराज फिल्म्स की जासूसी दुनिया की पिछली फिल्म 'पठान' के आंकड़ों के तो ये पहले हफ्ते में आसपास भी नहीं पहुंची, टाइगर की सोलो फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्म 'टाइगर जिंदा है' के छह साल पहले कलेक्शन को भी ये बहुत मुश्किल से मैच कर पाई है। अब 'टाइगर 3' के सामने दूसरे हफ्ते की बड़ी चुनौती है कि वह न सिर्फ 'टाइगर जिंदा है' के दूसरे हफ्ते के कलेक्शन को पार करे बल्कि इस साल की तीनों ब्लॉकबस्टर की तरह कम से कम 300 करोड़ का कारोबार दूसरे हफ्ते में पार करे।

आठवें दिन बमुश्किल कमाए 10 करोड़

दिवाली के दिन रिलीज हुई फिल्म 'टाइगर 3' ने रिलीज के पहले सात दिनों में करीब 219.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। रिलीज के आठवें दिन यानी दूसरे रविवार को फिल्म का कलेक्शन बहुत मशक्कत के बाद 10 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर पाया। आशंका व्यक्त की जा रही है कि ये फिल्म रिलीज के नौवें दिन ही 10 करोड़ रूपये के मनोवैज्ञानिक आंकड़े के नीचे आ जाएगी। फिल्म ने रिलीज के पहले आठ दिनों में 229.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया है और ये फिल्म की लागत और इसके प्रचार पर हुए खर्च के अनुपात में बस संतोषजन कलेक्शन नहीं है।

'टाइगर 2' से पीछे रही फिल्म

अगर इस फिल्म की टाइगर फ्रेंचाइजी की सात साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'टाइगर जिंदा है' से तुलना करें और बीते सात साल में हुए रुपये के अवमूल्यन को ध्यान में रखे तो 'टाइगर 3' के पहले सात दिनों के कलेक्शन की सच्ची तस्वीर सामने आती है। 'टाइगर जिंदा है' ने रिलीज के पहले सात दिनों में 206.04 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिल्म ने रिलीज के आठवें दिन 11.56 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जबकि 'टाइगर 3' का आठवें दिन का कारोबार सिर्फ 10.25 करोड़ रुपये ही रहा। फिल्म 'टाइगर जिंदा है' ने रिलीज के दूसरे हफ्ते में 85.51 करोड़ रुपये कमाए थे।

'पठान' से बहुत पीछे छूटा टाइगर

इस साल रिलीज हुई यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स की चौथी फिल्म 'पठान' ने जो पैमाना इस जासूसी दुनिया का तय किया, उसके तो 'टाइगर 3' आसपास भी नहीं पहुंची है। शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम स्टारर फिल्म 'पठान' ने रिलीज के पहले सात दिनों में 330.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म का हाइप ऐसा था कि इसने रिलीज के आठवे दिन भी 18.25 करोड़ रुपये कमा लिए। फिल्म 'पठान' की कमाई दूसरे हफ्ते में 94.75 करोड़ रुपये रही थी।

'जवान' अब भी नंबर वन

और अब बात इस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' की। शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण, नयनतारा और विजय सेतुपति स्टारर इस फिल्म ने रिलीज के पहले सात दिनों में 368.28 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म का आठवें दिन का कलेक्शन रहा था 21.60 करोड़ रुपये और इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे हफ्ते में 'गदर 2' के दूसरे हफ्ते के कलेक्शन को पीछे छोड़ते हुए 136.10 करोड़ रुपये कमा लिए थे। फिल्म 'टाइगर 3' के सामने पहली चुनौती तो अपनी ही पिछली फ्रेंचाइजी फिल्म 'टाइगर जिंदा है' के दूसरे हफ्ते के कलेक्शन को पार करने की है। इसके बाद फिल्म 'पठान' का पैमाना उसके सामने है। फिल्म 'गदर 2' और 'पठान' का दूसरे हफ्ते का कलेक्शन पीछे छोड़ पाना तो फिल्म 'टाइगर 3' के लिए आसमान से तारे तोड़ लाने जैसा होगा।

'द बंकिघम मर्डर्स' के बाद हॉलीवुड जाने की तैयारी में हैं करीना कपूर ? अभिनेत्री ने बताई सच्चाई

'जाने जां' से ओटीटी की दुनिया में कदम रखने के बाद करीना कपूर अब अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। जल्द ही वह रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' और फिल्म 'द बंकिघम मर्डर्स' में नजर आएंगी। बता दें कि 'द बकिंघम मर्डर्स' की 80 फीसदी शूटिंग अंग्रेजी में और 20 फीसदी शूटिंग हिंदी में हुई है। इस बीच यह खबर तैरने लगी है कि करीना कपूर हॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी में हैं। इसकी सच्चाई से खुद करीना ने पर्दा उठाया है।

हॉलीवुड जाने का नहीं इरादा

हाल ही में करीना ने अपनी आगामी फिल्म और करियर पर बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि वह हॉलीवुड का रुख करना चाहती हैं या नहीं। एक इंटरव्यू में करीना से पूछा गया कि क्या 'द बंकिघम मर्डर्स' हॉलीवुड की दिशा में उनका अगला कदम है? इस पर अभिनेत्री ने कहा, 'जब हंसल मेहता ने मुझसे इसके लिए संपर्क किया तो मैं तुरंत इसका हिस्सा बन गई'।

बतौर निर्माता किया आगाज

बेबो ने आगे कहा, 'यह कुछ ऐसा है, जो मैंने पहले नहीं किया था। मैं इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैंने हॉलीवुड जाने के इरादे से यह फिल्म नहीं की'। बता दें कि 'द बंकिघम मर्डर्स' इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए करीना ने बतौर निर्माता भी अपनी शुरुआत की है। फिल्म में उनके साथ ऐश टंडन, रणवीर बराड़ और कीथ एलन जैसे दमदार कलाकार हैं।

अपने किरदार को लेकर उत्साहित बेबो

'द बंकिघम मर्डर्स' का निर्देशन हंसल मेहता ने किया है। इसकी कहानी असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखी है। शोभा कपूर, एकता कपूर और करीना के साथ मिलकर बालाजी टेलीफिल्म्स और टीबीएम फिल्म्स ने इस फिल्म का निर्माण किया है। इसे लेकर करीना ने आगे कहा, 'मैं एक कलाकार के रूप में कुछ अलग करना चाहती थी, इसलिए मैंने इस फिल्म के लिए हां की। बड़ी वजह थी कि मैं सीरीज 'मारे ऑफ ईस्ट टाउन' से बेहद प्रभावित थी'। फिल्म में करीना का किरदार 'मारे ऑफ ईस्ट टाउन' में केट विंसलेट की भूमिका से प्रेरित है। इसमें करीना एक जासूस पुलिसवाली की भूमिका में दिखेंगी।

पारिवारिक परिशानियों से जूझ रही हैं अनुप्रिया गोयनका, अभिनेत्री ने निजी जीवन पर की खुलकर बात

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका 'टाइगर जिंदा है', 'पद्मावत' और 'वॉर' जैसी बड़ी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने पसंदीदा कोट्स में एक के बारे में बात करते हुए कहा कि एक महिला टूटी हुई नहीं है, बल्कि वह जो लड़ाई जीती है, उसका एक शानदार उदाहरण है। अनुप्रिया कहना है कि कानपुर से मुंबई में फिल्म उद्योग के स्टारडस्ट तक की उनकी यात्रा बेहद व्यक्तिगत रही है, जहां वह अपने सितारों के साथ चमकी हैं। अभिनेत्री का एक दशक लंबा करियर उतार-चढ़ाव से गुजरा है। उन्होंने कहा कि उनके जीवन ने हमेशा उनके सामने चुनौतियां खड़ी की हैं।

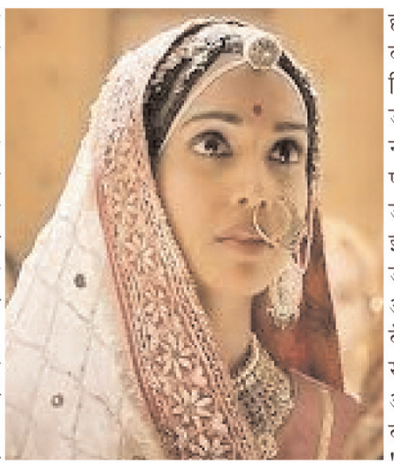

अनुप्रिया गोयनका ने हाल ही में अपने जीवन के बारे में खुलकर बात करते हुए कहा, 'पिछले 10 वर्षों में, जबकि अभिनय मेरी यात्रा का एक बड़ा हिस्सा रहा है और मैंने इसे अपने दम पर बनाया है, मेरा पारिवारिक जीवन अभी भी उलझा हुआ है।' बता दें कि कानपुर में एक अमीर मारवाड़ी परिवार में जन्मी अनुप्रिया दुनिया की सभी सुख-सुविधाओं की आदी थीं, जब तक वह छह साल की नहीं हो गईं और उन्हें पता चला कि कपड़ों का पारिवारिक व्यवसाय खत्म हो गया है। इसके बाद परिवार रातों-रात 14 कमरों वाले बंगले से दिल्ली में एक कमरे के घर में चला गया था।

आर्थिक तंगी के कारण अनुप्रिया को बड़े होकर पारिवारिक व्यवसाय संभालने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कॉल सेंटर में भी नौकरी की। आखिरी में पारिवारिक व्यवसाय को उन्होंने बंद कर दिया। इसके बाद 19 साल की उम्र में अभिनेत्री को अदालती मामले और बैंक देनदारियों का सामना करना पड़ा। अनुप्रिया गोयनका ने बातचीत के दौरान कहा, 'मेरे कंधों पर अभी भी बहुत कुछ है, मैं आर्थिक, शारीरिक, भावनात्मक रूप से घर की देखभाल करती हूं और सब कुछ करती हूं। कभी-कभी मैं चाहती हूं कि मेरा ध्यान केवल अभिनय पर ही केंद्रित रहे।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'इतने लंबे समय तक इतना कुछ करने, अकेले प्रयास करने से बहुत थकान आ जाती है। मैं अपने एक्टर दोस्त को देखती हूं, जो अपना पूरा ध्यान सिर्फ अभिनय पर केंद्रित करते हैं। इसलिए उनकी सारी खुशी, दुख सब वहीं से आता है। मेरे मामले में, यह अलग है। मैं लगातार अभिनय और अपने पारिवारिक जीवन के बीच जूझती रहती हूं।'

अनुप्रिया गोयनका ने आगे कहा, 'मैंने अपने परिवार में डिप्रेशन को करीब से देखा है। मेरा मानना है कि इससे थकान और थकावट की भावना भी बढ़ती है। मैंने इस क्षेत्र में अपना स्वयं का पीआर बनाने और इसके तरीके को समझने के लिए संघर्ष किया है। मुझे नहीं पता कि यह कैसे करना है, क्योंकि शुरू से ही मैं इसे अकेले ही करने की आदी हूं।'

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार रीजनल रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम परियोजना के लिए फंड आवंटित करने का वादा करने के बाद भी फंड आवंटित नहीं कर रही है। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि दिल्ली सरकार कोर्ट के आदेश का पालन क्यों नहीं कर रही है? हम आपको विज्ञापन के बजट पर रोक लगा देंगे और इसे आरआरटीएस परियोजना के लिए डायवर्ट कर देंगे। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धुलिया ने माना कि दिल्ली सरकार अपने ही वादे का उल्लंघन कर रही है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार के स्टैंड पर नाराजगी जाहिर करते हुए कोर्ट ने दिल्ली सरकार के विज्ञापन के खर्च को परियोजना के लिए ट्रांसफर करने का आदेश दिया। हालांकि कोर्ट ने कहा कि उनका यह आदेश एक हफ्ते तक लंबित रहेगा और अगर इस दौरान सरकार ने बजट आवंटित नहीं किया तो उनका यह आदेश लागू हो जाएगा।

जाति जनगणना देश का 'एक्स-रे' : राहुल गांधी

उदयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को जाति जनगणना का मुद्दा उठाया और इसे देश का 'एक्स-रे' बताते हुए कहा कि अगर राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में आती है तो प्रदेश में जाति जनगणना कराएगी और अगर पार्टी केंद्र में सरकार बनाती है तो राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसा करेगी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने उदयपुर के वल्लभनगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, अगर यह पता ही नहीं है कि किसकी आबादी कितनी है, तो हम भागीदारी के बारे में कैसे बात करेंगे। उन्होंने कहा, ''अगर हम अधिकारों की, भागीदारी की बात कर रहे हैं तो हमें यह तो पता लगाना ही पड़ेगा कि कितने लोग किस जाति, समाज के हैं। इसको हम जाति जनगणना कहते हैं। जाति जनगणना देश का एक्स-रे है। यह करवाना जरूरी है।' उन्होंने कहा कि अगर राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में आती है तो राज्य में जाति जनगणना कराई जाएगी और अगर पार्टी केंद्र में सरकार बनाती है तो राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसा करेगी।

'एक देश-एक चुनाव' राष्ट्रीय हित में : रामनाथ कोविंद

लखनऊ। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की संभावना तलाशने वाली समिति के प्रमुख व पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने देश में सभी चुनाव एक साथ कराने के विचार का समर्थन करते हुए कहा कि इसमें राष्ट्रीय हित है और इसका सबसे बड़ा फायदा आम जनता को होगा। रायबरेली में एक निजी कार्यक्रम में आये पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में 'एक देश-एक चुनाव' का समर्थन करते हुए कहा, इसमें कोई भेदभाव नहीं है। इसमें सबसे बड़ा फायदा आम जनता को होने वाला है क्योंकि जितना राजस्व बचेगा, वह विकास कार्यों में लगाया जा सकता है। कोविंद ने कहा, इस पर बहुत सारी समितियों की रिपोर्ट आयी हैं। संसदीय समिति की रिपोर्ट आयी है, नीति आयोग की रिपोर्ट आयी है। भारत के निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट आयी है और कई समितियों की रिपोर्ट आयी है जिनमें उन्होंने कहा है कि देश में 'एक देश-एक चुनाव' की व्यवस्था लागू होनी चाहिए।

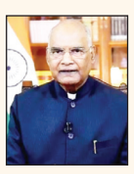

मोदी चुनाव जीतने के लिए पीएम झूठ बोलो योजना चला रहे हैं

जयपुर। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस द्वारा जारी किये गये घोषणापत्र के कुछ ही घंटों बाद प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम मोदी विश्व के एकमात्र ऐसे राष्ट्राध्यक्ष हैं, जो कभी सच नहीं बोल सकते हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को कहा, कांग्रेस जनता से इस आधार पर वोट मांग रही है कि उसने पिछले पांच वर्षों में उनके लिए क्या काम किया और आने वाले पांच वर्षों में क्या करेगी। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा, जबकि पीएम मोदी वोट मांगने के लिए तीन उपकरणों को आधार बना रहे हैं, उनमें से पहला है ईडी और सीबीआई। ये विपक्षी नेताओं के खिलाफ छापेमारी कर रहे हैं। वहीं दूसरा उनका दूसरा टूल ध्रुवीकरण की भाषा है ताकि समाज के सौहार्द को बिगाड़ा जा सके, जैसे यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ध्रुवीकरण की भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वहीं तीसरा टूल है कि पीएम मोदी कभी सच नहीं बोलते हैं। उन्होंने कहा, राजस्थान में वोट मांगने के लिए मोदी के पास केवल पिछले 10 वर्षों में केवल एक योजना है और उनका नाम है पीएम झूठ बोलो योजना।

नीतीश कुमार सरकार का आरक्षण अधिनियम लागू

पटना। बिहार की जातीय जनगणना के आंकड़े आने के 50 दिनों के बाद अब राज्य में आरक्षण का संशोधित प्रावधान लागू कर दिया गया है। 21 नवंबर 2023 को बिहार गजट में प्रकाशन के साथ इसे तत्काल लागू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री थे तो जातीय जनगणना पर राज्य सरकार ने मुहर लगाई थी और उनके महागठबंधन सरकार के सीएम रहते इस जनगणना की रिपोर्ट आयी। जनगणना की रिपोर्ट पर भाजपा ने भले हंगामा किया, लेकिन इस आधार पर आरक्षण प्रावधानों में बदलाव के सरकारी प्रस्ताव पर खुली सहमति दी। जिस दिन मुख्यमंत्री ने विधानसभा में आरक्षण में बदलाव का प्रस्ताव दिया, उसी दिन राज्य कैबिनेट ने इसे पास भी कर दिया। फिर बिहार विधानसभा और विधान परिषद् से पास होने के बाद छठ के दौरान राज्यपाल की भी सहमति आ गई। अब इसे गजट में प्रकाशित करते हुए तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री का राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर सीधा हमला

लाल डायरी के पन्ने जैसे-जैसे पलटे जा रहे हैं जादूगर का चेहरा फीका पड़ता जा रहा है: मोदी

बारां। राजस्थान विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के लिए धुंआधार प्रचार कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सूबे के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत पर जबरदस्त हमला बोला। चुनाव प्रचार के लिए बारां पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम गहलोत पर जबरदस्त कटाक्ष किया। उन्होंने अशोक गहलोत को जादूगर कहते हुए एक बार फिर लाल डायरी का जिक्र छेड़ा और कहा कि उस डायरी के पन्ने जैसे-जैसे पलटे जा रहे हैं, जादूगर का चेहरा फीका पड़ता जा रहा है।

पीएम मोदी ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि उस लाल डायरी में कांग्रेस शासन द्वारा पिछले पांच सालों के दौरान अवैध रूप से बेचे गये जमीन, जंगल और पानी का पूरा ब्योरा दर्ज है। उन्होंने कहा, आजकल लाल डायरी की चर्चा है और जादूगर का चेहरा लाल डायरी के हर पन्ने के साथ फीका होता जा रहा है। इस लाल डेयरी में साफ-साफ लिखा है कि उन्होंने आपकी जमीन, पानी और जंगल को कैसे बेच दिया।

पीएम मोदी ने कहा, भारत की आजादी को 75 साल हो गए हैं। अब हमारे सामने विकसित भारत का लक्ष्य है। राजस्थान को विकसित बनाए बिना भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य अधूरा है लेकिन जब तक देश के तीन दुश्मन- भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण हमारे बीच हैं, तब तक इस संकल्प का पूरा होना मुश्किल है। कांग्रेस इन तीन बुराइयों का सबसे बड़ा प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी में भ्रष्टाचार करने के लिए हर कोई बेलगाम है। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस में चाहे वह मंत्री हो या विधायक हर कोई बेलगाम है। लोग नाराज हैं। कांग्रेस ने राजस्थान की जनता को लुटेरों, दंगाइयों और अपराधियों के हवाले कर दिया है।

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि आज कांग्रेस के समर्थन से राजस्थान में समाज विरोधी ताकतों के हौसले बुलंद हैं। दंगाइयों के साथ साथ यहां कांग्रेस सरकार के मंत्री बहनों-बेटियों पर अत्याचार करने वालों के साथ खड़े

रहते हैं। मोदी ने कहा कि जो कांग्रेस सरकार जान-माल और सम्मान की सुरक्षा तक नहीं कर सकती, उस सरकार को एक पल भी रहने का हक नहीं है।

प्रधानमंत्री ने कहा, महिला सुरक्षा और महिला कल्याण भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। अपनी बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए आपके इस भाई ने मुफ्त गैस कनेक्शन दिए। इस रक्षाबंधन पर भी हमने उज्ज्वला के गैस सिलेंडर के दाम में बड़ी राहत दी थी। अब राजस्थान भाजपा ने और भी सस्ता गैस सिलेंडर देने का ऐलान किया है। भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोगों को लूटने वाला कोई भी भ्रष्टाचारी बच नहीं सकता है। उन्होंने कहा, आपका सपना ही मोदी का संकल्प है। मोदी जो भी गारंटी देता है वह पूरी होकर रहती है। हमारा लक्ष्य है कि भाजपा सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं से कोई वंचित नहीं रहे। इसलिए 15 नवम्बर को बहुत बड़ी विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की है।

मालूम हो कि सूबे की विपक्षी पार्टी भाजपा बीते कुछ समय से लगातार यह आरोप लगा रही है कि उसके पास एक लाल डायरी है, जिसमें अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ कथित आपत्तिजनक सामग्री है। दरअसल बीते जुलाई में विधानसभा सत्र के दौरान गहलोत सरकार के तत्कालीन राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने राज्य में महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाया और अपनी पार्टी की सरकार से मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के बारे में बात करने के बजाय आत्मनिरीक्षण करने का आह्वान किया। हालांकि कुछ ही घंटों में ही उन्हें गहलोत सरकार ने बर्खास्त कर दिया था।

उस घटना के कुछ दिनों बाद गहलोत सरकार से बर्खास्त हुए राजेंद्र सिंह गुढ़ा एक लाल डायरी लेकर आए और आरोप लगाया कि उस डायरी में सीएम गहलोत के बेटे वैभव गहलोत की अध्यक्षता वाले राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के चुनावों में अनियमितता की गई है। उसके अलावा उन्होंने राजस्थान सरकार में कई कथित भ्रष्टाचारों का भी जिक्र किया था। पीएम मोदी ने उसी लाल डायरी का हवाला देते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टीकरण का प्रतीक है।

पीएम मोदी ने अंता के बाद कोटा में रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए गहलोत सरकार पर जमकर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने कोटा में विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कहा, कोटा शिक्षा की भी नगरी है। युवाओं के लिए सपनों की भी नगरी है। देश भर से युवा यहां पढ़ने आते हैं। कोटा से बेहतर कौन जानता है कि सपनों का मतलब क्या होता है। कांग्रेस ने पिछले 5 साल में बार-बार राजस्थान के युवाओं के सपनों को तोड़ा है। ऐसी कोई परीक्षा नहीं, ऐसा कोई पेपर नहीं जो कांग्रेस ने बेचा नहीं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस का पेपर लीक माफिया युवाओं के सपनों पर भारी पड़ गया है इसलिए राजस्थान बेरोजगारी के मामले में देश में अग्रणी है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं परीक्षा के पेपर लूट कर जिसने भी अपने लॉकर भरे हैं, उसका लॉकर टूटेगा और वे लॉकअप में जाएगा। राजस्थान में 200 विधानसभा सीटों पर में से 199 सीटों पर 25 नवंबर को चुनाव होगा जबकि एक सीट करणपुर से कांग्रेस उम्मीदवार गुरमीत सिंह कूनर के निधन के बाद चुनाव स्थगित कर दिया गया है। कूनर करणपुर से मौजूदा विधायक थे। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी मौजूद थीं।

खरगे और गहलोत की मौजूदगी में राजस्थान के लिए घोषणापत्र जारी

कांग्रेस का मजबूत गढ़ है राजस्थान : मल्लिकार्जुन

जयपुर। सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार 21 नवंबर को अपना घोषणा पत्र जारी किया। कांग्रेस ने मास्टर स्ट्रोक लगाते हुए राज्य में 4 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। साथ ही यह भी वादा किया गया है कि अगर पार्टी दोबारा राज्य में आती है, तो जाति जनगणना कराया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सीएम अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और पार्टी नेता सचिन पायलट समेत अन्य ने जयपुर में पार्टी का चुनाव घोषणापत्र जारी किया।

कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले जारी घोषणापत्र में वादा किया है कि अगर राज्य में फिर से उनकी सरकार बनती है, तो 10 लाख रोजगार दिए जाएंगे। कांग्रेस ने राजस्थान में अपने चुनाव घोषणा पत्र में किसानों को 2 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने, पंचायत स्तर पर भर्ती के लिए नई योजना लाने, स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार किसानों को एमएसपी देने, जाति जनगणना कराने का वादा किया।

घोषणा पत्र जारी करने के बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, राजस्थान की अर्थव्यवस्था इस साल के अंत तक 15 लाख करोड़ रुपये की हो जाएगी और 2030 तक इसे 30 लाख करोड़ रुपये तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

घोषणा पत्र की मुख्य बातें

4 लाख सरकारी नौकरी। 10 लाख रोजगार के अवसर। जाति जनगणना कराने का वादा। किसानों को 2 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण। पंचायत स्तर पर भर्ती के लिए नई योजना। स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार किसानों को एमएसपी देने का वादा।

जयपुर में घोषणा पत्र जारी करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, राजस्थान कांग्रेस

का मजबूत गढ़ रहा है, हम वही वादे करते हैं जो पूरा कर सकते हैं। खरगे ने आगे कहा, राजस्थान में हम पांच साल में 10 लाख नौकरियां देंगे, उसमें से चार लाख नौकरियां सरकारी होंगी।

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, प्रधानमंत्री ने कहा था कि जब मेरी मां-बहनें चूल्हे के सामने बैठ कर फूंकनी से फूंकती हैं और धुंआ आंखों में आता है ये मुझसे देखा नहीं जाता इसलिए मैं फ्री गैस सिलेंडर दूंगा। उन्होंने पहला गैस सिलेंडर फ्री में दिया बाद में उसे बढ़ाते-बढ़ाते 1150 का कर दिया। अब चुनाव आए जो 200 रुपए कर दिया। आपने पहले 450 का सिलेंडर 1150 का कर दिया। इतना पैसा निकालने के बाद आप हमें 200 दे रहे हैं। ये हमें बोलते हैं कि हम रेवड़ी बांट रहे हैं, फिर वोट लेने के लिए 5 किलो राशन दे रहे हैं इसे क्या कहें?

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, जिस तरह से हमने आर्थिक रूप से राजस्थान की स्थिति को संभाला है उससे राज्य के लोगों को गर्व होगा। 5 साल की आर्थिक हालातों की बात करें तो राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय 46.48 प्रतिशत बढ़ी है। जब बीजेपी की सरकार थी तब प्रति व्यक्ति आय में हम देश में 30वें स्थान पर थे और अब हम 12वें स्थान पर आ गए हैं और 2030 तक प्रति व्यक्ति आय में हम देश में नंबर-वन स्थान हासिल करें ये हमारा लक्ष्य है। 2020-21 में राज्य की जीडीपी 19.50 तक पहुंच गई, जो इस दशक में सबसे ज्यादा है।

खेल
प्रमुख समाचार

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रिंकू सिंह भारतीय टीम में शामिल

नईदिल्ली। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की सीरीज के लिए क्रिकेटर रिंकू सिंह को भारतीय टीम में जगह दी गई है। आईपीएल में कोलकाता की तरफ से खेलने वाले रिंकू अब भारत के तरफ से टी20 मैच खेलते हुए नजर आएंगे। भारतीय टीम से पहले रिंकू, हांगझोऊ में खेले गए एशियन गेम्स में भारत के तरफ से खेलते हुए नजर आए थे। बात दें भारतीय टीम में रिंकू सिंह का ये डेब्यू मैच होगा। रिंकू अलीगढ़ के रहने वाले हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पांच मैचों की टी20 मैच सीरीज 23 नवंबर को विशाखापट्टनम, 26 नवंबर को तिरुवनंतपुरम, 28 नवंबर को गुवाहाटी, 1 दिसंबर को रायपुर और 3 दिसंबर को बेंगलुरु में टी-20 मैच खेले जाएंगे। सोमवार को बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें रिंकू सिंह भी शामिल हैं। बात दें, रिंकू के पिता खानचंद गैस सिलिंडर बांटने का काम करते हैं। चीन के हांगझोउ में आयोजित किये गए एशियाई खेलों में क्रिकेट को भी इस साल से शामिल किया गया था। भारतीय टीम एशियाई खेलों में ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में खेलने उतरी थी। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रिंकू ने नाबाद 15 गेंदों में 37 रनों की पारी खेली थी। जिसमें चार छक्के और दो चौके शामिल है। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने मैच को जीता कर भारत को फाइनल में प्रवेश करवाया। रिंकू सेमीफाइनल मुकाबले में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे थे। वहीं फाइनल मुकाबले में बारिश के कारण दूसरी पारी नहीं खेली गई और भारतीय टीम को विजेता घोषित कर दिया गया था। क्रिकेटर रिंकू सिंह का जलवा आईपीएल में सभी कोई ने देख रखा है। रिंकू ने पांच गेंदों में पांच छक्के लगाकर अपनी टीम कोलकाता नाईट राइडर्स को जीत दिलाई थी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 65,931 पर बंद निफ्टी 19,783 पर पंहुचा

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार के कारोबार के दौरान तेजी दर्ज की गई और सेंसेक्स तथा निफ्टी बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 276 अंक चढ़कर 65,931 अंक के लेवल पर बंद हुआ जबकि निफ्टी 88 अंक की तेजी के साथ 19,783 अंक के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की संभावना नहीं होने के वजह से एशियाई बाजारों में तेजी से घरेलू शेयर बाजार को फायदा मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज तेजी के साथ खुला और कारोबार के दौरान 66 हजार के लेवल को पार करते हुए 66,082.36 अंक के हाईएस्ट लेवल तक गया। अंत में यह 275.62 अंक या 0.42 प्रतिशत चढ़कर 65,930.77 पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का निफ्टी -50 भी 89.40 अंक या 0.45 फीसदी का उछाल लेकर 19,783.40 अंक के लेवल पर बंद हुआ।

गोदरेज प्रॉपर्टीज को चालू वित्त वर्ष में लक्ष्य हासिल का भरोसा

नईदिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज को चालू वित्त वर्ष में 14,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य हासिल होने का भरोसा है। कंपनी के कार्यकारी चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि कंपनी को मौजूदा और आने वाली आवासीय परियोजनाओं से मजबूत मांग की उम्मीद है। गोदरेज समूह की रियल एस्टेट इकाई गोदरेज प्रॉपर्टीज ने पिछले वित्त वर्ष में 12,232 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेची थीं। पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि हम 14,000 करोड़ रुपये की सालाना बिक्री बुकिंग का लक्ष्य हासिल करने की उम्मीद कर रहे हैं। उम्मीद है कि हमारा प्रदर्शन इससे भी बेहतर रहेगा। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर में कंपनी की बिक्री बुकिंग 48 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7,288 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4,929 करोड़ रुपये थी।

इरेडा ने एंकर निवेशकों से जुटाए 643 करोड़ रुपये

नईदिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (इरेडा) ने एंकर या बड़े निवेशकों से 643 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने 58 कोषों को 32 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 20,10,19,726 शेयर आवंटित किए हैं। यह मूल्य दायरे का ऊपरी स्तर है। कंपनी का 2,150 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 नवंबर को खुल गया है। यह 23 नवंबर को बंद होगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 30-32 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। पिछले साल मई में जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाद यह किसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का पहला आईपीओ है। इरेडा आईपीओ के तहत 40.31 करोड़ नए शेयर जारी करेगी। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी 1,290 करोड़ रुपये जुटाएगी। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे।

आईआईएफएल फाइनेंस दूसरी सबसे बड़ी गोल्ड लोन देने वाली एनबीएफसी बनी

नईदिल्ली। आईआईएफएल फाइनेंस देश की दूसरी सबसे बड़ी स्वर्ण ऋण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बन गई है। इसने स्वर्ण ऋण पोर्टफोलियो में मणप्पुरम फाइनेंस को पीछे छोड़ दिया है। आईआईएफएल फाइनेंस के स्वर्ण ऋण (गोल्ड लोन) पोर्टफोलियो ने 23,690 करोड़ रुपये के एयूएम (प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां) को पार कर लिया है। मणप्पुरम फाइनेंस का स्वर्ण ऋण एयूएम 20,809 करोड़ रुपये है। आईआईएफएल फाइनेंस के स्वर्ण ऋण कारोबार के प्रमुख सौरभ कुमार ने कहा, ''इससे एयूएम के लिहाज से कंपनी की दूसरे सबसे बड़े स्वर्ण ऋण प्रदाता के रूप में स्थिति और मजबूत हुई है।''इस बाजार में सबसे आगे मुथूट फाइनेंस है। इसका स्वर्ण ऋण एयूएम सितंबर, 2023 तक 66,089 करोड़ रुपये था।

खराब रणनीति का शिकार बनी भारतीय टीम

मनोज चतुर्वेदी

पिछली बार भारत ने 2011 में धोनी की अगुआई में विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था, पर उसके बाद कोई भी प्रयास उसे चैंपियन नहीं बना सका है। इस बार टीम अपने पहले मुकाबले में चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद अगले 40 दिनों तक अजेय रही। दस मैचों में उसने जैसी क्रिकेट खेली, उससे लगा कि इस बार विश्व कप जीतने का सपना साकार होगा। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के दमखम के आगे हमारी टीम एक बार फिर नहीं टिक सकी। भले ही विराट कोहली सबसे ज्यादा 765 रन बनाने वाले और मोहम्मद शमी सबसे ज्यादा 24 विकेट निकालने वाले रहे, लेकिन इस सब पर ट्रेविस हेड का शतक और लबुशेन के साथ साझेदारी भारी पड़ गयी।

भारतीय टीम फाइनल तक शानदार प्रदर्शन कर जिस तरह हारी है, उससे लगता है कि आईसीसी टूर्नामेंटों के नॉक आउट चरण में वह अपना सर्वश्रेष्ठ क्यों नहीं दे पाती है, इस पर विश्लेषण की जरूरत है। भारत 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद से कोई आइसीसी ट्रॉफी नहीं जीत सका है। वह इसके बाद आठ बार सेमीफाइनल और फाइनल के रूप में नॉक आउट चरण में हार चुका है। वह 2013 के बाद से टी-20 विश्व कप में तीन बार, वनडे विश्व कप में दो बार, दो बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में और एक बार चैंपियंस ट्रॉफी के नॉक आउट चरण में हार चुका है।

किसी भी टीम का मनोबल ऊंचा करने में दर्शकों की भूमिका अहम होती है। इस फाइनल में तो करीब एक लाख दर्शक थे और लग रहा था कि भारत के समर्थन में नीला समुद्र उठ खड़ा हुआ है। पर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने मैच से

एक दिन पहले कहा था कि हम अपने प्रदर्शन से दर्शकों को शांत कर देंगे।

यह कहना सही होगा कि भारतीय टीम खराब रणनीति का शिकार बन गयी। इस विश्व कप के दौरान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ सभी मैचों से पहले मैदान पर जाकर विकेट के बारे में जानकारियां लेकर टीम की रणनीति बनाते रहे और टीम लगातार सफलता पाती रही। कहा जा रहा है कि पहले ही इस मैदान पर भारत और पाकिस्तान के मैच में इस्तेमाल किये गये विकेट को ही फाइनल में इस्तेमाल का फैसला हो चुका था। विकेट को सुखाने के लिए मैच से दो दिन पहले कम से कम पानी डाला गया और हेवी रोलर चलाकर विकेट को एकदम से सुखा दिया। इसका उद्देश्य विकेट को धीमा करना था। पर ऑस्ट्रेलियाई टीम का प्रबंधन विकेट के व्यवहार पर नजर बनाये हुआ था और वह ठोस रणनीति बनाने में सफल रहा।

ऑस्ट्रेलिया को पता था कि बाद में बल्लेबाजी करने पर ओस पड़ने से विकेट अच्छा हो जायेगा। यही वजह है कि कमिंस के टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले पर थोड़ा आश्चर्य भी किया गया। लेकिन उनकी सोच कारगर रही। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा से पूछा गया कि आप टॉस जीतते, तो क्या करते। उन्होंने कहा कि वे पहले बल्लेबाजी ही करते। यह बात समझ से परे है। इससे यह तो साफ है कि विकेट के व्यवहार के बारे में उन्हें सही जानकारी थी ही नहीं। इसके अलावा, इस मैच में जैसी योजना के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम उतरी, वह हमारी टीम के पास नजर नहीं आयी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज जानते थे कि गेंद विकेट पर पटकने से वह बल्लेबाज के पास रुककर पहुंचेगी। वे हर भारतीय बल्लेबाज के खेलने के अंदाज का अध्ययन करके आये थे। लेकिन भारत इस मामले में पिछड़ा नजर आया।

हम जानते हैं कि कप्तान रोहित शर्मा ने हर मैच में आक्रामक शुरुआत कर बड़ा स्कोर खड़ा करने का आधार प्रदान किया। फाइनल में भी वे इस जिम्मेदारी को निभाने में किसी हद तक सफल रहे। पर थोड़ी जिम्मेदारी की कमी साफ दिखी। रोहित ने 47 रन बनाने के बाद यदि गलती न की होती, तो पारी लंबी खिंच सकती थी। वे मैक्सवेल के ओवर में पहली तीन गेंदों पर एक छक्के और एक चौके से 10 रन बना चुके थे और थोड़ा संयम बरतने पर पारी लंबी खींच सकते थे। इस हार में धीमी बल्लेबाजी की भी बड़ी भूमिका रही।

मातृशक्ति का वंदन, हर मतदाता का हार्दिक अभिनंदन: साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने आज यहां भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्य के सभी मतदाताओं विशेष तौर पर भारी उत्साह के साथ जबर्दस्त मतदान के लिए महिलाओं, किसानों, युवाओं, मजदूरों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि स्पष्ट बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बन रही है।

छत्तीसगढ़ की जनता ने विकास, सुशासन, लोक कल्याण के लिए भाजपा के पक्ष में जनादेश दिया है। छत्तीसगढ़ की जनता भ्रष्टाचार से मुक्ति पाने आतुर है और उसने कांग्रेस की भ्रष्टतम सरकार के खिलाफ अपना फैसला सुरक्षित कर दिया है। 3 दिसंबर को आने वाला परिणाम हमारे विश्वास की पुष्टि कर देगा। भारतीय जनता पार्टी व्यवस्था परिवर्तन के लिए, राज्य के विकास के लिए दिए गए आशीर्वाद हेतु जनता जनार्दन की हृदय से आभारी है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि भाजपा मातृशक्ति को साष्टांग प्रणाम करते हुए चुनाव के दौरान कांग्रेस और उसके एजेंट के तौर पर काम करने वाले प्रशासन के उन अधिकारियों की भी आभारी है, जिन्होंने महतारी वंदन योजना का विरोध किया। राज्य की महिलाओं के हित की योजना को महिलाओं तक पहुंचने में बाधक बने। भाजपा के कार्यकर्ता तमाम बाधाएं पार करते हुए हर घर तक पहुंचे और महिलाओं को भरोसा दिलाने में शत प्रतिशत सफल रहे कि सरकार बनते ही महतारी वंदन योजना शुरू हो जाएगी और सभी विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की निधि उन्हें ससम्मान मिलने लगेगी। पिछले चुनाव में महिलाओं से 5 सौ रुपये

महीना देने का वादा करने वाली कांग्रेस ने महिलाओं के अपमान में कोई कमी बाकी नहीं रखी। भाजपा ने मोदी जी की गारंटी के तहत महिला वंदन योजना का संकल्प लिया है और मातृशक्ति का विश्वास अर्जित किया है। मतदान में महिलाओं की उत्साहपूर्वक भागीदारी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है कि महतारी की वंदना करने वाली भाजपा को महिलाओं ने अपना शुभाशीष प्रदान कर दिया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि हमने सरकार बनते ही सभी आवासहीन 18 लाख परिवारों को पक्का मकान देने की मोदी गारंटी दी है। कैबिनेट की पहली बैठक में ही इसके लिए राशि जारी कर दी जाएगी। हमने युवाओं को न्याय दिलाने और पीएससी घोटाला करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने का वचन दिया है, वह सरकार बनते ही पूरा किया जाएगा। हमने किसानों को दो साल का बकाया बोनस एकमुश्त देने की मोदी गारंटी दी है। 25 दिसंबर को यह राशि किसानों के खाते में पहुंच जाएगी। हम 31 सौ रुपये क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीद करेंगे। 3 दिसंबर को किसानों का मान बढाने भाजपा सरकार बनने का किसान इंतजार कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ की जनता के हर वर्ग के लोग भाजपा के विजय संकल्प के साथ परिवर्तन के रथ पर सवार हुए हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि दिसंबर का महीना छत्तीसगढ़ में विकास की तेज गति से आगे बढ़ने और लोक कल्याण की योजनाओं के आरंभ का ऐतिहासिक माह होगा। छत्तीसगढ़ 3 दिसंबर को कांग्रेस रूपी ग्रहण से मुक्त होगा। 5 साल से अवरुद्ध छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा इसी तारीख से आरंभ हो जाएगी। उन्होंने भाजपा के कार्यकर्ताओं को उनके जीवट और लोकतंत्र के उत्थान में सम्पूर्ण समर्पण के साथ संघर्ष के लिए कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि हमारे कार्यकर्ता हर अत्याचार का मुकाबला करते हुए आगे बढ़े। जनता के आशीर्वाद और हमारे कार्यकर्ताओं के कठिन परिश्रम का सुफल भाजपा सरकार आने का स्पष्ट उद्घोष कर रहा है।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का एक स्तम्भ है।

राजधानी में बेटी बचाओ मंच ने आंवला नवमी मनाया

रायपुर। बेटी बचाओ मंच रायपुर जोन तथा डगनिया परिक्षेत्र ने अनुपम गार्डन में आंवला नवमी का आयोजन किया। मंच पदाधिकारियो ने सर्वप्रथम विधि विधान से आवला पूजन तथा मौली धागा से 11 परिक्रमा कर लक्ष्मी माता की स्तुति गान किया । तत्पश्चात मंच के प्रदेश अध्यक्ष ललित मिश्रा ने आंवला नवमी के महत्व को प्रतिपादित किया। उक्त अवसर पर भानुरंभा चंद्राकर को अनुशासन पर श्रेष्ठ अवार्ड, रंजना वर्मा तथा नीरू वर्मा को लगातार सक्रियता पर श्रेष्ठ कार्यकर्ता अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने प्रशस्ति पत्र तथा गिफ्ट प्रदान किया । अंत में स्नेह भोज का आयोजन किया गया ।

आयोजन में मुख्य रूप से मृणालिनी मिश्रा ,आशा शर्मा ,वैजयंती चतुर्वेदी, कृष्ण वर्मा, भानुरंभा चंद्राकर, रंजना वर्मा, नीरू वर्मा, कौशल्या चंद्राकर, वैशाली दुबे, रुचि पटेरिया, खिलेश्वरी जायसवाल, श्रद्धा नामदेव, गीता दीवान, सूर्यकांता कश्यप ,भारती दुबे ,संतोषी पांडे, शोभा मिश्रा, सुकेश तिवारी , सरिता तिवारी, माधुरी तिवारी, अनीता केसरवानी, आशा दुबे सहित पदाधिकारी व सदस्य गढ़ शामिल थे ।

असीम दास की कथित चिट्ठी वायरल...

कहा-नहीं दिया सीएम या किसी कांग्रेस नेता को पैसा

रायपुर,। महादेव सट्टा एप मामले में गिरफ्तार आरोपी असीम दास का प्रवर्तन निदेशालय के संचालक को लिखा एक तथाकथित हस्तलिखित पत्र सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इस पत्र में उसने शुभम सोनी उर्फपिंटू और उसके साथियों द्वारा षडयंत्रपूर्वक फंसाए जाने की बात कहते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, वर्मा या कांग्रेस पार्टी के किसी नेता कार्यकर्ता को पैसे या अन्य किसी तरीके से सहयोग पहुंचाने से इंकार किया है।

असीम दास के इस कथित पत्र के मुताबिक उसने जेल में दाखिल होने के बाद अखबार में जब खुद से संबंधित खबर पढ़ी तो वह हैरान हो गया। असीम दास के मुताबिक शुभम सोनी से वह दुबई में मिला था और सोनी ने उसे छत्तीसगढ़ में कंस्ट्रक्शन कारोबार में मदद का वादा कर वापस छत्तीसगढ़ भेजा था। इस कथित पत्र में लिखा गया है कि अखबारों में जो बात लिखी गई है कि उसके पास से जप्त की गई नकद राशि को वह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को देने आया था, वह पूर्णत: असत्य है। उसे बहुत बड़े षड्यंत्र में फंसाया जा रहा है।असीम दास के कथित पत्र के मुताबिक वह शुभम सोनी के साथ बचपन में क्रिकेट खेलता था। 8 अक्टूबर 2023 को वह उससे मिलने दुबई गया। दुबई में शुभम सोनी के सहयोगियों ने उसे दुबई घुमाया पर सोनी से मुलाकात नहीं हुई और वह भारत वापस आ गया। इसके बाद 25 अक्टूबर 23 को वह फिर से दुबई गया, अब की बार उसकी शुभम सोनी से मुलाकात हुई। सोनी ने उसे छत्तीसगढ़ में कंस्ट्रक्शन कारोबार में मदद का वादा कर वापस भेजा और समय आने पर यूरोप शिफ्ट करने का आश्वासन दिया। शुभम सोनी इस दौरान दुबई छोड़कर ऐम्सटर्डम या लंदन में शिफ्ट होने की बात कर रहा था।कथित पत्र के मुताबिक शुभम सोनी के लोगों ने असीम दास को एप्पल कंपनी का फोन दिया। उसे बताया गया कि रायपुर एयरपोर्ट पर एक काली इनोवा गाड़ी उसे मिलेगी, जिसे लेकर उसे ट्राइटन होटल जाना है। होटल जाने के बाद रात 2 बजे उसे मेन रोड आने बोला गया। रोड में एक आदमी ने उसे कार्बन कंपनी का मोबाइल दिया। थोड़ी देर में उसकी गाड़ी में किसी ने नोट से भरे बैग रखे। गाड़ी पार्क करने के बाद वह रूम चला गया, जहां अचानक उसे ईडी के अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया और अंग्रेजी में लिखे बयान पर उससे साइन कराया गया।असीम दास ने अपनी गिरफ्तारी को षड्यंत्र बताते हुए कहा कि उसे फँसाया जा रहा है। उसने पूरे प्रकरण की जाँच की माँग की है। असीम दास ने खुद के द्वारा इस्तेमाल किए गए सिम की, काले रंग की बाइक में बिना हेलमेट और मास्क के आए व्यक्ति की सीसीटीवी के माध्यम से शिनाख्त के साथ होटल ट्राइटन के सीसीटीवी समेत अनेक बिन्दुओं पर जांच की मांग की है।

एनआईए की जांच में नहीं था षड्यंत्र का मामला: विनोद वर्मा

रायपुर। झीरम घाटी हत्याकांड मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है. ह्ढ्ढ की याचिका को खारिज कर दिया गया है. इस मामले में सीएम के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, विधानसभा चुनाव 2013 से ठीक पहले नक्सली हमला हुआ था. इस हमले में हमारे वरिष्ठ नेतागण और कार्यकर्ता समेत कुल 32 लोग शहीद हुए थे. यह पूरे विश्व के लोकतंत्र के इतिहास में सबस बड़ा राजनैतिक हत्याकांड था. इस पूरे हत्याकांड की जांच एनआईए ने शुरू की थी. इस जांच में पता चला कि इनकी जांच में हत्याकांड के षड्यंत्र का बिंदु ही नहीं था. विनोद वर्मा ने कहा, हमारी सरकार आने के बाद एक एफ़आईआर दर्ज की गई थी. छत्तीसगढ़ पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू की थी, जिसके बाद एनआईए ट्राइल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट गई. सभी जगहों से इनकी याचिका खारिज कर दी गई है, जिसके बाद अब छत्तीसगढ़ पुलिस जांच कर पूरे षड्यंत्र का पर्दाफ़ाश करने वाली है.

उन्होंने कहा, एनआईए ने जांच का चालान पेश किया था. इनके दोनों ही चालान में नक्सलियों के सबसे बड़े नेता गणपति और राममना का नाम ही नहीं डाला गया था. इस राजनैतिक षड्यंत्र को धंडकरण समिति जैसी छोटी समिति नहीं कर सकती है. आखिरि किसको बचाने के लिए इनका नाम हटाया गया था. केंद्र सरकार किसको बचाने के लिए काम कर रही थी. इस पूरे घटनाक्रम की सीबीआई जांच की बात डॉ. रमन सिंह ने की थी, लेकिन समय रहते सीबीआई ने पूरे मामले की जांच करने से इनकार कर दिया था, लेकिन फिर भी रमन सिंह ने पूरे मामले को छुपाए रखा था. सीबीआई जांच नहीं करेगी, इस बात को रमन सिंह को बताना चाहिए था.

कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा में नहीं मिली पर्याप्त सुरक्षा: वर्मा ने आगे कहा, झीरम कांड की जांच के लिए आयोग का गठन किया गया है. इस जांच ने आयोग के दायरे में भी कई महत्वपूर्ण सवाल छोड़ दिए थे. इस आयोग के जांच बिंदु को सरकार तय करती है.

हमारी सरकार आने के बाद हमने आयोग की जांच का दायरा बढ़ाया था, लेकिन नेता प्रतिपक्ष होते हुए धरमलाल कौशिक हाईकोर्ट जाते हैं और आयोग की जांच का दायरा नहीं बढ़ाने के लिए याचिका लगाते हैं. आखिरि धरमलाल कौशिक किसके बोलने पर याचिका लगाई थी. डॉ. रमन सिंह की विकास यात्रा पर पर्याप्त बल दिए जाते हैं.

केंद्र के समान डीए को लेकर राज्य के सरकारी कर्मचारी आक्रोशित

■ **चुनाव आयोग से अनुमति देने की मांग**

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारी लगातार केंद्र के समान महंगाई भत्ता (ष्ठ) देने की मांग कर रहे हैं और इसे पूरा कराने जद्दोजहद कर रहे हैं. वहीं चुनाव के कारण लगे आचार संहिता के बीच छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सभी कर्मचारियों को केंद्र के समान 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने के लिए भारत निर्वाचन आयोग से अनुशंसा की थी. लेकिन दीपावली के पहले अनुमति नहीं मिलने से कर्मचारियों में रोष है. इस बीच अब छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने महंगाई भत्ता को लेकर निर्वाचन आयोग से अनुशंसा की है. छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन पत्र में कहा कि दीपावली राष्ट्रीय त्योहार होने के कारण उक्त पर्व को उत्साह पूर्वक मनाने के लिए अन्य माह की तुलना में प्रदेश के कर्मचारियों को अतिरिक्त आर्थिक व्यय का सामना करना पड़ रहा है. यह पर्व नवंबर माह के मध्य सप्ताह में होने के कारण कर्मचारियों और पेशनरों को आर्थिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है.

दीपावली राष्टीय त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए विधान सभा चुनाव के दौरान आचार संहिता प्रभावशील होने के कारण छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश के शासकीय सेवकों को केंद्र के समान 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने के लिए भारत निर्वाचन आयोग से अनुमति के लिए विधिवत प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ को प्रेषित की गई है. ऐसी स्थिति में प्रदेश के शासकीय सेवकों को भारत निर्वाचन आयोग से शीघ्र अनुमति मिलने की अपेक्षा है. अत: छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन आपसे अनुरोध करता है कि दीपावली महापर्व और विधानसभा चुनाव संपन्न होने के कारण प्रदेश के कर्मचारी-अधिकारियों और पेंशनरों को केन्द्रीय कर्मचारियों की भांति शेष 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने के लिए अतिशीघ्र अनुमति प्रदान करने का कष्ट करेंगे।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

कांग्रेस की विकास यात्रा निरंतर चलेगी: दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र पर प्रदेश के हर वर्ग ने भरोसा किया है। 3 दिसंबर को फिर कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है और 2018 में भाजपा सरकार की बिदाई के साथ शुरू हुई नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने की कांग्रेस की विकास यात्रा निर्बाध गति से आगे बढ़ेगा। प्रदेश की

जनता ने मोदी की गारंटी और भाजपा के घोषणा पत्र से किनारा कर लिया, भरोसा नही किया। माता बहनों ने कांग्रेस सरकार बनने पर छत्तीसगढ़ गृह लक्ष्मी योजना के माध्यम से मिलने वाले हर साल 15000 रु. की राशि, 500 रु. रसोई गैस सिलेंडर में सब्सिडी, महिला समूह की कर्ज माफी जैसे विषयों पर भरोसा किया और बढ़-चढ़ कर कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर जातिगत जनगणना होगा, किसानों का कर्ज माफ होगा, धान की कीमत 3200 रु. प्रति क्विंटल मिलेगा, 200 यूनिट तक बिजली निशुल्क मिलेगी, मजदूर न्याय योजना से 10 हजार रु. खाता में आयेगा। 17 लाख से अधिक आवास मिलेंगे, केजी से पीजी तक की शिक्षा निशुल्क मिलेगी, आत्मानंद योजना से सरकारी स्कूल उन्नयन होगा, तिंवरा का समर्थन मूल्य में खरीदी होगी एवं 2018 में सरकार बनाने के बाद शुरू हुई सभी योजनाएं निरंतर गति के साथ चलेगी।

अब उम्मीद की किरण जागी है, षड्यंत्र का होगा पर्दाफाश

रायपुर। 25 मई 2013 को झीरम घाटी नक्सली हमले में 30 लोग शहीद हुए थे. इस मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए की याचिका खारिज कर छत्तीसगढ़ पुलिस को जांच की अनुमति देने का फैसला सुनाया. इसका स्वागत करते हुए झीरम नक्सली हमले में शहीद धरसीवा के दिवंगत कांग्रेस नेता योगेंद्र शर्मा की पत्नी विधायक अनिता शर्मा ने कहा

है कि अब उम्मीद की किरण जागी है और अब झीरम के षड्यन्त्र का पर्दाफाश होगा. बता दें कि 25 मई 2013 को जब कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा झीरम घाटी से गुजर रही थी तभी उस पर नक्सली हमला हुआ था, जिसमें छत्तीसगढ़ की लगभग पूरी कांग्रेस एक तरह से समाप्त हो गई थी, क्योंकि इस हमले में पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, पीसीसी चीफ नन्दकुमार पटेल एवं उनके पुत्र के अलावा बस्तर टाइगर के नाम से प्रसिद्ध कांग्रेस नेता महेंद्र कर्मा सहित 30 लोग शहीद हुए थे. इनमें धरसीवा के कद्दावर नेता योगेंद्र शर्मा भी शामिल थे, जिनका 2013 के चुनाव में धरसीवा से चुनाव लड़ना तय माना जा रहा था. झीरम कांड की जांच एनआईए कर रहा था, लेकिन झीरम कांड के बाद 5 साल भाजपा के सत्ता में रहते इसका खुलासा न होने पर 2018 में जब कांग्रेस सरकार बनी तो भूपेश बघेल सरकार ने झीरम कांड से पर्दा उठाने की बात कही और जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था, लेकिन एनआईए के दस्तावेज न देने व सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद कांग्रेस के 5 साल के राज में भी झीरम कांड का सच सामने नहीं आ सका, लेकिन मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने जैसे ही एनआईए की याचिका खारिज कर

कांग्रेस महासचिव ने 2 युवकों को गाड़ी से रौंदा

बिलासपुर. जिले में हिट एंड रन का मामला सामने आया है. एनएसयूआई के प्रदेश सचिव ने गुंडागर्दी दिखाते हुए दो युवकों पर कार चढ़ा दी. दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं. उस वक्त और भी लोग वहां पर मौजूद थे. जो बाल-बाल बच गए. घटना में घायल एक युवक की हालत गंभीर है, जिसे उपचार के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहीं दूसरे के पैर में गंभीर चोटें आई है. पुलिस मामले की शिकायत पर आरोपी की तलाश में जुट गई है.जानकारी के मुताबिक, गोंडपारा निवासी सिद्धू नामदेव अपने दोस्त के साथ मोहल्ले के किराना दुकान में सामान लेने के लिए गया था तो उसका मोहल्ले के ही अभिजीत श्रीवास्तव से किसी बात पर वाद-विवाद हो गया. जहां पर दोनों के बीच में धक्का-मुक्की और हाथापाई भी हुई. इसी बीच सिद्धू नामदेव के और दोस्त भी वहां पहुंचकर मामले को शांत कराया, जिसके बाद अभिजीत श्रीवास्तव अपने भाई अमीन श्रीवास्तव को फोन करके घटना की जानकारी दी. वहीं घटना की जानकारी मिलते ही एनएसयूआई के प्रदेश सचिव अमीन श्रीवास्तव अपनी कार में कुछ लोगों को बैठाकर घटना स्थल की तरफ आया और सड़क में चल रहे मंजीत सोनी और सिद्धू नामदेव पर गाड़ी चढ़ाकर कर फरार हो गया. घटना में युवा कांग्रेस शहर जिला महासचिव मंजीत सोनी कार की चपेट में आने से हवा में उछल गया और दूर जाकर सड़क में जा गिरा. युवक को इलाज के लिए अपोलो हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है.

मंत्रालय में पदस्थ अधिकारियों के कक्ष में बिछी चुनावी चौसर

रायपुर । प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी नई सरकार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसके साथ ही 2018 की तुलना में थोड़ा कम पड़े मतदान को लेकर गुणा-भाग किया जा रहा है। पत्रकारों से लेकर जिला कलेक्टरों से भी बात करके निष्कर्ष पर पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। दलों के घोषणा पत्रों का किसे, कितना लाभ मिल रहा है, अपने कक्ष में आने वाले हर व्यक्ति से इस विषय पर बात की जा रही है। कुल मिलाकर, जितनी अधीरता से राजनीतिक दल और मतदाता नई सरकार की प्रतीक्षा कर रहे हैं, प्रशासनिक अधिकारियों में भी वही अधीरता देखी जा रही है। मतदान के साथ ही इनकी चुनावी व्यस्तता फिलहाल न्यूनतम हो गई है। आचार संहिता के कारण शासन और मंत्रियों के साथ कोई बैठक नहीं हो रही है। इसलिए कार्यालय अवधि का बड़ा समय चुनावी गुणा-भाग में ही बीत रहा है। प्रदेश में नई सरकार के आने में अब केवल 13 दिन ही शेष हैं। तीन दिसंबर को दोपहर एक बजे तक यह लगभग स्पष्ट हो जाएगा कि प्रदेश में किस पार्टी की सरकार बन रही है। फिलहाल तबतक चर्चा के साथ केवल अनुमान ही लगाए जा सकते हैं। मंत्रालय में सबसे अधिक आइएएस ओपी चौधरी और नीलकंठ टेकाम को लेकर चर्चा गर्म है। आइएएस अफसर राजनीति में उतरे हैं, तो अफसरों की यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि प्रशासन से निकलकर कोई राजनीति में कितना सफल हो सकता है। चौधरी भाजपा की टिकट पर रायगढ़ और नीलकंठ टेकाम भी भाजपा की टिकट पर केशकाल से चुनावी मैदान में हैं। अधिकांश अफसर इसी बात से चिंतित दिख रहे हैं कि कुछ दिनों में चुनाव है।

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट आयकर इंटेलिजेंस की होगी तैनाती

रायपुर । अब तक सीआइएसएफ और रायपुर विमानतल अथारिटी की सूचना पर ही विमानतल में आयकर विभाग की कार्रवाई होती थी और आयकर विभाग हवाला कारोबार या काला धन के लेनदेन में लिप्त कारोबारियों की धड़पकड़ करते थे। लेकिन आने वाले दिनों में आयकर इंटेलिजेंस की पूरी टीम यहां काम करेगी और गलत काम करने वाले लोगों की धड़पकड़ करेगी। बताया जा रहा है कि आयकर विभाग की यह विंग सीआइएसएफ और रायपुर विमानतल अथारिटी के साथ समन्वय कर वहां से काला धन, हवाले की रकम के लेनदेन में लिप्त लोगों की धड़पकड़ करेगा। सेटअप के लिए वित्तीय मंजूरी मिलते ही यह विंग रायपुर विमानतल में काम भी करने लगेगा। रायपुर विमानतल में ही आयकर की टीम के लिए अलग से आफिस भी खुलेगा।मालूम हो कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग ने आयकर अन्वेषण ब्यूरो के अधीन तीन गैर महानगरीय विमानतलों में एयर इंटेलिजेंस यूनिट की स्थापना करने के आदेश दिए है। बताया जा रहा है कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अवर सचिव वैभव श्रीवास्तव ने डीजी आयकर अन्वेषण ब्यूरो(सीजी एमपी) भोपाल को पत्र लिखकर इसका बजट प्रस्ताव भेजने कहा है। रायपुर विमानतल में आधा दर्जन से ज्यादा आइटीओ, आइटी इंस्पेक्टर और लिपिक तैनात रहेंगे। यह अमला सीआइएसएफ के जवानों के साथ बैगेज, लगेज, स्कैनर पर बारीकी से नजर रखेगा और कुछ भी गलत दिखने पर कार्रवाई करेगा। बताया जा रहा है।

90 सीट में दांव पर 1181 दावेदारों का भविष्य

कहीं हुआ रिकार्ड तोड़ मतदान तो कहीं कम हुई वोटिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के दो चरणों में 90 सीटों में मतदान संपन्न हो गया है. पहले चरण का मतदान 7 नवंबर को 20 सीटों में हुआ. वहीं दूसरे चरण का मतदान 70 सीटों में हुआ. 90 सीटों में कुल 1181 उम्मीदवारों के किस्मत का फैसला 3 दिसंबर को होगा.

90 विधानसभा सीटों में हुए वोटिंग का निर्वाचन आयोग ने आंकड़ा जारी किया है. जिसमें पूरे 33 जिलों में 74.23 प्रतिशत मतदान हुआ है. जिसमें से धमतरी

जिले के कुरूद विधानसभा में सबसे ज्यादा मतदान 90.17 प्रतिशत हुआ है. वहीं सबसे कम बीजापुर विधानसभा में 48.37 प्रतिशत मतदान हुआ है. राजनीतिक जानकार मानते हैं कि विधानसभा चुनाव में जिस सीट में अधिक मतदान होते हैं. उस सीट में हमेशा परिवर्तन देखा जाता है.

विधानसभा चुनाव 2023 और 2018 में हुए चुनाव के कुछ आंकड़ों की बात करें तो कहीं ज्यादा मतदान हुआ है, तो कहीं पहले की तुलना में काफी कम वोट पड़े हैं. जिसमें से अंतागढ़ में 79.79 प्रतिशत इस बार मतदान हुआ है. वहीं पिछली बार इस सीट पर 75.21 प्रतिशत वोट पड़े थे, इसमें 4.58 परसेंट वोट का फर्क दिखा. दंतेवाड़ा सीट में इस बार 69.88 वोट पड़े. इस सीट में पिछली बार 60.64 मतदान हुआ था. जिसमें 9.24 परसेंट अधिक वोट पड़े हैं. कोंटा सीट में इस बार 63.14 मतदान हुआ है. जिसमें पिछली बार 55.30 प्रतिशत मतदान हुआ था. इस बार 7.84 परसेंट अधिक मतदान हुआ है.

यहां हुई बराबर वोटिंग

चंद्रपुर विधानसभा सीट में 2023 और 2018 के चुनाव में बराबर वोट पड़े हैं. यहां का वोटिंग परसेंट 75.38 प्रतिशत है.

इन सीट में कम हुई वोटिंग

रायपुर पश्चिम में इस बार 55.94 परसेंट मतदान हुआ है. 2018 के चुनाव में इस सीट में 60.45 परसेंट मतदान हुआ है. जिसमें -4.51 प्रतिशत कम मतदान हुआ है. रायपुर उत्तर में इस बार 55.59 मतदान हुआ है. इस सीट में पिछली बार 60.28 परसेंट मतदान हुआ था. जिसमें -4.69 कम मतदान हुआ है. कोरबा सीट इस बार 66.77 मतदान हुआ है. वहीं पिछली बार 71.96 मतदान हुआ है. इस सीट में -5.19 कम मतदान हुआ है.

शुरू हुई भारत आटा की बिक्री

रायपुर. केंद्र सरकार ने आम आदमी को महंगाई से एक बड़ी राहत देते हुए 'भारत आटा' लॉन्च कर दिया है. भारत आटा ब्रांड नाम से देशभर में 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से गेंहू के आटे की औपचारिक बिक्री शुरू कर दी है. वहीं राजधानी रायपुर में भी अब एनसीसीएफ की 20 मोबाइल वैन शहर के अलग-अलग कोनो में इसकी बिक्री कर रही है.

राजधानी रायपुर के क्रिस्टल आर्केड के पास आज ये मोबाइल वैन पहुंची जहां बड़ी संख्या में लोगों ने यहां से आटा और दाल खरीदी. बता दें कि भारत आटा सहकारी समितियों नॉफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार के माध्यम से देशभर में 800 मोबाइल वैन और 2,000 से अधिक दुकानों के माध्यम से बेचा जाएगा.आप कैसे खरीद सकते है ?

इसके खरीदना आसान है. शहर में जहां भी आपको ये वैन दिखे वहां आपको अपना नाम और मोबाइल नंबर देना होगा, जिसकी इंट्री के बाद वैन के कर्मचारी आपको भारत आटा, चना दाल और प्याज रियायती दरों में उपलब्ध करा देंगे.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.